CMYK

news@group5.in | group5news | group5news

www.group5news.com

हिन्दी दैनिक

ग्रुप-5 समाचार

सदैव आपके साथ...

www.group5news.com/epaper

लखनऊ || मंगलवार || 15 अप्रैल , 2025 वर्ष: 17 || अंक : 116 || पृष्ठ: 12 || मूल्य: 2/-

अंदर पढ़ें
» 07 10 का दम... रसना से लेकर मदर डेयरी तक
» 08 कमबैक हो तो ऐसा!
» 11 भतीजे इब्राहिम अली खान को सोहा ने दी जरूरी

कर्नाटक में 5 साल की बच्ची से रेप की कोशिश, हत्या

भागते समय पुलिस पर किया था हमला

हुबली (एजेंसी)। कर्नाटक में 5 साल की बच्ची से रेप की कोशिश, फिर उसकी हत्या करने के आरोपी को पुलिस ने रविवार रात एनकाउंटर में मार गिराया। मुठभेड़ में एक सब इंस्पेक्टर समेत 3 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। घटना

हुबली की है। आरोपी ने दिन में बच्ची को उसके घर के पास से ही अगवा किया था। वह उसे एक सुनसान जगह बने शेड में ले गया। यहां रेप की कोशिश की। बच्ची की चीख सुनकर लोग इकट्ठा हो गए। घबराकर आरोपी ने गला घोंटकर बच्ची की हत्या कर दी और फरार हो गया। कुछ ही घंटों में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हुबली पुलिस कमिश्नर शशि कुमार ने कहा- पुलिस आरोपी को कुछ डॉक्यूमेंट्स और आइडेंटिटी वेरिफिकेशन के लिए उसके घर ले गई थी।

गुजरात में 1800 करोड़ की 300 किलो ड्रग्स जब्त

पोरबंदर से 190 किमी दूर समुद्र में फेंककर भागे तस्कर

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में इंडियन कोस्ट गार्ड ने 300 किलो ड्रग्स जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 1,800 करोड़ रुपए बताई जा रही है। जब्त ड्रग्स मेथामफेटामाइन हो सकता है। गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड और कोस्ट गार्ड ने 12-13 अप्रैल की रात ज्वाइंट ऑपरेशन के तहत पोरबंदर से 190 किमी दूर समुद्र से ड्रग्स की खेप को पकड़ा है।

गुजरात एटीएस से मिली जानकारी के बाद कोस्ट गार्ड ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा की ओर सर्च के लिए जहाज भेजा था। अंधेरे के बीच कोस्ट गार्ड की टीम ने एक बोट को स्पॉट किया। बोट सवारों से पहचान बताने को कहा। इससे घबराए तस्करों ने ड्रग्स को समुद्र में फेंका और अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भाग निकले। कोस्ट गार्ड टीम ने समुद्र में फेंकी गई ड्रग्स को रेस्क्यू बोट की मदद से बाहर निकाला। बोट का कनेक्शन पाकिस्तान से होने की आशंका है।

बीएसएफ ने भाजपा के साथ रची बंगाल हिंसा की साजिश

बोले-फेक फोटो पोस्ट कर बंगाल के लोगों को भड़का रहे

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद कुणाल घोष ने मुर्शिदाबाद हिंसा के पीछे भाजपा और दूसरी राजनीतिक पार्टियों के होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- हमें इनपुट मिले हैं कि हिंसा की घटनाओं के पीछे एक बड़ी साजिश थी। केंद्रीय

एजेंसियां, बीएसएफ और कुछ राजनीतिक दलों का एक सेक्शन इस साजिश में शामिल था। बीएसएफ ने मदद करके उपद्रवियों को राज्य का बॉर्डर पार करवाया। कुछ उपद्रवी मुर्शिदाबाद के इलाके में घुसे, अराजकता फैलाई और बीएसएफ ने उन्हें वापस जाने के लिए भी मदद की। यह इनपुट सच है या नहीं इसकी जांच होनी चाहिए। घोष ने आगे कहा- भाजपा ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में दूसरे राज्यों की तस्वीरों का इस्तेमाल करके उसे मुर्शिदाबाद का बताया। वे बंगाल के लोगों को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।

सलमान को घर में घुसकर मारेंगे, बम से उड़ाएंगे कार

● गैलेक्सी अपार्टमेंट में हुई फायरिंग के सालभर बाद फिर मिली धमकी, शिकायत दर्ज

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को फिर एक बार जान से मारने की धमकी मिली है। मुंबई के वर्ली स्थित ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट में अज्ञात शख्स ने वॉट्सऐप मैसेज कर सलमान खान की कार को बम से उड़ाने की बात कही। रविवार देर रात भेजे गए इस मैसेज में लिखा है- हम सलमान खान को घर में घुसकर मारेंगे। मुंबई की वर्ली पुलिस अज्ञात के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(2)(3) के तहत शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पिछले साल 14 अप्रैल को सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट में फायरिंग हुई थी। इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। इस केस में पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें से एक आरोपी ने खुदकुशी कर ली है। लॉरेंस गैंग से लगातार मिल रही धमकियों पर सलमान खान ने कुछ समय पहले ही पहली बार चुप्पी तोड़ी। फिल्म 'सिकंदर' की प्रेस मीट में एक्टर ने कहा कहा था-भगवान-अल्लाह ने जितनी उम्र लिखी होगी, उतनी जरूर जिएंगे। सिक्योरिटी बढ़ाई

जाने पर सलमान ने कहा,कभी-कभी इतने लोगों को साथ लेकर चलने से दिक्कत हो जाती है। 2023 में लॉरेंस गैंग से धमकी मिलने के बाद ही सलमान की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। उन्हें महाराष्ट्र सरकार की तरफ से एक्स+ कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है। 11 जवान हर समय साथ रहते हैं, इसमें एक या दो कमांडो और 2 जवान भी शामिल होते हैं। सलमान की गाड़ी के आगे और पीछे एस्कॉर्ट करने के लिए दो गाड़ियां हमेशा रहती हैं। इसके साथ-साथ सलमान की गाड़ी भी पूरी तरह बुलेटप्रूफ है। गैलेक्सी अपार्टमेंट में हुई फायरिंग के बाद जनवरी में सलमान के अपार्टमेंट की बालकनी बुलेटप्रूफ कर दी गई है। साथ ही हाई रिजोल्यूशन कैमरे भी चारों तरफ लगाए गए हैं। ठीक एक साल पहले 14 अप्रैल को सुबह करीब 5 बजे सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट में 7.6 बोर की बंदूक से 4 राउंड फायरिंग हुई थी। इस समय सलमान खान घर में ही मौजूद थे।

वक्फ कानून ठीक होता तो मुसलमान पंचर नहीं बनाते

● हरियाणा में पीएम बोले-कांग्रेस मुस्लिम को अध्यक्ष बनाए

प्रधानमंत्री ने हिसार-अयोध्या फ्लाइट को हरी झंडी दिखाई

हिसार/यमुनानगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को हरियाणा दौरे पर रहे। सुबह करीब 10 बजे उन्होंने हिसार में हरियाणा के पहले एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। यहां से हिसार-अयोध्या फ्लाइट को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद पीएम यमुनानगर पहुंचे। यहां उन्होंने 800 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट की यूनिट, कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट का शिलान्यास और रेवाड़ी बाइपास का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा-देश आजाद होने के बाद 2013 तक वक्फ का कानून चलता था। 2013 में कांग्रेस ने कानून में संशोधन कर दिया, ताकि चुनाव में वोट पा सकें। कानून को ऐसा बना दिया कि बाबा साहेब के संविधान की ऐसी-तैसी कर दी।

इसका सही उपयोग होता तो मुसलमानों को साइकिल के पंचर बनाने की जरूरत नहीं होती। पीएम ने आगे कहा-कांग्रेस कहती है कि ऐसा मुसलमानों के हित में किया। मैं पूछना चाहता हूं कि अगर सच्चे मन से मुसलमानों के लिए थोड़ी भी हमदर्दी है तो कांग्रेस पार्टी अपनी पार्टी का अध्यक्ष किसी मुसलमान को बनाए, लेकिन इनके नेता ऐसा कुछ नहीं करेंगे।

हवाई चप्पल पहनने वाला भी जहाज में उड़ेगा- पीएम मोदी ने कहा, अब श्रीकृष्ण जी की पावन भूमि हरियाणा, श्रीराम जी की भूमि अयोध्या से सीधी जुड़ गई है। बहुत जल्द हिसार से दूसरे शहरों के लिए भी उड़ानें शुरू होंगी। मेरा वादा रहा है कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज में उड़ेगा। 10 सालों में करोड़ों भारतीयों ने जीवन में पहली बार हवाई सफर किया है। हमने वहां भी नए एयरपोर्ट बनाए, जहां कभी अच्छे रेलवे स्टेशन तक नहीं थे। 2014 से पहले देश में 74 एयरपोर्ट थे, 70 साल में 74। आज देश में एयरपोर्ट की संख्या 150 के पार हो गई है। प्रधानमंत्री बोले,हमें यह कभी नहीं भूलना है कि कांग्रेस ने बाबा साहेब के साथ क्या किया। कांग्रेस ने उन्हें 2 बार चुनाव हराकर अपमानित किया।

कांग्रेस के लोग यूनिफॉर्म सिविल कोड का विरोध कर रहे- उन्होंने कहा, कांग्रेस ने हमारे पवित्र संविधान को सत्ता हासिल करने का एक हथियार बना दिया है। जब-जब कांग्रेस को सत्ता का संकट दिखा, उन्होंने संविधान को कुचल दिया। कांग्रेस ने संविधान की स्पिरिट को कुचला। संविधान की भावना है कि सबके लिए एक जैसी नागरिक संहिता हो, जिसे मैं कहता हूं यूनिफॉर्म सिविल कोड, लेकिन कांग्रेस ने इसे लागू नहीं किया। उत्तराखंड में बीजेपी सरकार आने के बाद यूसीसी डंके की चोट पर लागू हुआ। संविधान को जेब में लेकर बैठे कांग्रेस के लोग उसका विरोध कर रहे हैं। मोदी ने कहा, हरियाणा की गाड़ी अब विकास के पथ पर दौड़ रही है।

पीएनबी घोटाले का आरोपी मेहुल बेल्जियम में गिरफ्तार

● भारत की प्रत्यर्पण अपील के बाद ऐक्शन,सेहत का हवाला देकर बेल मांग सकता है चोकसी

ब्रूसेल्स (एजेंसी)। पंजाब नेशनल बैंक से लोन धोखाधड़ी मामले में आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को पुलिस ने बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारतीय जांच एजेंसियों के प्रत्यर्पण की अपील पर 12 अप्रैल को उसकी गिरफ्तारी हुई, फिलहाल वह जेल में है। भारत ने बेल्जियम के साथ चोकसी के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस ने चोकसी को गिरफ्तार करते समय दो गिरफ्तारी वारंट का हवाला दिया। ये मुंबई की एक अदालत ने जारी किए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि वारंट 23 मई 2018 और 15 जून 2021 के थे। ऐसा माना जा रहा है कि चोकसी अपनी खराब सेहत का हवाला देते हुए जमानत और

तत्काल रिहाई की मांग कर सकता है। बेल्जियम में गिरफ्तारी के बाद मेहुल चोकसी ने अपने खराब सेहत का हवाला देते हुए कोर्ट में जमानत मांगी है। उसकी ओर से कहा गया है कि इलाज कराने के लिए बेल्जियम आया था और अपनी पत्नी के साथ एंटवर्प में रह रहा था।

● अहमदाबाद से कांग्रेस ने चल दिया बड़ा दांव

लालू और तेजस्वी के लिए खड़ी की बड़ी मुश्किल

● ओबीसी,दलित और मुस्लिम वोटों पर किया फोकस ● एससी-एसटी वोटों को पाले में करने का चला दांव

पटना (एजेंसी)। बिहार के बहाने ही सही लेकिन कांग्रेस अब बदल रही है। छह दशक बाद अहमदाबाद में हुए दो दिवसीय अधिवेशन में पार्टी ने बदलाव की मंशा उजागर कर दी। कांग्रेस अब सर्व समाज की पार्टी की छवि बदल देगी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में उसे ओबीसी, दलित और मुस्लिम समाज से सर्वाधिक उम्मीद है। कांग्रेस को लगता है कि जिस तरह सवर्ण भाजपा के साथ सट-बंध गए हैं, उससे उनके वोटों की आस लगाना अब उसके लिए फायदेमंद नहीं होगा। अगर उसे अपनी खोई गरिमा हासिल करनी है तो दलित, पिछड़े और मुसलमानों जैसे बहुजन पर दांव लगाना ही ठीक रहेगा। इनकी आबादी तकरीबन 85 प्रतिशत है। कांग्रेस का यह चिंतन उसे कामयाबी दिला पाएगा या नहीं, पर उसका कन्फ्यूजन इसमें साफ झलकता है। उसे इस बड़ी आबादी की राजनीति के लिए पहले क्षेत्रीय दलों से निपटना पड़ेगा, जिनका जन्म ही जातियों के आधार पर हुआ है। कांग्रेस ने तय किया है कि वह सत्ता में आने पर एससी-एसटी उपयोजना के लिए केंद्रीय कानून बनाएगी। इनकी आबादी के हिसाब से बजटीय आवंटन की गारंटी देगी। सुनने में यह बात बेहद अच्छी लगती है। अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति के लिए उसकी चिंता भी इसमें साफ दिखती है। पर, देश में सर्वाधिक समय तक सत्ता में रहने के दौरान कांग्रेस को यह बात क्यों नहीं सूझी। कांग्रेस सिर्फ 11 साल से सत्ता विहीन है। फिर भी दो राज्यों- कर्नाटक और तेलंगाना में उसकी सरकारें हैं। अगर कांग्रेस का यह नीतिगत निर्णय है तो वह अपने शासन वाले दोनों राज्यों में प्रयोग के तौर पर यह नीति क्यों नहीं अपनाती। दलित, पिछड़े और मुसलमानों की चिंता में दुबली होती जा रही कांग्रेस यह भूल जाती है कि दलित, मुस्लिम और ब्राह्मण कभी उसके जनाधार रहे, लेकिन अब उनका कांग्रेस से मोह भंग हो चुका है। कांग्रेस ने अपने बड़े मुस्लिम लीडर आरिफ मोहम्मद खान की परवाह नहीं की। गुलाम नबी

आजाद के किनारे होने पर उसे कोई कोफ्त नहीं हुई। कांग्रेस शासन में दंगों के सर्वाधिक शिकार मुसलमान हुए। पर, कभी कांग्रेस ने इसकी परवाह नहीं की। नतीजा सामने है। कालांतर में मुसलमानों ने इलाकाई पार्टियों में अपना ठौर तलाश लिया। लालू प्रसाद यादव, मुलायम सिंह यादव और ममता बनर्जी जैसे लोगों की पार्टियां कांग्रेस के बजाय मुसलमानों को रास आने लगीं। मुसलमानों की मदद से राज्यों में बनी कांग्रेस की सरकारें आहिस्ता-आहिस्ता अपदस्थ होती गईं। बिहार में 17 फीसद मुसलमान आरजेडी के साथ चले गए। यूपी में मुसलमान समाजवादी पार्टी में अपनी भलाई देखने लगे। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस से मुसलमानों की उम्मीदें पूरी होने लगीं। बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश में लंबे समय तक शासन करने वाली पार्टी का हश्र सामने है। बिहार में दिव्यांग बन कांग्रेस लालू यादव की पीठ-कंधे की सवारी के लिए अब भी मजबूर है। बंगाल में तो ममता बनर्जी ने कांग्रेस का नामोनिशान मिटा दिया है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने ही किसी तरह जिंदा रखा है।

बिहार की सियासत में 'खाकी' का रंग हमेशा रहा है फीका

● डीपी ओझा से लेकर गुप्तेश्वर पांडेय तक सभी हो गए 'फेल' ● अब शिवदीप लांडे ने बनाई 'हिंद सेना', संदिग्ध है सफलता

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में खाकी वर्दी वालों का रंग कुछ फीका ही रहा है। कई पुलिस अधिकारी राजनीति में किस्मत आजमाने आए, लेकिन सफलता कुछ को ही मिली। अक्सर उन्हें ही सफलता मिली जिनके पीछे किसी बड़ी पार्टी का हाथ था। अपने दम पर या छोटी पार्टियों के सहारे आने वालों को ज्यादातर हार का सामना करना पड़ा। हाल ही में, एक और आईपीएस अधिकारी ने नौकरी छोड़कर पार्टी बनाकर राजनीति में उतरने का संकेत दिया है। दरअसल, पूर्व आईपीएस शिवदीप लांडे ने 'हिंद सेना' नाम से अपनी पार्टी बनाकर राजनीति में आने का ऐलान किया है। वे राष्ट्रवाद, सेवा और समर्पण के सिद्धांतों पर काम करने की बात कर रहे हैं। वहीं, उनसे पहले पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पाण्डेय को राजनीति में निराशा हाथ लगी। उन्होंने वीआरएस लेकर चुनाव लड़ने की तैयारी की थी, पर उन्हें टिकट नहीं मिला। इनसे पहले पूर्व डीजीपी आशीष रंजन को कांग्रेस से टिकट तो मिला, लेकिन वे नीतिश कुमार के गढ़ में हार गए। पूर्व डीजीपी डीपी ओझा भी चुनाव में बुरी तरह हारे थे। अपनी किस्मत आजमाई, लेकिन सफलता कुछ ही लोगों को मिली। ज्यादातर अधिकारियों को हार का सामना करना पड़ा। अब एक और आईपीएस अधिकारी शिवदीप लांडे

हालांकि, कुछ पुलिस अधिकारी जैसे ललित विजय, निखिल कुमार और सुनील कुमार चुनाव जीते और मंत्री भी बने। बिहार की राजनीति में पुलिस अधिकारियों का सफर आसान नहीं रहा है। कई अधिकारियों ने खाकी वर्दी छोड़कर राजनीति में ने अपनी राजनीतिक पार्टी बनाकर सक्रिय राजनीति में आने का संकेत दिया है। शिवदीप लांडे, बिहार के एक कड़क आईपीएस अधिकारी माने जाते हैं। उन्होंने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा जाहिर कर दी है। उन्होंने किसी बड़ी पार्टी का सहारा नहीं लिया, बल्कि 'हिंद सेना' नाम से अपनी नई पार्टी बनाई है। उन्होंने बताया कि उनकी पार्टी राष्ट्रवाद, सेवा और समर्पण के सिद्धांतों पर चलेगी। साथ ही, बिहार की जनता की आवाज बनने की कोशिश करेगी। इस प्रयास को शुरू करने के लिए लांडे ने पिछले साल सितंबर में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) से इस्तीफा दे दिया था। पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पाण्डेय के लिए बिहार की राजनीति एक सबक साबित हुई। उन्होंने पहली बार वीआरएस लेकर चुनाव लड़ने की तैयारी की, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी। राजनीतिक गलियारों में चर्चा थी कि उन्होंने टिकट के लिए पहले जदयू और फिर भाजपा से बात की, लेकिन उनकी बात नहीं बनी। कहा जाता है कि काफी कोशिशों के बाद उन्होंने वीआरएस वापस ले लिया और फिर से नौकरी करने लगे। उन्होंने दूसरा प्रयास डीजीपी रहते हुए किया और तैयारी भी कर ली।

एमपी के नीमच में लाठी-डंडे से 3 जैन मुनियों पर हमला

● हनुमान मंदिर में रुके थे,घटना के विरोध में शहर बंद, राजस्थान के 6 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल (एजेंसी)। नीमच जिले के सिंगोली थाना क्षेत्र में तीन जैन मुनियों पर छह बदमाशों ने हमला कर दिया। जैन मुनि विश्राम करने रविवार रात सिंगोली मार्ग स्थित हनुमान मंदिर में रुके थे। रात करीब 12 बजे आरोपियों ने लूट के इरादे से लाठी और धारदार हथियार से हमला किया। घटना के बाद दो बदमाशों को तो लोगों ने मौके पर ही पकड़ लिया। हमले में घायल मुनियों ने अस्पताल जाने से इनकार कर दिया, जिसके बाद सभी को जैन स्थानक भवन में रखा गया है। घटना के बाद जैन समाज की ओर से नगर बंद का आह्वान किया गया है। वहीं, पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के रहने वाले हैं। सिंगोली थाना टीआई भूरा लाल भाभर ने बताया कि जैन संत शैलेष मुनि जी, बलभद्र मुनि जी और मुनींद्र मुनि जी विहार पर

हैं। वे सिंगोली से नीमच जा रहे थे। रविवार-सोमवार की रात वे कछाला गांव के पास हनुमान मंदिर में विश्राम के लिए रुके थे। इसी दौरान तीन बाइक से कुछ बदमाश वहां पहुंचे। पहले उन्होंने मंदिर के सामने बैठकर शराब पी। उन्हें जैन मुनि मंदिर में दिखे तो पास जाकर उनसे रुपए रुपए मांगने लगे। जब मुनियों ने मना किया, तो मारपीट शुरू कर दी। जान बचाने के लिए एक जैन मुनि सड़क की ओर भागे। उन्होंने रास्ते से गुजर रहे बाइक सवार से मदद मांगी। उससे समाज के लोगों को फोन करने के लिए कहा। बाइक सवार ने जैन समाज के कुछ लोगों को फोन किया। सूचना पर लोग भी आ गए।

फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में बोले मुख्यमंत्री

उत्तर प्रदेश अब 'बीमारू' नहीं, बन चुका है ग्रोथ इंजन

» उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य और उपभोक्ता व श्रम बाजार उद्यमियों का स्वागत करता है

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य और उपभोक्ता व श्रम बाजार उद्यमियों का स्वागत करता है। फिक्की को उत्तर प्रदेश के विकास में एक महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए सीएम योगी ने कहा कि इस संगठन ने निवेशकों के लिए सकारात्मक माहौल और ईको सिस्टम बनाने में सरकार का साथ दिया है। विशेष रूप से, इन्वेस्टर समिट 2018 और 2023 को सफल बनाने में फिक्की का योगदान सराहनीय रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भारत की जनसंख्या के हिसाब से सबसे बड़ा राज्य है, फिर भी यह लंबे समय तक 'बीमारू' राज्य के रूप में जाना जाता था। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता के समय उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत के बराबर थी, लेकिन धीरे-धीरे यह घटकर एक तिहाई रह गई. हालांकि, पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसे देश और दुनिया ने देखा है। उन्होंने कहा कि नीति निर्माण में फिक्की जैसे संगठनों का सहयोग इस बदलाव का एक प्रमुख कारण रहा है. उत्तर प्रदेश अब बीमारू नहीं, बल्कि देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। यह भारत का ग्रोथ इंजन बन चुका है और देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। राज्य ने अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) और प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि 2017 में सरकार बनने के बाद किसानों की कर्ज माफी जैसे प्रस्तावों के लिए धन की कमी थी। उस समय बैंकों का सहयोग नहीं मिलता था और कर्मचारियों के वेतन के लिए भी संसाधन नहीं थे, लेकिन सरकार ने बजट में 36 हजार करोड़ रुपये की रिसाव (लिकेज) को चिह्नित कर उसे समाप्त किया, जिससे आज उत्तर प्रदेश राजस्व अधिशेष (रेवेन्यू सरप्लस) वाला राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में अराजकता, गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार के कारण लोग अपनी पहचान छिपाने को मजबूर थे। उन्होंने महाकुंभ के उदाहरण से समझाया कि 2017 से पहले कुंभ में गंदगी और अव्यवस्था थी, लेकिन इस बार स्वच्छता और सुव्यवस्था ने सबका ध्यान खींचा।

किसानों और उद्योगों के लिए किये गये सुधार

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने किसानों के लिए कई कदम उठाए हैं। उत्तर प्रदेश में 122 चीनी मिलें संचालित हो रही हैं और गन्ना किसानों का बकाया अब तीन से सात दिनों में भुगतान किया जा रहा है। पिछले आठ वर्षों में डीबीटी के माध्यम से गन्ना मूल्य का भुगतान सीधे किसानों के खातों में किया गया है। उद्योगों के लिए भी सरकार ने निवेश माहौल को बेहतर बनाया. 2017 में जब सैमसंग और टीसीएस जैसी कंपनियां उत्तर प्रदेश छोड़ने को तैयार थीं तब सरकार ने उन्हें विश्वास दिलाया और आज तो 15 लाख करोड़ रुपये का निवेश धरातल पर उतर चुका है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी में आई क्रांति

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास पर जोर देते हुए कहा कि पहले राज्य की पहचान खराब सड़कों और अंधेरे से थी, लेकिन आज उत्तर प्रदेश के पास देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे नेटवर्क, मेट्रो रेल, रेल नेटवर्क और जलमार्ग है। राज्य में चार लाख किलोमीटर का नेशनल हाईवे नेटवर्क, 16 कार्यशील हवाई अड्डे (चार अंतरराष्ट्रीय और 12 घरेलू) हैं और एशिया का सबसे बड़ा जेवर हवाई अड्डा निर्माणाधीन है। इसके अलावा लॉजिस्टिक हब और ड्राईपोर्ट जैसे कदमों ने उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए आकर्षक बनाया है।

निवेश और औद्योगिक विकास के लिए बनाई गई पॉलिसीज़

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि उत्तर प्रदेश में 33 सेक्टोरियल नीतियों और निवेश मित्र पोर्टल के जरिए 500 से अधिक मंजूरियां सिंगल विंडो सिस्टम से दी जा रही हैं। एमएसएमई को पुनर्जीवित किया गया और उद्यमियों के अनावश्यक उत्पीड़न को समाप्त किया गया। उन्होंने एक उदाहरण साझा किया कि 2017 में मुंबई में एक उद्यमी ने उनसे सुरक्षा की गारंटी मांगी थी. उस उद्यमी ने बाद में चार हजार करोड़ रुपये का निवेश किया और 2023 में उत्तर प्रदेश को निवेश का 'ड्रीम डेस्टिनेशन' बताया। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ के सफल आयोजन को उत्तर प्रदेश की क्षमता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में साढ़े सात हजार करोड़ रुपये खर्च कर इन्फ्रास्ट्रक्चर का कायाकल्प किया गया। महाकुंभ को लेकर विपक्षी सवाल उठाते थे, पूछते थे कि क्या महाकुंभ कराना सरकार का कार्य है, लेकिन आप सभी ने देखा होगा कि महाकुंभ केवल प्रयागराज तक सीमित नहीं था, बल्कि काशी, अयोध्या, मथुरा जैसे शहरों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। इससे व्यापार को बढ़ावा मिला और उत्तर प्रदेश की छवि बदली। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, फिक्की के अध्यक्ष हर्षवर्धन अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनंत गोयनका और उत्तर फिक्की के प्रदेश अध्यक्ष मनोज गुप्ता सहित देशभर के उद्यमी उपस्थित रहे।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम पर होगा जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को घोषणा की कि उत्तर प्रदेश में इसी महीने से शुरु किया जाने वाला जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम (शून्य गरीबी अभियान) बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम पर होगा। उन्होंने कहा कि हर गरीब-वंचित को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से सरकार ने जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम की योजना बनाई है जिसका मतलब है कि कोई गरीब-वंचित न रहे, बल्कि वह सुविधायुक्त जीवन जिए। यहां जारी एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 134वीं जयंती पर आंबेडकर महासभा की तरफ से सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एक स्मारिका का भी विमोचन किया। आदित्यनाथ ने कहा कि जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम के पहले चरण में 14-15 लाख परिवारों को जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि हर ग्राम पंचायत में, विभिन्न सुविधाओं से वंचित 20-25 परिवार जरूर होंगे और डबल इंजन सरकार उन्हें वह सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना बाबा साहेब के नाम पर होगी, क्योंकि देश में शैक्षणिक, सामाजिक व आर्थिक रूप से समुन्नत करने का दर्शन उन्होंने ही दिया था। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य होगा, जो जीरो पॉवर्टी के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाएगा। आदित्यनाथ ने कहा कि बाबा साहेब का एक ही संकल्प था कि कोटि-कोटि वंचितों-दलितों को उनका अधिकार दिलाना है और देश के साथ साथ नागरिकों की आजादी के लिए भी कार्य करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1946 में संविधान सभा का गठन हुआ और पहली संगठित सरकार के न्याय मंत्री और संविधान समिति के ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के रूप में बाबा साहेब को कार्य करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि जो लोग भारत की एकता के पक्षध2353ी नहीं थे, वह मानते थे कि भारत स्वतंत्र तो हो रहा है पर एकजुट नहीं रह पाएगा। लेकिन बाबा साहेब के बनाए संविधान के चलते उनकी मंशा धरी की धरी रह गई। उत्तर से दक्षिण व पूरब से पश्चिम तक 140 करोड़ लोग एकता के सूत्र में बंधे हैं। संविधान के कारण भारत ने सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में आज तक अपनी धाक जमा रखी है।

लोकबंधु अस्पताल में लगी आग

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल में सोमवार रात अचानक आग लग गई, जिससे अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की घटना के तुरंत बाद अस्पताल प्रशासन ने सतर्कता दिखाते हुए मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालना शुरू किया। धुएं का घना गुबार अस्पताल के कई हिस्सों में फैल गया, जिससे मरीजों और स्टाफ को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियाँ मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया गया। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्राथमिक जानकारी के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी हो सकती है। राहत की बात यह रही कि आग लगने से अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। फायर ब्रिगेड के जवानों ने अस्पताल की ऊपरी मंजिलों में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। प्रशासन द्वारा मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। अस्पताल में इलाज कराने आए मरीजों और उनके परिजनों में भय और बेचैनी का माहौल बना हुआ है।

रेस्क्यू कर मरीजों को निकाला गया बाहर

सोमवार को विमानों की लेटलतीफी में हुआ सुधार

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। पिछले कई दिनों से चल रही विमानों की लेटलतीफी सोमवार को कम हुई। फ्लाइटें आधे से एक घंटे तक ही देरी की शिकार हुई। दिल्ली, मुंबई, श्रीनगर, कोलकाता रूट के विमानों से आवाजाही करने वाले यात्रियों को असुविधाएं हुई। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पिछले कई दिनों से विमानों की आवाजाही बाधित हो रही है, जिससे फ्लाइटें तीन से चार घंटे तक लेट हो रहे थे। वहीं सोमवार को यह लेटलतीफी कम हई। दिल्ली एयरपोर्ट के रनवे पर व्यस्तता कम होने के कारण विमानों की लैंडिंग व टेकऑफ में दिक्कतें नहीं हुई, जिससे फ्लाइटें लेट नहीं हुई। इसी क्रम में सोमवार को लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की 6-9480 चालीस मिनट, 65-2437 पैंतीस मिनट, 6-2704 आधे घंटे व एयर इंडिया की एआई-812 पचास मिनट लेट रही। वहीं दिल्ली से लखनऊ आने वाली इंडिगो की 65-2258 आधे घंटे व एयर इंडिया की एआई-811 एक घंटे देरी से पहुंची। इसी क्रम में लखनऊ से मुबई की उडान संख्या 6-643 चालीस मिनट व अकासा एयर की फ्लाइट एकेजी-1451 पौन घंटे लेट रही। लखनऊ से हैदराबाद जाने वाली इंडिगो की 6-6166 आधे घंटे व हैदरावाद से अमौसी आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की एएक्सवी-2815 पच्चीस मिनट लेट पहुंची। जबकि बंगलुरू से लखनऊ आने वाली स्मार्ट लिक्स की उडान 451 एक घंटे व लखनऊ से कोलकाता जाने वाली इंडिगो की 65-505 चालीस मिनट एवं कोलकाता से लखनऊ आने वाली 6-6139 एक घंटे दस मिनट की देरी से लखनऊ पहुंची। जयपुर से लखनऊ आने वाली इंडिगो की 63-2176 पैंतीस मिनट एवं श्रीनगर से लखनऊ आने वाली इंडिगो की 63-6524 पौन घंटे लेट रही। इसके अतिरिक्त मंगलवार को दूवड़ से लखनऊ आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की एएक्सवी-194 एक घंटे छह मिनट देरी से अमौसी एयरपोर्ट पहुंची।

कटिहार-अमृतसर-कटिहार साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन के फेरे बढ़े

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए 05736/05735 कटिहार-अमृतसर-कटिहार साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन कटिहार से 21 मई से 25 जून, तक प्रत्येक बुधवार को तथा अमृतसर से 23 मई से 27 जून, तक प्रत्येक शुक्रवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05736 कटिहार-अमृतसर साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 21 मई से 25 जून, तक प्रत्येक बुधवार को कटिहार से 21.00 बजे प्रस्थान कर पूर्णिया से 21.32 बजे, अररिया कोर्ट से 22.17 बजे, फारबिसगंज से 23.20 बजे, दूसरे दिन ललितग्राम से 00.15 बजे, राघोपुर से 00.37 बजे, सरायगढ़ से 00.47 बजे, निर्मली से 01.10 बजे, झंझारपुर से 01.42 बजे, सकरी से 02.08 बजे, दरभंगा से 03.05 बजे, सीतामढ़ी से 04.07 बजे, रक्सौल से 05.20 बजे, नरकटियागंज से 06.35 बजे, कप्तानगंज से 10.00 बजे, गोरखपुर से 11.10 बजे, बस्ती से 12.35 बजे, गोण्डा से 14.10 बजे, सीतापुर जं. से 19.45 बजे, शाहजहाँपुर से 22.06 बजे, बरेली से 23.06 बजे, तीसरे दिन मुरादाबाद से 00.53 बजे, लक्सर से 02.44 बजे, रूड़की से 03.06 बजे, सहारनपुर से 04.02 बजे, अम्बाला कैण्ट से 05.25 बजे, राजपुरा से 05.46 बजे, ढंडारीकलां से 06.55 बजे, जलंधर सिटी से 07.10 बजे तथा व्यास से 08.45 बजे छूटकर अमृतसर 09.45 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 05735 अमृतसर-कटिहार साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 23 मई से 27 जून, तक प्रत्येक शुक्रवार को अमृतसर से 13.25 बजे प्रस्थान कर व्यास से 13.57 बजे, जलंधर सिटी से 14.35 बजे, ढंडारीकलां से 15.55 बजे, राजपुरा से 16.44 बजे, अम्बाला कैण्ट से 17.35 बजे, सहारनपुर से 19.08 बजे, रूड़की से 19.51 बजे, लक्सर से 20.20 बजे, मुरादाबाद से 21.50 बजे, बरेली से 23.12 बजे, दूसरे दिन शाहजहाँपुर से 00.20 बजे, सीतापुर जं. से 02.15 बजे, गोण्डा से 05.30 बजे, बस्ती से 06.50 बजे, गोरखपुर से 08.30 बजे, कप्तानगंज से 09.40 बजे, नरकटियागंज से 12.45 बजे, रक्सौल से 13.40 बजे, सीतामढ़ी से 14.57 बजे, दरभंगा से 17.15 बजे, सकरी से 17.45 बजे, झंझारपुर से 18.17 बजे, निर्मली से 18.47 बजे, सरायगढ़ से 19.10 बजे, राघोपुर से 19.22 बजे, ललितग्राम से 20.05 बजे, फारबिसगंज से 21.15 बजे, अररिया कोर्ट से 21.47 बजे तथा पूर्णिया से 22.32 बजे छूटकर कटिहार 23.45 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के तीन, एल.एस.एल.आर.डी. का एक, जनरेटर सह लगेज यान का एक, शयनयान श्रेणी के पांच, साधारण द्वितीय श्रेणी के चार तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के एक कोचों सहित कुल 15 कोच लगाये जायेंगे। ये जानकारी पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

16 और 17 अप्रैल को दो पालियों में होगी सहायक आचार्य की लिखित परीक्षा, 82,876 परीक्षार्थी होंगे शामिल

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने शिक्षा सेवा चयन आयोग की सहायक आचार्य चयन परीक्षा के संबंध में सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेसिंग की। सभी मण्डलायुक्तों और जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की सहायक आचार्य की लिखित परीक्षा 16 व 17 अप्रैल को दो पालियों में प्रस्तावित है। आगरा, मेरठ, प्रयागराज, लखनऊ, गोरखपुर और वाराणसी समेत कुल छह मण्डलों में 52 परीक्षा केन्द्रों पर दो पालियों में परीक्षा आयोजित होगी। परीक्षा में कुल 82,876 परीक्षार्थी शामिल होंगे। उन्होंने परीक्षा को नकलविहीन, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्रों पर परीक्षा की सभी तैयारियां एक दिन पूर्व सुनिश्चित करा ली जाए। परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। केंद्रों पर पेयजल, शौचालय सहित सभी मूलभूत सुविधाएं रहें और सभी सीसीटीवी कैमरा क्रियाशील रहें। उन्होंने कहा कि एक अपर जिलाधिकारी को नोडल अधिकारी और जनपदीय पुलिस प्रमुख के माध्यम से अपर पुलिस अधीक्षक को नोडल अधिकारी (सुरक्षा) नामित किया जाये। गोपनीय सामग्री के भंडारण के लिए कोषागार में स्ट्रांग-रूम की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके अलावा प्रत्येक जनपद में एक-एक जनपदीय समन्वयी पर्यवेक्षक की तैनाती की जाये। उन्होंने कहा कि परीक्षा की निगरानी रखने के लिए मुख्यालय और जनपद स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया जाये। परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरा से निगरानी की जाये। परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए समुचित सशस्त्र पुलिस बल और शांति व्यवस्था के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की जाए। केंद्र अधीक्षक सहित परीक्षा से संबंधित सभी स्टाफ की विधिवत ब्रीफिंग परीक्षा से पूर्व करा दी जाए। बैठक में बताया गया कि नोडल अधिकारी और नोडल पुलिस अधिकारी नामित किया जा चुके हैं। आयोग स्तर पर प्रेक्षकों (सदस्य), समन्वयी प्रेक्षकों व केंद्रवार तैनात पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण पूर्ण किया जा चुका है। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी का अधिष्ठापन किया जा रहा है। बैठक में प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एलडी कॉलोनी टूटने से पहले रेलकर्मियों को मिलेंगे आवास

क्षेत्रीय पार्षद से मिले रेलकर्मी, लगाई मदद की गुहार

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। उत्तर रेलवे की आलमबाग स्थित एलडी रनिंग शेड कॉलोनी के आवासों को तोड़ने का नोटिस मिलने के बाद सोमवार को रेलकर्मियों ने क्षेत्रीय पार्षद से मदद की गुहार लगाई है। पार्षद ने रेलकर्मियों को सहायता का आश्वासन दिया हैं। क्षेत्रीय पार्षद संध्या मिश्र ने बताया कि उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की एलडी रनिंग शेड कॉलोनी आलमबाग के आवासों को रेलवे की ओर से तोड़े जाने का नोटिस रेलकर्मियों को दिया गया है, जिससे रेलकर्मी परेशान हो गए हैं। इस मामले में ऑल इंडिया रेलवे मैस फेडरेशन के महामंत्री शिवगोपाल मिश्र से उनके आवास पर मिलकर कॉलोनी एवं कर्मचारियों की समस्याओं के वावत ज्ञापन दिया गया। पार्षद ने बताया कि शिवगोपाल मिश्र ने आश्वस्त किया है कि रेलकर्मियों को बेहतर आवास दिलाए जाने के बाद ही कॉलोनी के आवासों पर कारवाई हो सकेगी। बता दें कि कॉलोनी की जगह आधुनिक सुविधाओं से युक्त मल्टीस्टोरी एलडी कॉलोनी बनाई जाएगी। यहां आवासों के साथ मार्केटिंग कॉम्प्लेक्स, सामुदायिक केंद्र एवं पार्क बनाया जाएगा।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने मनाया डॉ. अम्बेडकर का 134वां जयंती समारोह

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण उत्तरी क्षेत्र लखनऊ में भारत रत्न डॉक्टर भीमराव रामजी अंबेडकर की 134वीं जयंती बड़े हर्षोल्लास एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, विशिष्ट अतिथियों और कर्मचारियों ने बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि से हुई, जिसमें विभागाध्यक्ष राजिंदर कुमार, विशेष अतिथि डॉक्टर सुरेश बाबू प्रोफेसर, केजीएमयू, निदेशक डॉक्टर एसके दीपांकर सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इसके पश्चात, दीप प्रज्वलन और त्रिरत्न मंत्रोच्चारण द्वारा कार्यक्रम को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की गई। मुख्य अतिथि डॉ. सुरेश बाबू ने बाबा साहेब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके सामाजिक, शैक्षणिक एवं संवैधानिक योगदान पर प्रेरणादायक वक्तव्य दिया और संगठन के महत्व पर जोर दिया।। उन्होंने संविधान में निहित समानता, शिक्षा, विशेष रूप से महिलाओं की शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि डॉक्टर अम्बेडकर ने 1916 में ही मानव मूल्यों की विचारधारा की वक़ालत की थी और अंत में उन्होंने कहा कि व्यक्ति अपनी कमियों को दूर कर तर्क संगत सोच से ही समाज का विकास कर सकता है। इसके उपरांत, विभागाध्यक्ष राजिंदर कुमार साहब ने अपने संबोधन में बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने एवं सामाजिक न्याय की दिशा में सक्रिय योगदान देने की प्रेरणा दी। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्र, लखनऊ परिवार ने इस अवसर पर बाबा साहेब के विचारों पर चलने एवं समानता, शिक्षा और बंधुत्व के मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया।

सामाजिक न्याय का राज स्थापित करना समय की जरूरत: अखिलेश

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि अब समय आ गया है कि डाक्टर बी आर आंबेडकर के न्याय के शासन का सपना साकार करने के लिए सामाजिक न्याय का शासन स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने पूरे जीवन संघर्ष किया तथा उन्होंने भारत को दुनिया का सबसे अच्छा संविधान दिया। सपा प्रमुख ने कहा, संविधान हम सबके लिए संजीवनी है। हमारी ढाल है। संविधान हम सबको अधिकार देता है। वह पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, आदिवासी और वंचित शोषित वर्गो को आरक्षण देता है। संविधान पीडीए परिवार को आगे बढने का अवसर देता है। अखिलेश ने कहा कि बाबासाहब को शुरू से ही भेदभाव का सामना करना पड़ा तथा उन्हें समाज की बुराइयों से लडऩा पड़ा। उन्होंने कहा, जहां बाबासाहब को आज हम सब याद कर रहे है, वहीं सबसे जरूरी है कि देश और समाज, संविधान के अनुसार चले। उन्होंने कहा कि प्रभुत्ववादी लोग बाबा साहब का संविधान नहीं मानते और न ही उनका सम्मान करते हैं, वे लोग ही बाबा साहब की मूर्तियों को खंडित करते हैं, अपमानित करते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन यह लंबी लड़ाई है, चाहे जितना जोखिम उठाना पड़ेगा, पीडीए परिवार के लोग एकजुट होकर संविधान बचाने का काम करेंगे। अखिलेश ने भाजपा सरकार में अराजकता का माहौल होने का दावा करते हुए कहा कि सडक़ों पर खुलेआम तलवारें लहराई गई एवं धमकियां दी गई। उन्होंने कहा कि अगर लोकसभा चुनाव में भाजपा 400 सीटें जीत जाती तो संविधान खतरे में पड़ जाता तथा आज लोग सवाल नहीं पूछ पाते। सपा प्रमुख ने कह कि जिस सेना (करणी सेना) की बात हो रही है वह सेना भाजपा की है तथा शासन-प्रशासन के इशारे पर जिस तरह का नंगा नाच हुआ, लोकतंत्र में उसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। इस अवसर पर अखिलेश यादव के साथ ही सांसद आर के चौधरी, नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद लाल बिहारी यादव, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी ने भी भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। सपा ने पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक के सिलसिले में पीडीए शब्द का इजाद किया है।

अखिलेश ने आंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और लोगों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक लंबी पोस्ट में यादव ने कहा, बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की जयंती के पावन अवसर पर सबको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, आईए, सामाजिक न्याय के राज की स्थापना के लिए अपने स्वाभिमान-स्वमान की अनुभूति को और सुदृढ़ करके, एकजुट होकर बाबासाहेब की देन व धरोहर संविधान और आरक्षण बचाने के पीडीए के आंदोलन को नई ताकत प्रदान करें व दोहराएं कि संविधान ही संजीवनी है और संविधान ही ढाल है और ये भी कि जब तक संविधान सुरक्षित रहेगा, तब तक हम सबका मान-सम्मान-स्वाभिमान और अधिकार सुरक्षित रहेगा।

जयपुर में कार-ट्रेलर की टक्कर होने की घटना

एक ही परिवार की एक साथ पांच अर्थियां उठीं

» बच्ची का शव देख देवरानी चीखी, कहा भाभी उठो न.. श्री गोद में है

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में सोमवार को एक ही परिवार के पांच लोगों अर्थियां एक साथ उठीं। यह देख वहां चीख-पुकार मच गई। देवरानी ने शव से लिपटकर चीखते हुए कहा- भाभी उठो, श्री आपकी गोद में है। अभी तो छुट्टियों का प्लान बना रही थीं...कहां चली गई? इसके बाद रोते-रोते गश खाकर गिर पड़ी। बीते रविवार को पूरा परिवार खाटूश्याम दर्शन करने गया था। जयपुर में उनकी कार ट्रेलर से टकरा गई। हादसे में इंजीनियर अभिषेक, बैंक मैनेजर पत्नी प्रियांशी, सात माह की बेटी श्री, पिता सत्यप्रकाश और मां रमादेवी की मौत हो गई थी। अभिषेक के बड़े भाई हिमांशु, चाचा चंद्रप्रकाश और अन्य परिजनों ने कांपते हाथों से अर्थी को कंधा दिया। कफन में लिपटी मासूम के शव को देखकर लोग कांप उठे। शवों को रखने के लिए दो गाड़ियां मंगाई गई थीं। एक में पति-पत्नी और दूसरी गाड़ी में मां-बाप के शवों को रखा गया। हिमांशु ने चारों शवों को मुखाग्नि दी। मां की चिता के पास ही श्री के शव को लेकर उसके मामा खड़े थे। मां की चिता से कुछ दूरी पर मासूम श्री के शव को मामा और उसके ताऊ ने दफनाया।

यह थी पूरी घटना

रविवार को लखनऊ के इंजीनियर समेत परिवार के 5 लोगों की जयपुर में सड़क हादसे में मौत हो गई। परिवार खाटूश्यामजी जा रहा था। हाईवे पर मनोहरपुरा मोड़ के पास तेज रफ्तार कार सामने से आ रहे ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रेलर सड़क से नीचे जाकर पलट गया। टक्कर से कार के परखच्चे उड़ गए। कार से शवों को बाहर निकालने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। हादसे में मरने वालों की पहचान लखनऊ के बालागंज इलाके के रहने वाले सॉफ्टवेयर इंजीनियर अभिषेक सिंह (35), उनकी पत्नी प्रियांशी (30), पिता सत्य प्रकाश (60), मां रामा देवी (55) और 6 महीने की बेटी के रूप में हुई थी।

गोमतीनगर स्थित बैंक के ब्रांच में मृतका थी तैनात

मृतका प्रियांशी बैंक ऑफ बड़ौदा की गोमतीनगर ब्रांच में मैनेजर थीं। सत्य प्रकाश मल्टीनेशनल कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे। बच्ची का नामकरण नहीं हुआ था, घर के लोग उसे श्री कहकर बुलाते थे। हाल में ही बच्ची का मंथली बर्थडे मनाया गया था। 'भाभी उठो न... देखो श्री तुम्हारी गोद में है' कहकर बिलख पड़ी देवरानी। पांच शव घर पहुंचते ही कोहराम मच गया। महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल था। अभिषेक की भाभी ज्योति, प्रियांशी की तस्वीर को सीने से लगाकर कहती रहीं- 'भाभी, अभी तो छुट्टियों का प्लान बना रही थीं...कहां चली गईं?' महिलाएं एक-दूसरे से लिपटकर सिसकती रहीं। कोई श्री के झूले को पकड़कर रो रहा था, तो कोई रामादेवी की साड़ी को निहारते हुए बुदबुदा रहा था- 'दीदी, खाटू श्याम के दर्शन की खुशी मनाने जा रही थीं, क्या पता था ये अंतिम यात्रा होगी।' हर शख्स एक-दूसरे को ढांढस बंधा रहा था, लेकिन खुद अंदर से टूटा हुआ था।

बच्ची की खिलौनों से भरा झूला रह गया सूना

सात माह की श्री के झूले के पास उसके खिलौने अब भी रखे हैं, लेकिन उन्हें पकड़ने वाला कोई नहीं है। हर किसी की नजरें झूले की ओर जातीं और फिर आंसू बह निकलने लगते।

तीन साल पहले ही हुई थी शादी

अभिषेक और प्रियांशी की शादी 29 नवंबर 2022 को हुई थी। हादसे के वक्त अभिषेक सिंह गाड़ी चला रहे थे। अभिषेक का बड़ा भाई हिमांशु प्राइवेट नौकरी करते हैं। उनकी पत्नी का नाम ज्योति और बेटे का नाम जियांशु है।

लखनऊ में मच गया कोहराम

परिवार को हादसे की जानकारी रविवार सुबह 8:30 बजे मिली। चाचा चंद्रप्रकाश के अनुसार- हम लोग नाश्ता कर रहे थे, तभी दामाद का फोन आया कि जयपुर में हादसा हो गया है, सभी चले गए। यह सुनते ही पूरे घर में चीख-पुकार मच गई। अभिषेक के बड़े भाई हिमांशु परिवार के अन्य लोगों के साथ तत्काल जयपुर रवाना हुए। लोगों ने कहा तीन दिन की छुट्टी में दर्शन, मुंडन और जन्मदिन- पर लौट आई सिर्फ खामोशी। अभिषेक ने सिर्फ तीन दिन की छुट्टी ली थी। शनिवार को भांजे का जन्मदिन मैनपुरी में मनाया। रविवार को खाटू श्याम के दर्शन की योजना थी। सोमवार को बेटे जियांशु का मुंडन होना था। लेकिन किस्मत ने ऐसा पलटा मारा कि तीनों मौकों की जगह अब सिर्फ अंतिम संस्कार हुआ। अब परिवार में बचे हैं सिर्फ अभिषेक के बड़े भाई हिमांशु, उनकी पत्नी ज्योति और बेटा जियांशु।

नाम बदलकर महिला को प्रेम जाल में फंसाकर युवक शादी करने मंदिर पहुंचा

» आरएसएस के कार्यकर्ताओं ने पकड़कर पहुँचाया थाने

» हाथ में कलावा, माथे पर लंबा टीका लगाकर पहुंचा था

» अहिमामऊ चौराहे के पास बने मंदिर में शादी करने आया था

» आधार कार्ड न दिखाने व परिजनों के न आने पर पुजारी ने किया शादी कराने से इंकार

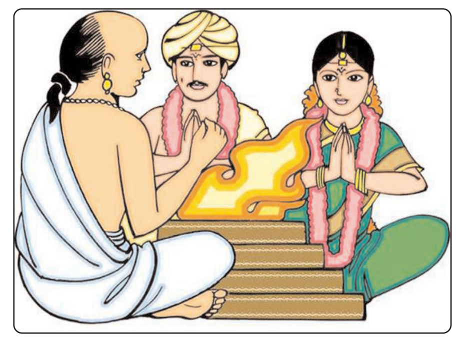

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके के अहिमामऊ चौराहे के पास बने एक प्राचीन मंदिर में नाम बदलकर हिन्दू महिला से शादी करने पहुंचे मुस्लिम लड़के को आरएसएस के कार्यकर्ताओं ने पकड़कर थाने ले गए। जिसके खिलाफ हिन्दू महिला को बहला फुसला कर प्रेम जाल में फसाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया। जानकारी के मुताबिक लोनी कटरा जिला बाराबंकी के रहने वाले मोहम्मद रईस पास में ही रहने वाली एक हिन्दू महिला को प्रेम जाल में फसा कर अहिमामऊ चौराहे पर स्थित एक प्राचीन शिव मंदिर में सोमवार की सुबह अपना नाम मानस बता कर शादी करने पहुंचा। मंदिर के पुजारी द्वारा आधार कार्ड व परिजनों की डिटेल मांगी गई तो देने से मना कर दिया। हाथ की कलाई में मोटा कलावा और माथे पर लंबा टीका देख पुजारी के कुल और गोत्र पूछा तो वह जवाब नही दे पाया। पुजारी ने उससे और कई सवाल किए लेकिन सही से उत्तर न मिल पाने के कारण शादी कराने से इंकार कर दिया। जिसके बाद यह अपने बोलचाल भाषा मे मुस्लिम शब्दो का प्रयोग करते ही पुजारी को लड़का मुस्लिम होने का शक हुआ। जिसके बाद पुजारी के आरएसएस के कार्यकर्ताओं को मामले कि सूचना दी। मौके पर पहुंचे आरएसएस की कार्यकर्त्री वंदना मिश्रा ने दोनो को पकड़ कर थाने ले गई। लव जिहाद के इस मामले को पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए दर्ज कर लिया। सूत्रों की माने तो लड़का किसी मामले में जेल भी जा चुका है।

महिला के पति की हो चुकी मौत

पुलिस के मुताबिक तीन साल पहले लव के चक्कर मे फसी महिला के पति ने घर ने अंदर फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उसके एक बेटा भी है। जिसका नाम मानस रखा है। उसी के नाम रखकर मुस्लिम युवक ने महिला से शादी करने के लिए अहिमामऊ आया।

धर्म परिवर्तन से किया इंकार

हाथ मे कलावा और माथे पर लंबा टीका लगाने वाले मोहम्मद रईस ने हिन्दू लड़की से शादी करने ले लिए धर्म परिवर्तन से इंकार कर दिया। लोगो ने कहा कि अगर यह शादी करना चाहते हो तो हिन्दू धर्म अपनाना होगा ज़िसे अपनाने से मना कर दिया। मुस्लिम लड़के ने अपना नाम बदलकर हिन्दू लड़की को प्रेम जाल में फसा कर शादी करने पहुंचे पहुंचा था। जिसके विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कस्टडी में लेकर जांच की जा रही है।

राजधानी के कई थानाध्यक्षों की जिम्मेदारी में फेरबदल

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नरेट के कई थाना अध्यक्षों का कार्यक्षेत्र बदला गया है। बृजेश सिंह प्रभारी निरीक्षक सआदतगंज से प्रभारी निरीक्षक बाजारखाला की जिम्मेदारी दी गई है। संतोष कुमार आर्य प्रभारी निरीक्षक बाजार खाला से प्रभारी निरीक्षक सहादतगंज बनाए गए। नवाब अहमद प्रभारी निरीक्षक काकोरी से प्रभारी निरीक्षक थाना माल बनाए गए। आनंद कुमार द्विवेदी प्रभारी निदेशक माल से प्रभारी निरीक्षक रहीमाबाद बनाए गए। उप निरीक्षक अनुभव सिंह थाना अध्यक्ष रहीमाबाद से पुलिस लाइन भेजे दिया गया है। सतीश चंद्र उप निरीक्षक गोमती नगर से प्रभारी निरीक्षक काकोरी बनाए गए। सुरेंद्र सिंह भाटी पुलिस लाइन से प्रभारी निरीक्षक मलिहाबाद बनाए गए। बैजनाथ सिंह प्रभारी निरीक्षक मलिहाबाद से पश्चिमी जोन भेजे गए। दिलेर कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक हसनगंज से प्रभारी निरीक्षक मोहनलालगंज बनाए गए। अमर सिंह प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मोहनलालगंज से प्रभारी निरीक्षक हसनगंज बनाए गए।

पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़, चोरी की कोशिश में साथी को मारी गोली

» खेत में घसीटकर भागे थे डकैत

» 20 दिन बाद पुलिस से मुठभेड़, दो गिरफ्तार

» फायरिंग में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। मोहनलालगंज इलाके में देर रात पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़ हो गई। फायरिंग में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी। उनकी पहचान रामचंद्र उर्फ छोटू और कमलेश के रूप में हुई। दोनों शातिर अपराधी हैं और इन पर लगभग 30 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर भेजा है। मोहनलालगंज के भेदुवा गांव में 24 मार्च की रात चोरी के इरादे से आए बदमाशों से घबराहट में फायरिंग हो गई थी। अफरातफरी में अपने ही साथी को गोली मार दी थी और घायल को छत से खेतों में घसीटते हुए भाग निकले थे। तीन घंटे चले सर्च ऑपरेशन के बाद भी बदमाश नहीं मिले थे। पुलिस ने बताया कि मोहनलालगंज इलाके में वाहन चेकिंग के दौरान मुखबिर से बदमाशों की सूचना मिली। इस पर टीम किसान पथ पर कस्तूरबा के पास पहुंची। तभी एक बाइक पर दो बदमाश आते दिखे जो पुलिस टीम को देख कर भागे। दोनों का पीछा किया गया, जिसपर दोनों ने टीम पर फायर कर दिया। पुलिस ने बचाव में फायर किया। इसमें दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी। दोनों बाइक से गिर गए। घायलों को पकड़कर ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। आरोपियों से 315 बोर के दो तमंचे, दो खोखा और एक ज़िंदा कारतूस बरामद किया गया है। अन्य फरार बदमाशों की तलाश में मोहनलालगंज पुलिस की चार टीमें लगी हैं।

विषाक्त पदार्थ खाने से युवक की मौत

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। इन्दिरानगर इलाके में विषाक्त पदार्थ खाने से एक युवक की मौत हो गयी। परिजन उसे इलाज के लिये बिना पुलिस को सूचित किये अस्पताल ले गये। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है और आगे की कार्यवाही की जा रही है। घटना के पीछे के कारणों की जानकारी की जा रही है। पुलिस ने बताया कि दीपक राजपूत 26वर्ष पुत्र जैसराम निवासी ग्राम-फतहापुरवा, तकरोही इंदिरानगर बीते 10अप्रैल को विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया था। परिजनों ने सुबह लगभग 10बजे डॉ.राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस का कहना है कि परिजनों ने घटना के संबंध में किसी प्रकार की सूचना नहीं दी गई थी। सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। इसके बाद सूचना दी गयी। पोस्टमार्टम के बाद मृतक दीपक राजपूत के शव को अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है।

करंट लगने से सैन्यकर्मी की मौत

» 15 अप्रैल को होना था गृह प्रवेश

» बिजली का काम कराते समय हुआ हादसा

फाइल फोटो

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। सरोजनीनगर में करंट लगने से सेना के जवान की मौत हो गई। जम्मू में तैनात सेना के जवान उपेंद्र कुशवाहा अपने नवनिर्मित घर में बिजली का काम करा रहे थे। इस दौरान करंट की चपेट में आ गए। घटना रविवार शाम की है। गंभीर हालत में उन्हें पहले सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से चिकित्सकों की सलाह पर उन्हें कैंट स्थित सेना के कमांड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। देर रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मूल रूप से देवरिया के रहने वाले उपेंद्र ने 6 महीने पहले सरोजनी नगर के अमौसी स्थित गंगानगर, गीता आश्रम में जमीन खरीदी थी। यहां उन्होंने अपना मकान बनवाया है। वह अपनी पत्नी प्रमिला, बेटी अंशिका और बेटे अनीश के साथ तीन दिन पहले ही इस नए घर में रहने आए थे। 15 अप्रैल को घर का गृह प्रवेश समारोह होने वाला था। उपेंद्र घर का सारा काम पूरा करवा रहे थे। हादसे के बाद परिजन उनके शव को उनके पैतृक गांव देवरिया ले गए।

महिगवां खंतारी में अंबेडकर जयंती पर आरएएफ-पीएसी तैनात

इलाके में जवानों का फ्लैग मार्च, दो दिन पहले गांव में हुआ था बवाल

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। राजधानी के महिगवां-इटौंजा क्षेत्र के खंतारी गांव में अंबेडकर जयंती पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। दो दिन पहले बाबा साहब की प्रतिमा को हटाने को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद पूरे गांव में पुलिस फोर्स तैनात है। खंतारी गांव में दो दिन पहले हुए बवाल के बाद अंबेडकर जयंती पर गांव में आरएएफ और पीएसी तैनात है। गांव की हर गली, मोहल्ले और चौराहे पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद हैं। पूरे इलाके में फ्लैग मार्च भी किया। मौके एडीसीपी उत्तरी जितेंद्र कुमार दुबे, एडीसीपी आरएएफ लोकेश , एसीपी बीकेटी अमोल मुरकुट, एसीपी अलीगंज मौजूद हैं। बीकेटी थाना, महिगवां , इटौंजा और महिला थाना द्वितीय की पुलिस तैनात है।ग्राम प्रधान पति वीरेंद्र कुमार और ग्रामीणों ने बताया कि पुलिस जयंती मनाने की इजाजत नहीं दे रही है। ग्रामीणों ने कोई तैयारी भी नहीं की है। गांव के अमन गुप्ता ने डायल 112 पर अपना नाम हनुमान बताकर जानकारी दी कि खंतारी गांव में मौजूद पुलिस अंबेडकर की मूर्ति पर ढके कपड़े को फाड़ रही है। पडरी गांव के श्रवण कुमार ने 112 पर कॉल करके खंतारी गांव को लेकर गाली गलौज की है। पुलिस पड़ताल में जुटी है।

पुलिस का कड़ा पहरा

शुक्रवार देर रात से ही पुलिस गांव में निगरानी कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार स्थिति नियंत्रण में है। फिर भी सावधानी के तौर पर भारी बल की तैनाती रहेगी। विवाद की जड़ तीन दिन पहले ग्राम समाज की जमीन पर बिना अनुमति रखी गई अंबेडकर प्रतिमा है। पुलिस द्वारा प्रतिमा हटाने की कोशिश पर ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया था। पुलिस ने गांव के प्रधान प्रतिनिधि को हिरासत में ले लिया था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून-व्यवस्था के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। गांव में बाहरी लोगों की आवाजाही पर कड़ी नजर रखी जा रही है। प्रशासन हालात को सामान्य बनाने में जुटा है।

अंबेडकर मैदान में मनाई जयंती

गांव के ग्राम पंचायत बराखेमपुर के जिल्ला पुरवा में अंबेडकर मैदान में बाबा साहब की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर भंडारे का भी आयोजन हुआ। राजेश ने बताया कि अंबेडकर मैदान में मूर्ति स्थापित करने के लिए शासन से अनुमति मांगी गई है। अभी मिली नहीं है। इस कारण से मूर्ति नहीं लगाई गई है। पोस्टर रखकर जयंती मनाई गई है।

शाम को पुलिस ने बताया नहीं मनाई गई जयंती

पुलिस ने शाम को बताया कि खंतारी गांव में अंबेडकर जयंती नहीं मनाई गई। अलीगंज, जानकीपुरम, गुडंबा, सैरपुर, बख्शी का तालाब, इटौंजा, महिगवां में भी सेलिब्रेशन नहीं हुआ। महिला थाना के पुलिसबल, आरएएफ पुरुष और महिला बल के साथ पीएसी बल मौजूद रहा।

फर्जी डेथ सार्टिफिकेट बनाकर की ठगी

» युवक ने भाभी और भतीजों पर लगाया आरोप

» पीड़ित बोला- मेरे हक की जमीन बेच दी

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में एक युवक ने अपनी भाभी और भतीजों पर भाई का फर्जी डेथ सार्टिफिकेट बनाकर ठगी का आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि इन लोगों ने जमीन का एग्रीमेंट करने के बाद फर्जी दस्तावेज लगाकर दूसरे को बेंच दी। वजीरगंज थाना पुलिस पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच कर रही है। आरोप है कि एक हजार वर्ग फीट जमीन का चार लाख में सौदा हुआ था। हुसैनाबाद रामगंज निवासी मो. अब्दुल मुजीब ने बताया कि एक हजार वर्गफीट जमीन का अपने सगे भाई रफी खान से सौदा हुआ था। भाई ने चार लाख रुपए में जमीन देने की बात कही थी। 14 जुलाई 2023 को दो लाख रुपए एडवांस देकर लिखित एग्रीमेंट भी कराया था।

धमकी देते हुए भगा दिया

मो. अब्दुल मुजीब का आरोप है कि भाई रफी खान की पत्नी तहरीम बेग, बेटी फैजा, बेटे तारिक खान और यासिर ने मिलकर ठगी की। उन्होंने रफी का फर्जी डेथ सार्टिफिकेट बनाकर जमीन 22 जुलाई 2024 को अकबर अहमद नाम के युवक को बेंच दी। जब इसको लेकर विरोध किया तो सभी ने मिलकर धमकी देते हुए भगा दिया। पुलिस के मुताबिक पीड़ित की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क दुर्घटना में हुए मां-बेटे की मौत का मामला

कई फीट ऊपर उछलकर जमीन पर गिरे थे मृतक

» मुकदमा दर्ज, आरोपी चालक अभी भी फरार

» तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने स्कूटी में मारी थी टक्कर

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। सब लोग शादी में जा रहे थे। पापा-मम्मी और छोटा भाई एक स्कूटी पर थे। कुछ लोग पीछे दूसरी गाड़ी से थे, लेकिन तभी तेज रफ्तार कार पीछे से आई और मृतक की स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दिया। यह बातें परिवार के सदस्य ने बतायी। आगे कहा कि भाई और मृतका कई फीट ऊपर उछलकर जमीन पर गिरे। कार में फंसकर मृतक कई मीटर घसीटता रहा। आरोप है कि पुलिस ने उस समय कोई कार्रवाई नहीं किया, बाद में मुकदमा दर्ज की। हालांकि कार चालक पकड़ में नहीं आया। अपनी आंखों के सामने मां-भाई की मौत को देखने वाला असरफ वारसी अब भी बदहवास है। दरअसल, बसंतकुंज सेक्टर-आई के रहने वाले मतीनुद्दीन शुक्रवार को सड़क हादसे का शिकार हुए थे। उनकी पत्नी सीमा व बेटे ईशान की मौत हो गई थी। वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

बाद में हरकत में आई राजधानी पुलिस

मतीनुद्दीन का कहना है कि पुलिस घटना के बाद ही एक्शन में आ गई होती, तो चालक पकड़ लिया जाता। उस दौरान ही लोगों ने पुलिस को बताया था कि वैगआर कार है, जिसका टायर भी फट चुका है। बहुत दूर नहीं जा पाएगी उस दौरान आसपास ही मिल जाएगी। चालक व उसमें बैठे सब नशे में धुत हैं। घटना के बाद पुलिस हरकत में आई। शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया, लेकिन कार व चालक को पकड़ नहीं पाई।

यह थी पूरी घटना

बसंतकुंज सेक्टर- आई के रहने वाले मतीनुद्दीन शुक्रवार रात करीब 8.30 स्कूटी से पत्नी सीमा (35), बेटा ईशान (10) को लेकर एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। घर से निकलने के बाद वह 500 मीटर दूर राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल पार्क के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार वैगनआर कार ने उन्हें टक्कर मार दिया। सीमा व ईशान की मौत हो गई। मतीनुद्दीन गंभीररूप से घायल हो गए। टक्कर मारने के बाद कार का टायर फट गया, लेकिन चालक रुकने के बजाय रफ्तार बढ़ा कर भाग गया। रिम दिखने लगा और चालक उसी पर कार दौड़ाकर फरार हो गया। हादसे का शिकार हुए मतीनुद्दीन बताते हैं कि स्कूटी से अपने कारीगर के साले के वलीमा में शामिल होने जा रहे थे। हादसे में वह बेहोश हो गए थे। घटना की जानकारी होते ही बसंतकुंज के सैकड़ों लोग मदद के लिए पहुंचे थे। एक ऑटो में बैठाया तो हल्का होश आया। पत्नी और बच्चे की हालत देखकर फिर बेहोश हो गया। इसके बाद क्या हुआ कुछ पता नहीं? अस्पताल में रात दो बजे होश आया। तब तक पूरा परिवार उजड़ चुका था। मतीनुद्दीन बताते हैं कि डॉक्टरों ने इलाज के लिए एडमिट कर लिया। पत्नी और बेटे के अंतिम संस्कार में शामिल होना था, क्योंकि बाकी बच्चे बहुत छोटे हैं। वह कुछ कर नहीं पाते। इसलिए डॉक्टर से मजबूरी बताकर डिस्चार्ज ले लिया। डॉक्टर को बताया कि पत्नी के अंतिम संस्कार के बाद एडमिट हो जाएंगे। मतीनुद्दीन के कंधे में फ्रैक्चर और पैर में गंभीर चोट है। पूरा शरीर बेल्ट के सपोर्ट पर बंधा है। चलते समय दो लोग सहारा देते हैं। उनका कहना है कि अकबरनगर तो एक बार उजड़ा लेकिन यहां पर हर महीने एक परिवार उजड़ रहा है। कोई रोजगार न होने से सुसाइड कर रहा है, तो कोई रोजगार पर जाता है और वापस नहीं आता।

जिले में हर्षोल्लास से मनायी गयी डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती

ग्रुप 5 संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। संविधान के निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पूरे क्षेत्र में बड़े ही हर्षोल्लास से मनायी गयी। ब्लॉक सभागार रामनगर में बीडीओ जितेंद्र कुमार की ओर से आयोजित कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख संजय तिवारी,खंड विकास अधिकारी जितेंद्र कुमार, प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष रामकुमार मिश्रा, एडीओ पंचायत अभय शुक्ला सहित उपस्थित सभी लोगों बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं पुष्प चढ़ाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख श्री तिवारी ने इस मौके पर कहाकि बाबा का साहब का पूरा जीवन नैतिक मूल्यो पर आधारित रहा है। उन्होंने हमेशा समानता की लड़ाई लड़ी और शिक्षा पर जोर दिया उनका कहना था संगठित रहो और शिक्षित बनो। खंड विकास अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बाबा साहब के बताये गए रास्ते पर चलने का संकल्प दोहराया। मनोज कुमार मिश्रा, कमलेश अवस्थी, लिपिक अनूप कुमार जैन, सरवर हुसैन सहित पूरा स्टाफ उपस्थित था। नगर पंचायत कार्यालय में चेयरमैन राम शरण पाठक के बाबा साहब के चित्र पर माला पहनाकर एवं पुष्प चढ़ाकर पुष्पांजलि अर्पित की। नगर पंचायत अध्यक्ष श्री पाठक ने कहा बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर समाज के पथ प्रदर्शक है। उन्होंने आजीवन समाज के दबे कुचले शोषित और पीड़ितों की लड़ाई लड़ी, शिक्षा पर जोर दिया। चेयरमैन ने अपील करते हुए कहाकि युवा पीढ़ी को बाबा साहब की जयंती के अवसर पर शिक्षा के प्रति अलख जगाने का संकल्प लेना चाहिए। सभासद इसरार खान, राजेश राठौर, राजेश शुक्ला, अवनीश मिश्रा, पूर्व सभासद दया शंकर तिवारी, लिपिक रामकरन शर्मा उपस्थित थे। तहसील कार्यालय में उप जिलाधिकारी पवन कुमार,पुलिस क्षेत्राधिकारी कार्यालय में सीओ गरिमा पंत ने थाने पर प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार पांडेय ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके कृतित्व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

जैदपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। नगर पंचायत जैदपुर मे बड़ी बाजार निवासी भाकियू नेता मनीराम गौतम के नेतृत्व में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर एक भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा मे ऊंट घोड़े और बैंड बजा के साथ निकाली गई। ऊंट पर सवार बाबा साहब के चित्र पर लोगो ने पुष्प वर्षा की यह शोभायात्रा मोहल्ला बड़ी बाजार, सिनेमा हॉल,मंगल ताल होते हुए जैदपुर थाना चौराहा पहुंची। इस अवसर पर सुरक्षा वयवस्था के दृष्टिगत जैदपुर थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह के साथ-साथ भारी पुलिस फोर्स तैनात रही।

नगर पंचायत में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई अंबेडकर की जयंती

अंबेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। पूरा देश 14 अप्रैल के अवसर पर भारतीय संविधान के निर्माता, भारत रत्न बोधिसत्व बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती काफी हर्षोउल्लास के साथ मना रहा है। वहीं नगर पंचायत इल्तिफ़ातगंज में आज संविधान शिल्पी युग प्रवर्तक भारत रत्न बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जन्म दिवस पर बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर फूल माला चढ़ाकर पूजन किया गया। मोहल्ला आज़ादनगर से भाजपा सभासद लवकुश पाण्डेय तथा अन्य सभासद सुहेल अहमद, अरविंद सिंह, इंद्रदेव बर्मा, सुरेश कुमार, आलमीन, सुब्हान अहमद, आदि लोगों ने जिसमें नगर पंचायत कर्मचारी भी मौजूद रहे और सभी ने बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर माला चढ़ा कर जयंती मनाई। इसी प्रकार से नगर पंचायत इल्तिफ़ातगंज के मोहल्ला अंबेडकरनगर में भारत रत्न बाबा साहब अंबेडकर की मूर्ति पर भारी संख्या में स्थानीय संभ्रांत लोगों द्वारा पहुंच कर माल्यार्पण कर जन्म दिवस मनाया गया। जिसमें आदित्य शुक्ला, सूर्य प्रकाश शुक्ला, ब्रिजेश बर्मा उर्फ पप्पू, लालचंद्र आग्रहरि, अमित पाण्डेय, आदि लोग मौजूद रहे।

बाबा साहब का मानना था हमें महान राष्ट्र बनना है तो हमें एक अनुशासित राष्ट्र बनाना होगा : कृष्ण कुमार यादव

अंबेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। डॉ. भीमराव अंबेडकर उच्चतम शिक्षित, न्यायप्रिय, समानता के समर्थक, समाज सुधारक थे, उन्होंने बेखौफ, अपने विचारों को खुलकर रखा । उक्त बातें जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर डॉ अम्बेडकर की जयंती के कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने कहा उनके विचार आज भी हर किसी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। अगर हमें एक महान राष्ट्र बनना है, तो हमें पहले एक अनुशासित राष्ट्र बनना होगा। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष रामकुमार पाल, कांग्रेस मीडिया इंचार्ज अवधेश कुमार मिश्र बब्लू, वरिष्ठ कांग्रेस नेता द्विजेन्द्र नारायण शुक्ल, गुलाम रसूल छोटू, सुनील सिंह, सुखीलाल वर्मा, डॉ. सतीश चंद्र प्रजापति ने कहा डॉ आंबेडकर महिलाओं की समानता के बड़े समर्थक थे। उन्होंने कहा था कि मैं किसी समुदाय की प्रगति उस समाज में महिलाओं की स्थिति से मापता हूं। विशाल वर्मा, मो जियाउद्दीन अंसारी, देवमणि पाठक, हेमंत यादव ने कहा बाबासाहब भीमराव अंबेडकर ने कहा था किराजनीतिक अत्याचार की तुलना में सामाजिक अत्याचार अधिक क्रूर होता है। कांग्रेस मीडिया इंचार्ज अवधेश कुमार मिश्र बबलू ने बताया आज जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर भारतीय संविधान निर्मात्री सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की 134वी जयंती समारोह पूर्वक मनायीं गयी। कार्यक्रम में सर्वप्रथम बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण/पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी तत्पश्चात गोष्ठी की गयी गोष्ठी की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव और संचालन युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विशाल वर्मा ने किया।कार्यक्रम के उपरांत जनपद मुख्यालय स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने माल्यार्पण किया गया।

बरेली में खेत पर सो रहे किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

बरेली। जिले के ग्रामीण क्षेत्र के थाना फतेहगंज पूर्वी के एक गांव में खेत पर बनी झोपड़ी में सो रहे एक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ग्रामीणों को आशंका है कि धनपाल की, खेत संबंधी किसी विवाद को लेकर हत्या की गई है। फरीदपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी पुलिस आशुतोष शिवम ने सोमवार को बताया कि थाना फतेहगंज पूर्वी के ग्राम करतोली निवासी धनपाल (उम्र 50 वर्ष) रविवार की रात गांव के समीप बने खेत में झाले पर झोपड़ी में सो रहे थे। शिवम ने बताया कि सोमवार की सुबह जब खेतों पर गए ग्रामीणों ने उन्हें मृत पाया तो पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेजा है। ग्रामीणों को आशंका है कि धनपाल की, खेत संबंधी किसी विवाद को लेकर हत्या की गई है। पुलिस के मुताबिक धनपाल के शरीर पर किसी हथियार या अन्य चोट के निशान नहीं है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण पता चल सकेगा।(**भाषा**)

नमस्ते निजामाबाद अभियान के तहत धूमधाम से मनाई गई बाबा साहब की जयंती

वंचित समाज के मुक्तिदाता थे बाबा साहेब अंबेडकर

» संविधान निर्माता बाबा साहेब सबके हैं आदर्शःअनिल यादव

ग्रुप 5 संवाददाता

आज़मगढ़/निजामाबाद। नमस्ते निजामाबाद अभियान के तहत आज पूरे दिन बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। सुबह से देर शाम तक मघसिया, दादरा, रेसिंहपुर, सरदाहा, मेढ़ी, खरचलपुर, डीहबारी, चकबारी, दासूपट्टी, सोफीपुर, हज़ारेमलपुर, सीधा सुल्तानपुर, काली चौरा, वज़ीरमलपुर, गंधुअई, भानीपुर, जनाईगंज, पूरब पट्टी, महुआरे, बनवीरपुर आदि गांवों में बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया गया। कांग्रेस नेता अनिल यादव ने इन गांवों में पहुँचकर लोगों को बाबा साहब की जयंती की बधाई दी और उनके विचारों को साझा किया। सरदाहा में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केवल संविधान निर्माता नहीं, बल्कि करोड़ों वंचितों के अधिकारों की आवाज़ थे। उन्होंने हमें आत्म-सम्मान, शिक्षा और अधिकारों की लड़ाई का रास्ता दिखाया। आज उनके विचार पहले से कहीं ज़्यादा ज़रूरी हैं। अनिल यादव ने केंद्र सरकार से मांग की कि 14 अप्रैल, डॉ. अंबेडकर जयंती को राष्ट्रीय पर्व घोषित किया जाए।उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का सपना था कि एक ऐसा भारत जहाँ कोई भेदभाव न हो, जहाँ सबको बराबरी का अधिकार मिले। हम सभी की ज़िम्मेदारी है कि हम उनके दिखाए रास्ते पर चलें और समाज में समानता, शिक्षा व न्याय की भावना को मजबूत करें। सभाओं में भारी संख्या में लोगों की भागीदारी रही और सभी ने बाबा साहेब को नमन करते हुए सामाजिक न्याय के संघर्ष को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। जयंती में रामकुमार यादव, केदार नाथ मौर्या, विकास यादव, नदीम ख़ान, अंगद, अरविंद यादव, बिपिन, अतुल, अमरजीत यादव, बबलू प्रधान, हीरा गौतम, राहुल, हरेंद्र कुमार आदि लोग मौजूद थे।

चलती गाड़ी की छत पर युवक के नाचने का वीडियो वायरल, 38 हजार का चालान काटा

नोएडा। नोएडा में सड़क पर चलती स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) की छत एक युवक के नाचने का वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद पुलिस ने कार्वाई करते हुए 38 हजार रुपए से अधिक का चालान काटा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह वीडियो नोएडा के सेक्टर-33 स्थित एलिवेटेड रोड का बताया जाता है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि तेज संगीत बजाकर एक युवक थार की छत पर नाच रहा है और उसके पीछे आ रहे वाहनों को अपनी रफ्तार धीमी करनी पड़ रही है। वीडियो के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने यातायात पुलिस से कार्रवाई की मांग करते हुए कई पोस्ट किए। पुलिस उपायुक्त (यातायात) लखन सिंह यादव ने बताया कि शिकायत को गंभीरता से लेते हुए वाहन की पहचान कर युवक और वाहन मालिक के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कुल 38,500 रुपए का चालान काटा गया है। उन्होंने यह नहीं बताया कि वीडियो कब का है।(**भाषा**)

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-गोण्डा

ई–प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना नोटिस

पत्रांक 25/ग्रा0अ0वि0/ई-निविदा/निर्माण/2025-26 **दिनांक 03.04.2025**

महामहिम श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड–गोण्डा के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए,बी,सी, एवं डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेन्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यो के लिए निविदा दे सकता है।

1– स्वीकृति एवं धन प्राप्त होने की प्रत्याशा में निविदा आमंत्रित की जा रही है। निविदा खुलने के उपरान्त धनराशि प्राप्त न होने की दशा में एक या समस्त निविदायें निरस्त की जा सकती है। इसका पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।

2– कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्नलिखित है।

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत लाख रू0 में (जीएसटी छोडकर)	बिड सिक्योरिटी लाख में	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी0एस0टी सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
		विधायक निधि योजनान्तर्गत, विधान सभा क्षेत्र–मनकापुर ।				
1	गोण्डा	सम्मय माता के स्थान पर ग्राम–ज्ञानीपुर राम प्रसाद 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
2	गोण्डा	जगदेव चौधरी के घर के पास ग्राम–मनकापुर में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
3	गोण्डा	राजेश कुमार सिंह के घर के पास ग्राम–बक्सरा आज्ञाराम 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
4	गोण्डा	जनार्दन पाठक के घर के पास ग्राम फिरोजपुर में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
5	गोण्डा	मण्टू सिंह के घर के पास ग्राम–गढ़ी में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
6	गोण्डा	थाना मोतीगंज में ग्राम मोतीगंज 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
7	गोण्डा	ओम प्रकाश वर्मा के घर के पास ग्राम–दलपतपुर 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
8	गोण्डा	पप्पू तिवारी के घर के पास ग्राम–दलपतपुर 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
9	गोण्डा	अंग्रेज सिंह के घर के पास ग्राम–पचपुती जगतापुर 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
10	गोण्डा	राजा रघुराज प्रताप सिंह महाविद्यालय परिसर में ग्राम अशरफपुर 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
11	गोण्डा	सतीश मिश्रा के घर के पास ग्राम–रामापुर बेहलनिया 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
12	गोण्डा	बब्लू सिंह के घर के पास ग्राम–रामपुर 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
13	गोण्डा	नय नाथ मन्दिर के पास ग्राम धुसवा में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
14	गोण्डा	श्री काली माता के स्थान पर मधईपुर ग्राम धुसवा में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
15	गोण्डा	सतेन्द्र शुक्ला के घर के पास ग्राम खैहारी धुसवा में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
16	गोण्डा	विनोद कुमार सिंह के घर के पास ग्राम–कुंजलपुर में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
17	गोण्डा	अवधेश उपाध्याय के घर के पास ग्राम–मऊ में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
18	गोण्डा	हरीश पाण्डेय के घर के पास ग्राम–मऊ में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
19	गोण्डा	पुलिस चौकी ग्राम करोहामान के पास में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
20	गोण्डा	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर में ग्राम मनकापुर 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
21	गोण्डा	थाना मनकापुर परिसर में ग्राम मनकापुर 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
22	गोण्डा	आर0पी0 इण्टर कॉलेज के परिसर में ग्राम भिटौरा 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
23	गोण्डा	प्रदीप के घर के पास ग्राम–ज्ञानीपुर राम प्रसाद 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
24	गोण्डा	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के पास ग्राम–दतौली 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
25	गोण्डा	लल्ला के घर के पास ग्राम मनकापुर के तेलियनपुरवा में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
26	गोण्डा	राजेश मिश्रा के घर के पास ग्राम–मरौचा में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
27	गोण्डा	तहसील मनकापुर परिसर में ग्राम–मनकापुर 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
28	गोण्डा	श्री गांधी विद्यालय इण्टर कॉलेज, मोहल्ला–पड़ाव, नवाबगंज, गोण्डा में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
29	गोण्डा	श्री हनुमान सिंह, मोहल्ला–पड़ाव, नवाबगंज के घर के पास में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
30	गोण्डा	कोल्ड स्टोरेज तिराहा नवाबगंज के पास 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
31	गोण्डा	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नवाबगंज परिसर में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
32	गोण्डा	थाना नवाबगंज परिसर में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
33	गोण्डा	कटी तिराहा के पास नवाबगंज में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
34	गोण्डा	श्री अंकित सिंह के घर के पास ग्राम–किसुनदासपुर नवाबगंज में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
35	गोण्डा	श्री पिंकू शुक्ला के घर के पास ग्राम किसुनदासपुर नवाबगंज में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
36	गोण्डा	करौंदी खास चौराहा ग्राम–करौदी में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
37	गोण्डा	सम्मय माता के स्थान पर ग्राम करौंदी में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
38	गोण्डा	दुर्गा मन्दिर के पास ग्राम महादेवा में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
39	गोण्डा	तपसी बाबा के स्थान पर ग्राम महादेवा में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
40	गोण्डा	नरवा चौराहा ग्राम खड़ौवा में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
41	गोण्डा	शिवदयालगंज (कटरा) तिराहा पर फत्तेपुर में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
42	गोण्डा	अभिषेक सिंह के घर के पास ग्राम रीवां में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
43	गोण्डा	रणवीर सिंह के घर के पास ग्राम रेहली में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
44	गोण्डा	दुर्गेश पाण्डेय के घर के पास ग्राम–हरिवंशपुर में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
45	गोण्डा	विक्की मिश्रा के घर के पास ग्राम–लोहराडाढ़ में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
46	गोण्डा	मुकेश पाण्डेय के घर के पास ग्राम–बैजलपुर में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
47	गोण्डा	महन्थ श्याम बिहारी दास इण्टर कॉलेज के परिसर में ग्राम कोल्हमपुर 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
48	गोण्डा	कृष्ण अवनि इण्टर कॉलेज के परिसर में ग्राम मैनपुर 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
49	गोण्डा	राम बहादुर चौहान के घर के पास ग्राम–परसापुर थनवा में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
50	गोण्डा	लाल गुल्ले तिवारी के घर के पास ग्राम–सुरजापुर में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
51	गोण्डा	रज्जन पाण्डेय के घर के पास ग्राम–सुरजापुर में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
52	गोण्डा	अनिल सिंह के घर के पास ग्राम–खीरीडीह में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
53	गोण्डा	विद्याधर शुक्ला के घर के पास ग्राम–उदयपुर ग्रण्ट में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
54	गोण्डा	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र वजीरगंज के परिसर में ग्राम वजीरगंज 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
55	गोण्डा	थाना वजीरगंज परिसर मे ग्राम वजीरगंज 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
56	गोण्डा	चन्द्रिका सिंह स्मारक एजुकेशनल कॉलेज के परिसर में ग्राम चन्दहा 01 अद्द 12.5 मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
57	गोण्डा	उदय प्रताप सिंह के घर के पास ग्राम–भीखमपुर उपाध्यायपुर में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
58	गोण्डा	काली माता के स्थान पर ग्राम बनघुसरा में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
59	गोण्डा	सेण्ट्रल बैंक के सामने मो0 पड़ाव नवाबगंज, गोण्डा में आर0ओ0वाटर कूलर की स्थापना का कार्य।	2.42	0.05	300+500+GST	चार माह
60	गोण्डा	जंग बहादुर लाल बनवारी लाल इण्टर कॉलेज, रीवा नवाबगंज, गोण्डा में आर0ओ0वाटर कूलर की स्थापना का कार्य।	2.42	0.05	300+500+GST	चार माह
61	गोण्डा	राजा रघुराज प्रताप सिंह महाविद्यालय ग्राम अशरफपुर मनकापुर, गोण्डा में आर0ओ0वाटर कूलर की स्थापना का कार्य।	2.42	0.05	300+500+GST	चार माह
62	गोण्डा	राकेश सिंह के घर के पास ग्राम जैतपुर में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
63	गोण्डा	संतोष सिंह के घर के पास ग्राम टिकरी में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह
64	गोण्डा	श्री आनन्दपुर ट्रस्ट आश्रम पर ग्राम कोयलीजंगल में 01 अद्द 12.5मी0 पोल पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना का कार्य।	3.56	0.07	300+500+GST	चार माह

3. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेंट की उपलब्धता 22.04.2025 से 02.05.2025 तक।
4. ई–निविदा प्राप्ति के लिए अंतिम तिथि/समय–02.05.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक ।
5. ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय–02.05.2025 को अपरान्हन् 12.30 बजे।
6. निविदा आमत्रणकर्ता को आई0टी0बी0 के क्लास के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा सभी निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
7. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर लागिंन करें तथा डाक्यूमेंट को लोड करें।

(इं0 जे0बी0सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड–गोण्डा

www.upidadv.gov.in
UPID : 232076 Dt. : 09/04/2025

हवा में खूबसूरत नजारों के होंगे दीदार

15 मिनट में देहरादून से पहुंच जाएंगे मसूरी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से पहाड़ों की रानी मसूरी तक का सफर करना न सिर्फ ट्रैफिक मुक्त होगा. बल्कि, यात्रा के दौरान प्राकृतिक सौंदर्य का भी दीदार हो सकेगा. इसके लिए रोपवे परियोजना का निर्माण कार्य चल रहा है. इसकी लंबाई करीब 5.5 किलोमीटर होगी. इस रोपवे का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद मात्र 15 मिनट में यात्री देहरादून से मसूरी पहुंच जाएंगे. रोपवे के शुरुआती प्वॉइंटस पर डेवलपमेंट के कार्य तेज हो गए हैं. ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि खासकर स्थानीय लोगों को इस रोपवे से रोजगार और स्वरोजगार का एक बड़ा जरिया मिल जाएगा.

बता दें कि उत्तराखंड में साल दर साल आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है. खासकर पर्यटन सीजन में तो अन्य राज्यों से आने वाले पर्यटकों की संख्या काफी ज्यादा बढ़ जाती है. जिसमें एक खूबसूरत हिल स्टेशन पहाड़ी की रानी मसूरी भी है. जहां गर्मियों और सर्दियों में बर्फबारी के दौरान तो पर्यटकों का हुजूम उमड़ता है. जिसके चलते देहरादून-मसूरी मार्ग पर भारी जाम लग जाता है. ऐसे में इस समस्या को देखते हुए उत्तराखंड सरकार

इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर विशेष जोर दे रही है. जिसके तहत देहरादून-मसूरी रोपवे परियोजना पर काम चल रहा है. पर्यटकों को जाम से मुक्ति दिलाने और पर्यावरणीय सुंदरता का दीदार कराने को लेकर रोपवे का निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है. देहरादून के घंटाघर से करीब 12 किलोमीटर दूर पुरकुल गांव में इन दिनों रोपवे का निर्माण कार्य जोर-शोर से चल रहा है. इस रोपवे की खासियत ये है कि यह रोपवे देश सबसे लंबे रोपवे में शुमार होगा. मात्र 15 मिनट में यात्री रोपवे के जरिए मसूरी के लाइब्रेरी चौक पहुंच जाएंगे. 5.5 किमी रह जाएगी करीब 33 किलोमीटर की दूरी- वर्तमान समय में पर्यटन सीजन के दौरान पर्यटकों को देहरादून से मसूरी पहुंचने में करीब डेढ़ घंटे से 3 घंटे का समय लग जाता है. जबकि, सामान्य दिनों में भी करीब डेढ़ घंटे का वक्त मसूरी पहुंचने में लग जाता है. देहरादून से मसूरी की दूरी करीब 33 किलोमीटर है, लेकिन रोपवे के जरिए ये दूरी सिर्फ 5.5 किलोमीटर की रह जाएगी. रोपवे में ऑटोमेटिक यात्री ट्रॉलियां लगाई जाएगी. इस ट्रॉलियों के जरिए मात्र एक घंटे दोनों तरफ से करीब 2,600 लोग आ जा सकेंगे. इस रोपवे के संचालन के लिए 26 टावर लगाए जाएंगे. मसूरी- देहरादून रोपवे के निर्माण में करीब 300 करोड़ रुपए का खर्च आने की संभावना है. इस परियोजना को पीपीपी यानी पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मोड पर मसूरी स्काई कार कंपनी प्राइवेट लिमिटेड की ओर से निर्माण कार्य कराया जा रहा है. फिलहाल, सितंबर 2026 तक मसूरी-देहरादून रोपवे परियोजना का निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. बता दें कि केंद्र सरकार ने साल 2019 में देहरादून-मसूरी रोपवे परियोजना को मंजूरी दी थी. जिसके बाद 6 मार्च 2019 को तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत ने देहरादून-मसूरी रोपवे परियोजना का शिलान्यास किया था, लेकिन इस परियोजना में लिए जब भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की गई तो स्थानीय लोगों ने इसका विरोध शुरू कर दिया था. जिसके चलते रोपवे निर्माण का काम आगे नहीं बढ़ पाया. वहीं, तमाम विरोध के बीच सरकार ने निर्णय लिया कि मसूरी में स्थित आइटीबीपी कैंप के ऊपर से रोपवे का संचालन किया जाएगा, लेकिन आइटीबीपी कैंप और सुरक्षा गतिविधियों को देखते हुए बात नहीं बन पाई. ऐसे में मसूरी-देहरादून रोपवे परियोजना अधर में ना लटक जाए, इसके लिए रक्षा मंत्रालय से बात करके रोपवे निर्माण का रास्ता साफ किया गया था. दरअसल, साल 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान मसूरी में करीब 1500 वर्ग मीटर जमीन उत्तराखंड सरकार को ट्रांसफर करने पर मंजूरी दे दी. इसके साथ ही साल 2023 के अक्टूबर महीने में इस रोपवे निर्माण के लिए मसूरी स्काई कार कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को जिम्मेदारी सौंपी गई.

संक्षिप्त समाचार

शहीद की पत्नी से मारपीट और छेड़खानी, पड़ोसी के खिलाफ मुकदमा

देहरादून, एजेंसी। शहीद सैनिक की पत्नी और बच्चों के साथ उनके पड़ोसी ने मारपीट की। आरोप है कि वह कई बार आपसी विवाद के चलते घर में घुसा और उनके व उनकी बेटी के साथ छेड़खानी भी की। पुलिस ने महिला की शिकायत पर पड़ोसी और उसकी दो बहनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। महिला ने पुलिस को बताया कि उनके पति भारतीय थल सेना में सैनिक थे। वह 18 साल पहले शहीद हो गए। उनका पड़ोसी उनसे रंजिश रखता है। उससे सुरक्षा की दृष्टि से महिला ने अपने घर पर एक टिनशेड लगवाया है, लेकिन पड़ोसी उनके इस टिनशेड को तोड़ना चाहता है। गत तीन मार्च को उसने महिला के बेटे को धमकाया और टिनशेड तोड़ने के लिए कहा। इस दौरान महिला भी वहां आ गई और उसने उनसे भी मारपीट की। आरोप है कि पड़ोसी ने उन्हें गलत नीयत से छुआ और गाली गलौज की। उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम को फोन किया तो पुलिस ने दोनों पक्षों में समझौता करा दिया। इसके एक महीने बाद चार अप्रैल को पड़ोसी अपनी दो बहनों के साथ महिला के घर में घुस आया। वहां उसने परिवार के साथ मारपीट की। यही नहीं आरोपी ने उनकी बेटी के साथ भी छेड़खानी की। उसने धमकी दी कि उसका मामा उत्तराखंड पुलिस में है। ऐसे में पुलिस पहले उसकी बात ही सुनेगी। महिला के अनुसार यह सारी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई है। एसएचओ पटेलनगर हरिओम राज चौहान ने बताया कि इस मामले में महिला के पड़ोसी और उसकी दो बहनों के खिलाफ मारपीट और छेड़खानी के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

निजी शिक्षण संस्थान अभिभावकों का कर रहे उत्पीड़न

देहरादून, एजेंसी। निजी शिक्षण संस्थानों पर मनमानी का आरोप लगाकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े छात्रों ने तहसील प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। डाकपत्थर महाविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष आशीष बिष्ट ने बताया कि निजी शिक्षण संस्थान अपनी मनमानी से अभिभावकों का आर्थिक और मानसिक उत्पीड़न कर रहे हैं। पछ्वादून के निजी शिक्षण संस्थान हर साल फीस बढ़ा रहे हैं। आरटीई के तहत निजी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेने वाले बच्चों के साथ भेदभाव किया जाता है। कई शिक्षण संस्थानों में बच्चों को कक्षाओं में सबसे पीछे बिठाया जाता है। स्कूल ड्रेस भी दुकान विशेष से खरीदने का दबाव बनाया जाता है। बताया की जल्द इन पर रोक नहीं लगी तो संगठन आंदोलन करेगा।

भारतीय सांस्कृतिक धरोहर से होगा समाज का परिचय

देहरादून, एजेंसी। कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून के संगीत विभाग की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। सप्ताह भर तक चलने वाली कार्यशाला में भारतीय सांस्कृतिक धरोहर से समाज का परिचय होगा। कार्यशाला का शुभारंभ 15 अप्रैल को गुरुकुल कांगड़ी विवि हरिद्वार की कुलपति पी हेमलता व एमर्स डिफेंस अकादमी के निदेशक प्रियांशु करेंगे। संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ममता यादव ने कहा, भारतीय संस्कृति की सबसे विशेष बात यही है कि यह हजारों वर्षों के बाद भी अपने मूत्र स्वरूप में जीवित है। कार्यशाला का मकसद भारतीय सांस्कृतिक धरोहर से समाज का परिचय एक अनूठे अंदाज में कराना है। कार्यशाला में प्रसिद्ध सितारवादक पंडित हरविन्दर शर्मा और युवा कलाकार प्रसिद्ध कथक नर्तक आशीष सिंह अपनी प्रस्तुति से छात्राओं को शास्त्रीय संगीत की बारीकियां सिखाएंगे।

तीन दिन की छुट्टी के बाद मंगलवार को खुलेगा अस्पताल

देहरादून, एजेंसी। उप जिला अस्पताल विकासनगर में तीन दिन की छुट्टी के बाद मंगलवार को ओपीडी खुलेगी। चिकित्सकों के कार्य बहिष्कार के चलते शुक्रवार को भी अस्पताल में ऑपरेशन के साथ कई ओपीडी बंद रही थी। अब शनिवार से लगातार तीन दिन का सार्वजनिक अवकाश है। मंगलवार को ओपीडी में बड़ी संख्या में मरीजों के पहुंचने की संभावना है। इस दिन फिजिशियन की ओपीडी भी नहीं होगी। वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में मेडिकल अफसर मरीजों को ओपीडी में देखेंगे। उप जिला अस्पताल विकासनगर पछ्वादून और जौनसार बावर का सबसे बड़ा अस्पताल है। यहां ओपीडी में रोजाना 550 से 600 मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। लगातार दो या तीन के अवकाश की स्थिति में ओपीडी में मरीजों की मरीजों संख्या 800 तक पहुंच जाती है।

दुकानदारों, सेवा प्रदाता को मिलेगा आरएफआईडी टैग

देहरादून , एजेंसी।
प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व 15वें वित्त आयोग की स्व'छता के लिए टाइड फंड से भी बजट उपलब्ध होगा।

इस बार चारधाम यात्रा के लिए चारों धाम के दुकानदारों, घोड़ा-ख'चर, कंडी संचालकों समेत सभी सेवा प्रदाता को रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) टैग मिलेंगे। वहीं, यात्रा मार्ग पर जाम की जानकारी डिजिटल बोर्ड के माध्यम से दी जाएगी, जिससे यात्री परेशान न हो। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने शनिवार को तैयारियों की समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने यात्रा मार्गों पर स्व'छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व 15वें वित्त आयोग की स्व'छता के लिए टाइड फंड से भी बजट उपलब्ध होगा। उन्होंने चारों धामों में दुकानदार एवं घोड़ा, कंडी संचालक सहित सभी प्रकार के सेवा प्रदाता के आरएफआईडी टैग बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में सचिव शैलेश बगोली, नितेश कुमार झा, सचिन कुर्वे, डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम, डॉ. पंकज पांडेय, चंद्रेश कुमार यादव, डॉ. आर राजेश कुमार, डॉ. नीरज खैरवाल, कमिश्नर गढ़वाल विनय शंकर पांडेय, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी सहित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चारधाम एवं यात्रा मार्गों से संबंधित जिलों के डीएम व अन्य अधिकारी शामिल हुए।

मुख्य सचिव ने कहा कि यात्रा मार्गों में दुर्घटनाओं, भू-स्खलन आदि के कारण लगने वाले जाम की जानकारी यात्रियों को रास्ते में ही मिल जाए। इसका मेकेनि'म तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए यात्रा मार्गों पर डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएं। जो यह जानकारी देंगे कि किस स्थान पर कौन सी घटना घटी है, जिससे जाम लगा है। उन्होंने इसके लिए सचिव लोक निर्माण विभाग को व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। कहा जब तक यह व्यवस्था धरातल पर उतरती है, तब तक बल्क एसएमएस और बल्क वॉट्सएप मैसेज के माध्यम से यह जानकारी उपलब्ध दी जाए। उन्होंने संभावित भू-स्खलन क्षेत्रों का उपचार शीघ्र करने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सचिव युगल किशोर पंत से देहरादून से केदारनाथ, सचिव डॉ. आर राजेश कुमार से बदरीनाथ यात्रा मार्ग, सचिव डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम से गंगोत्री धाम और डॉ. नीरज खैरवाल से यमुनोत्री धाम की तैयारियों के संबंध में फीडबैक लिया।

निवेश का झांसा देकर देहरादून के कारोबारी से ठगे सवा करोड़

देहरादून, एजेंसी। सोफा बनाने वाली कंपनी का वित्तीय सलाहकार व विश्लेषक बनकर साइबर ठगों ने मसूरी के गारमेंट कारोबारी से 1.17 करोड़ रुपये ठग लिए। साइबर ठगों ने कारोबारी को कंपनी में निवेश का झांसा देकर 24 से 48 घंटे में रकम दोगुनी करने और खाते में रिटर्न करने का झांसा दिया था।

जब रकम वापस नहीं आई और ठगों से संपर्क नहीं हुआ तो कारोबारी ने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में मुकदमा दर्ज कराया। एसएसपी एसटीएफ नवनीत भुल्लर ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। देहरादून के जाखन निवासी मनोज कुमार अग्रवाल का मसूरी में गारमेंट का कारोबार है। अग्रवाल ने साइबर थाने में दी शिकायत में बताया कि गत 15 मार्च को एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें एक वाट्सएप ग्रुप में जोड़ा और खुद को सोफा बनाने वाली एक प्रतिष्ठित कंपनी एएसके इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स लिमिटेड का वित्तीय सलाहकार व विश्लेषक बताया।

उत्तराखंड में तीन जिलों में भारी बारिश के आसार, रहें सतर्क

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड में मौसम लगातार अपने तेवर दिखा रहा है. बीते दिनों बारिश से तापमान में गिरावट आई है. वहीं मैदानी क्षेत्रों में राहत के बाद फिर चिलचिलाती गर्मी लोगों को परेशान कर रही है. मौसम विभाग ने आज फिर प्रदेश के तीन पहाड़ी जिलों में बारिश की संभावना जताई है. लेकिन मौसम विभाग ने बारिश को लेकर कोई अलर्ट जारी नहीं किया है.

प्रदेश के तीन जिलों में बारिश की संभावना- देहरादून मौसम विभाग ने राज्य के उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ जनपद में कहीं-कहीं हल्की से भारी बारिश की संभावना जताई है.जबकि आज मौसम विभाग ने बारिश को लेकर कोई अलर्ट जारी नहीं किया है. बात राजधानी देहरादून की करें तो यहां आसमान साफ रहेगा. अधिकतम और न्यूनतम तापमान 30एष्ट व 15एष्ट के लगभग रहने की संभावना है.

उत्तराखंड में मौसम ने अचानक करवट बदली है. जिससे कई जिलों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. जहां उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में गर्मी से लोग परेशान हैं तो वहीं पर्वतीय जिलों में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित हो रहा है. तेज बारिश के साथ ही आकाशीय बिजली गरज रही है. बीते दिन बागेश्वर जिले के कपकोट तहसील के जगथाना, पोथिंग और तोली में आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की 41 बकरियों की मौत हो गई. वहीं गढ़वाल मंडल के चमोली जनपद के थराली में भी बारिश से काफी नुकसान पहुंचा है. भारी बारिश के चलते चमोली और नंदप्रयाग में भूस्खलन की घटना घटित हुई. भारी बारिश से कई स्थानों पर सड़कों पर मलबा आ गया. जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा. वहीं उत्तराखंड के नैनीताल जिले बारिश ने किसानों के चेहरों पर भी मुस्कान लौटा दी है. आम और लीची की फसल के लिए यह बारिश वरदान मानी जा रही है.

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर एक्शन, कई विद्यालयों को नोटिस जारी

देहरादून, एजेंसी।
प्राइवेट स्कूलों की मनमानी को लेकर देहरादून जिला प्रशासन सख्त होता जा रहा है. स्कूलों में अनियमितता की शिकायत पर डीएम के निर्देशों शहर के दो स्कूलों को नोटिस और एक स्कूल के प्रिंसिपल को तलब किया गया है. साथ ही बच्चों की किताबें, ड्रेस और फीस को लेकर स्कूल को स्पष्ट एडवाइजरी जारी करने के निर्देश दिए गए हैं. प्रशासन के मुताबकि किसी भी दुकान से बच्चों की किताबें और ड्रेस अभिभावक खरीद सकते हैं.

जिले में निजी स्कूलों की मनमानी फीस बढ़ाने, किसी एक चिन्हित दुकान से कॉपी-किताब और ड्रेस खरीदने का दबाव बनाने की शिकायतों को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख इख्तियार किया है. जिला प्रशासन की कोर टीम स्कूल में इन सभी मामलों की छानबीन में जुटी है. जिलाधिकारी के निर्देशों पर स्कूल संचालकों द्वारा नियमों का पालन और शिकायतों का समाधान न करने पर ऐसे स्कूलों की मान्यता निरस्त की जा सकती है.

वहीं, शिकायत मिलने पर मुख्य विकास अधिकारी ने शहर जाने माने चार स्कूलों के संचालक को समीक्षा के लिए बुलाया. जबकि

दो स्कूलों द्वारा बैठक में प्रतिभाग न करने पर नोटिस जारी किया गया. वहीं एक स्कूल से सक्षम अधिकारी नहीं भेजे जाने पर 15 अप्रैल को स्कूल प्रिंसिपल को तलब किया गया है.

मुख्य शिक्षा अधिकारी ने शहर के एक स्कूल की प्रिंसिपल की शिकायत मिलने पर विद्यालय प्रबंधन समिति से स्कूल प्रधानाचार्य के स्थान किसी अन्य व्यक्ति को प्रधानाचार्य पद पर तैनात करने के लिए कार्रवाई करने को कहा है. मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने बताया है कि मुख्य विकास अधिकारी ने निजी स्कूल संचालकों को सख्त हिदायत देते हुए निर्देशित किया कि स्कूल फीस के लिए आरटीई एक्ट और प्रोविजन के अनुसार तीन सालों में अधिकतम 10 प्रतिशत तक ही फीस बढ़ाई जा सकती है. स्कूल संचालक किसी भी दशा में अभिभावक और बच्चों को किसी एक निश्चित दुकान से किताबें और ड्रेस खरीदने के लिए बाध्य न करें. फीस, ड्रेस और किताबों को लेकर अभिभावकों को स्पष्ट एडवाइजरी जारी करें कि अभिभावक अपने बच्चों के लिए किसी भी दुकान से किताबें और ड्रेस खरीद सकते हैं. साथ ही ऐसे सभी स्कूल जहां पर इस प्रकार की शिकायतें मिल रही है. उनमें शिक्षण मानकों की गहनता से जांच की जाए. अभिभावकों से वार्ता करें और उनकी शिकायतों का समाधान कराया जाए. जिला प्रशासन ने इससे पहले कई स्कूलों से मिली अलग-अलग शिकायतों का निस्तारण किया है.

अंतिम महीने मार्च में खर्च हुई 4000 करोड़ की राशि, सीएम धामी खुद बजट पर रख रहे हैं नजर

देहरादून, एजेंसी।
प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम महीने मार्च में ही पूंजीगत कार्यों के बजट की लगभग 4000 करोड़ की बड़ी राशि खर्च हुई। अंतिम महीने और अंतिम दिनों में बजट ठिकाने लगाने की विभागों की प्रवृत्ति पर अब कड़ाई से अंकुश लगेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के इस संबंध में निर्देशों का पालन करने के लिए विभाग पूंजीगत कार्यों के बजट के मासिक खर्च की कार्ययोजना तैयार करेंगे। इसे क्रियान्वित करने में ढिलाई बरती गई तो संबंधित विभाग के वार्षिक बजट में कटौती की जाएगी।

प्रदेश को आर्थिक रूप से सेहतमंद बनाने के लिए बजट के सदुपयोग पर सरकार विशेष बल दे तो रही है, लेकिन विभागों की कार्यप्रणाली इसमें आड़े आ रही है। हालत ये है कि विभाग खर्च के लिए जितना बजट प्रस्तावित करते हैं, पूरे वित्तीय वर्ष में उसका उपयोग नहीं कर पाते।

पूंजीगत कार्यों के लिए निर्धारित बजट का समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। यद्यपि, वित्तीय वर्ष 2024-25 में तमाम शुरुआती कठिनाइयों के बाद भी पूंजीगत कार्यों में 11 हजार करोड़ से अधिक बजट राशि खर्च में सफलता मिली है। इसका दूसरा पहलू यह है कि इसमें से 4000 करोड़ की राशि मात्र मार्च के महीने में खर्च की गई।

बजट खर्च की गुणवत्ता के दृष्टिगत इसे स्वस्थ परंपरा के रूप में नहीं देखा जाता। यही कारण है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसी माह के पहले सप्ताह में समीक्षा बैठक में विभागों को दिसंबर तक 80 प्रतिशत बजट खर्च करने का लक्ष्य थमाया है। वित्त सचिव दिलीप जावलकर ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक विभाग को मासिक बजट खर्च की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार बजट खर्च नहीं करने वाले विभाग के वार्षिक बजट में कटौती की जाएगी। साथ में बजट को ससमय खर्च करने वाले विभागों को प्रोत्साहनस्वरूप अनुपूरक बजट में अधिक धन उपलब्ध कराया जाएगा।

साइबर ठगों के जाल में फंसा मसूरी का कपड़ा कारोबारी, मोटे मुनाफे के लालच में गंवाए 1 करोड़ 17 लाख

देहरादून, एजेंसी।
राजधानी देहरादून के मसूरी में साइबर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है. गारमेंट्स कारोबारी को साइबर ठगों ने अपना शिकार बना लिया. कपड़ों का कारोबार करने वाले व्यवसायी को साइबर ठगों ने सोफा बनाने वाली कंपनी का वित्तीय सलाहकार बनकर झांसे में लिया. इसके बाद 1 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी कर डाली.

कपड़ा व्यवसायी के साथ साइबर ठगी- गारमेंट्स कारोबारी को साइबर ठगों ने सोफा बनाने वाली कंपनी में निवेश का लालच दिया. ठगों ने रकम दोगुनी करने और खाते में रिटर्न करने का झांसा दिया था. कारोबारी उनके जाल में फंस गया. आखिरकार जब उसको ठगे जाने का अहसास हुआ तो वो पुलिस के पास पहुंचा. पीड़ित की शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है.

सोफा बनाने वाली कंपनी के नाम पर जाल में फंसाया- जाखन निवासी मनोज कुमार अग्रवाल ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि वह मसूरी में गारमेंट का कारोबार करते हैं. 15 मार्च को एक अज्ञात व्यक्ति ने उनको एक

व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा. उस शख्स ने खुद को सोफा बनाने वाली एक बड़ी कंपनी एएसके इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट लिमिटेड का वित्तीय सलाहकार बताया. व्हाट्सएप ग्रुप पर कुछ लोगों ने बड़े मुनाफे के स्क्रीन शॉट भी साझा किए हुए थे. इससे कपड़ा व्यवसायी को उन पर विश्वास हो गया.

साइबर ठगों के गैंग ने व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा: इसके बाद 17 मार्च को कपड़ा व्यवसायी को दो अन्य व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया. इस ग्रुप में 108 सदस्य थे. ग्रुप के सदस्यों ने आश्वस्त किया कि निवेश पूरी तरह से सुरक्षित है. इससे काफी मुनाफा हो रहा है. साथ ही यह दावा किया कि निवेश करने के 24 से 48 घंटे के अंदर रिटर्न निवेशक के खाते में आ जाएगा. 1 करोड़ 17 लाख रुपए ट्रांसफर करवाए गारमेंट्स कारोबारी उस व्हाट्सएप ग्रुप के सदस्यों के झांसे में आ गया. उसने 17 मार्च से 4 अप्रैल के बीच अलग-अलग तारीखों में एक करोड़ 17 लाख रुपए निवेश कर दिए. डैशबोर्ड पर उसको मुनाफा तो दिखा, लेकिन वह धनराशि नहीं निकाल पाया. धनराशि निकालने के लिए 72 लाख रुपए जमा करने के लिए कहा गया. तब जाकर कपड़ा व्यवसायी को अपने साथ ठगी होने का एहसास हुआ.

सम्पादकीय

वीरान गांवों में वृद्ध

सैयद अहमर हसनैन

केरल की गिनती देश के सबसे शिक्षित राज्यों में होती है। लेकिन आज 94 फीसदी साक्षरता वाले इस राज्य में बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संत्रास झेल रहे हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं। लाखों घरों में सिर्फ ताले लटके नजर आते हैं। दरअसल, समुद्र तट से लगे इस राज्य में खाड़ी के देशों में जाकर सुनहरा भविष्य तलाशने की होड़ लगी रही है। शिक्षा ने जहां प्रगतिशील सोच दी है, वहीं अंतहीन भौतिक लिप्साओं को भी जगाया है। यह होड़ हाल के वर्षों में पंजाब-हरियाणा में भी नजर आ रही है। वैसे तो यह हमारे नीति-नियंताओं की नाकामी का भी परिणाम है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता-आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का सम्मोहन रोकता है और न ही यह फिक्र कि उनके जाने के बाद बुजुर्ग माता-पिता का क्या होगा। एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। सामाजिक सुरक्षा की वह छांव कहां, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें।

केरल के कई गांवों में लोग एक दिन हर बुजुर्ग का हाल पूछते हैं कि क्या वे सुरक्षित हैं। वे चर्च व पंचायतों में बैठकें करते हैं ताकि एक-दूसरे के हाल-चाल जान सकें। निश्चय ही ऐसे वैकल्पिक प्रयासों से सामाजिक सुरक्षा को संबल मिलेगा। बताते हैं कि मार्च माह के अंत में बुजुर्गों के इस एकाकीपन के संकट को महसूस करते हुए केरल सरकार ने एक वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाने की घोषणा की है। यह वक्त बताएगा कि लाल-फीताशाही व घुन लगी व्यवस्था में ये आयोग कब तक कारगर भूमिका निभाना शुरू करेगा। लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो सहायक ही हो सकता है। देखना होगा कि सरकारी अधिकारी कितनी संवेदनशीलता से बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान करते हैं। सरकार का दावा है कि यह आयोग एकाकीपन का त्रास झेल रहे बुजुर्गों के अधिकार, कल्याण और पुनर्वास के लिये काम करेगा। निस्संदेह, बुजुर्गों की आवश्यकताएं सीमित होती हैं। लेकिन उनका मनोबल बढ़ाने की जरूरत है। सबसे ज्यादा जरूरी उनकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं दूर करना है। बेहतर चिकित्सा सेवा व घर-घर उपचार की सहज उपलब्धता समस्या का समाधान दे सकती है। लेकिन देखना यह होगा कि भ्रष्टाचार के घुन से खोखली होती व्यवस्था में वरिष्ठ नागरिक आयोग ऐसे संकट का कारगर समाधान उपलब्ध कराने में किस हद तक सफल हो पाता है। वैसे अकेले रह रहे बुजुर्गों को भी इस दिशा में पहल करनी होगी। सामाजिक सक्रियता इसमें सहायक बनेगी। नीति-नियंताओं को सोचना होगा कि अगले दशकों में युवा भारत बुजुर्गों का भारत बनने वाला है। वर्ष 2050 तक भारत में साठ साल से अधिक उम्र के 34.7 करोड़ बुजुर्ग होंगे। क्या इस चुनौती से निपटने को हम तैयार हैं? वित्तीय असुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा असमानताओं से लेकर सामाजिक अलगाव और भेदभाव तक, उन्हें कई तरह की बाधाओं का सामना करना पड़ता है जो उनके जीवन की गुणवत्ता को काफी हद तक प्रभावित कर सकती हैं। ये केवल काल्पनिक परिदृश्य नहीं हैं; ये हमारे समाज में अनगिनत वृद्ध व्यक्तियों द्वारा सामना की जाने वाली वास्तविकताएं हैं। यह स्पष्ट है कि हमारे बुजुर्गों के अधिकारों की सुरक्षा केवल कानूनी या नीतिगत मामला नहीं है यह एक गहरी व्यक्तिगत और सामाजिक जिम्मेदारी है। हालांकि समकालीन भारत में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, वैश्वीकरण और एकल परिवार संरचना के संयोजन ने बुजुर्गों के सामने नई चुनौतियों को सामने ला दिया है। यह जरूरी है कि हम उनकी भलाई, सम्मान और समाज में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मौजूद संरचनात्मक, सामाजिक, कानूनी और बुनियादी ढांचे की जांच करें। बुजुर्ग हमारे देश के इतिहास के निर्माता हैं, हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षक हैं और हमारे परिवारों के स्तंभ हैं। यह सुनिश्चित करना हमारा नैतिक कर्तव्य है कि उनके बुढ़ापे में उनके साथ सम्मान, करुणा और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाए। बढ़ती उम्रदराज आबादी सरकार और समाज के लिए अवसर और चुनौतियां दोनों पेश करती है।

विश्व कला दिवस पर विशेष

कला सशक्त माध्यम है दुनिया को खूबसूरत बनाने का

ललित गर्ग

दुनिया भर के कलाकारों के लिए यह एक महत्वपूर्ण दिन है, जिसका मुख्य उद्देश्य कलाकारों और उनकी कला को सुरक्षित, संरक्षित एवं सर्वर्धित करना और उन्हें अपनी बुद्धिमत्ता, रचनात्मकता और नवाचार को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। कला दिवस विश्व में विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। कलाकार कविता, पेंटिंग, मूर्तिकला, नृत्य, संगीत जैसे विभिन्न भौतिक साधनों के माध्यम से अपने विचारों, रचनात्मकता, ज्ञान, भावनाओं और कल्पना का आदान-प्रदान करते हैं। यह दिन हमें अपने आस-पास की प्रकृति में गोता लगाने, उसकी सुंदरता का निरीक्षण करने और अपने आस-पास की छोटी-छोटी चीजों पर ध्यान देने को प्रेरित करता है। इसके माध्यम से जीवन की खूबसूरती को उकेरने एवं मोहक दुनिया का सृजन करने का प्रयत्न किया जाता है। विश्व कला दिवस की तिथि लियोनार्डो दा विंची के जन्मदिन के सम्मान में तय की गई थी, जो इटली के महान चित्रकार, मूर्तिकार, वास्तुशिल्पी, संगीतज्ञ, कुशल यांत्रिक, इंजीनियर और वैज्ञानिक थे। लिओनार्दो अपनी कला की वजह से दुनिया भर में मशहूर थे, दा विंची को विश्व शांति, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सहिष्णुता, भाईचारे और बहुसंस्कृतिवाद के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में कला के महत्व के प्रतीक के रूप में चुना गया था...

कला जीवन को रचनात्मक, सृजनात्मक, नवीन और आनंदमय बनाने की साधना है। कला के बिना जीवन का आनंद फीका अधूरा है। कला केवल एक भौतिक वस्तु नहीं है जिसे कोई बनाता है बल्कि यह एक भावना है जो कलाकारों और उन लोगों को खुशी और आनंद देती है जो इसकी गहराई को समझते हैं। कला अति सूक्ष्म, संवेदनशील और कोमल है, जो अपनी गति के साथ मस्तिष्क को भी कोमल और सूक्ष्म बना देती है। हम जो कुछ भी करते हैं उसके पीछे एक कला छिपी होती है। कला का हर किसी के जीवन में बहुत महत्व है। इसी महत्व के लिये विश्व कला दिवस विभिन्न कलाओं का एक अंतरराष्ट्रीय उत्सव है, जिसे दुनिया भर में रचनात्मक गतिविधि के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कला संघ (आईएए) द्वारा घोषित किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय कला संघ की 17वीं आम सभा में 15 अप्रैल को इस दिवस को घोषित करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसका पहला समारोह 2012 में आयोजित किया गया था। इस प्रस्ताव को तुर्की के बेदरी बैकम ने प्रायोजित किया और मैक्सिको की रोजा मारिया बुरीलो वेलास्को, फ्रांस की ऐनी पौरनी, चीन के लियू दावेई, साइप्रस के क्रिस्टोस सिमेयोनिडेस, स्वीडन के एंडर्स लिडेन, जापान के कान इरी, स्लोवाकिया के पावेल क्राल, मॉरीशस के देव चूरामुन और नॉर्वे की हिल्डे रोगनस्कॉग ने सह -हस्ताक्षर किए।

विश्व कला दिवस की 2025 की थीम है 'अभिव्यक्ति का उद्यानः कला के माध्यम से समुदाय का विकास करना'। इस थीम का उद्देश्य कला के माध्यम से सामुदायिक विकास को बढ़ावा देना है। दुनिया भर के कलाकारों के लिए यह एक महत्वपूर्ण दिन है, जिसका मुख्य उद्देश्य कलाकारों और उनकी कला को सुरक्षित, संरक्षित एवं सर्वर्धित करना और उन्हें अपनी बुद्धिमत्ता, रचनात्मकता और नवाचार को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। कला दिवस विश्व में विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। कलाकार कविता, पेंटिंग, मूर्तिकला, नृत्य, संगीत जैसे विभिन्न भौतिक साधनों के माध्यम से अपने विचारों, रचनात्मकता, ज्ञान, भावनाओं और कल्पना का आदान-प्रदान करते हैं। यह दिन हमें अपने आस-पास की प्रकृति में गोता लगाने, उसकी सुंदरता का निरीक्षण करने और अपने आस-पास की छोटी-छोटी चीजों पर ध्यान देने को प्रेरित करता है। इसके माध्यम से जीवन की खूबसूरती को उकेरने एवं मोहक दुनिया का सृजन करने का प्रयत्न किया जाता है। विश्व कला दिवस की तिथि लियोनार्डो दा विंची के जन्मदिन के सम्मान में तय की गई थी, जो इटली के महान चित्रकार, मूर्तिकार, वास्तुशिल्पी, संगीतज्ञ, कुशल यांत्रिक, इंजीनियर और वैज्ञानिक थे। लिओनार्दो अपनी कला की वजह से दुनिया भर में मशहूर थे, दा विंची को विश्व शांति, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सहिष्णुता, भाईचारे और बहुसंस्कृतिवाद के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में कला के महत्व के प्रतीक के रूप में चुना गया था। कला और कलाकारों की कलात्मक सोच को सम्मानित और आत्मसात करने के उद्देश्य से ही हर साल यह दिवस मनाया जाता है। रंगों और आकृतियों के माध्यम से भावनाओं को अभिव्यक्त करते हुए, कला जीवन के सार को पकड़ती है, भावनाओं को जगाती है और शब्दों के बिना भी संबंध को बढ़ावा देती है। विंची एक महान कलाकार थे। उन्होंने कई ऐसी पेंटिंग बनाई हैं, जो विश्वभर में प्रसिद्ध हुई हैं। इन सब में 'मोना लिसा की पेंटिंग' के बारे में बच्चे-बच्चे को पता है। लेकिन, विंची ने मोना लिसा के अलावा भी कई विख्यात पेंटिंग बनाई हैं, जिनमें से कुछ हैं - लास्ट सपर, सेल्फ पोर्ट्रेट, द वर्जिन ऑफ द रॉक्स, हेड ऑफ अ वुमेन आदि। उनकी बनाई गई पेंटिंग्स आज भी दुनियाभर के म्यूजियम में रखी हुई हैं, जिन्हें देखने हर साल कई लाख लोग आते हैं।दुनिया में कला के विविध रंग बिखरे हैं, कई अद्‌भुत आर्ट फॉर्म्स प्रचलित है। पॉप आर्ट एक खास तरह का आर्ट फॉर्म है, जो सदियों से लोगों का पसंदीदा रहा है। इस तरह के आर्ट फॉर्म में पेंटिंग को एक कल्पना के तहत बनाया जाता है। इसमें पेंटिंग्स के पारंपरिक तरीकों का प्रयोग किया जाता है। कंटेम्परी आर्ट का सीधा मतलब है, ऐसा आर्ट जो हाल के समय में बनाया गया हो। इस तरह के आर्ट में हाल में हुई घटनाओं पर फोकस किया जाता है। कई लोग मानते हैं कि कंटेम्परी आर्ट और मॉडर्न आर्ट एक ही हैं। मगर ऐसा नहीं है, कंटेम्परी आर्ट

के उलट मॉडर्न आर्ट के पेंटिंग्स में पारंपरिक तरीकों को फॉलो नहीं किया जाता है। इस तरह के आर्ट फॉर्म में पेंटर्स को छूट होती है, अपनी कल्पना के तहत पेंटिंग्स बनाने की। एब्सट्रैक्ट आर्ट की पेंटिंग्स बनाना एक बहुत मुश्किल और उलझा हुआ काम है। इस तरह के आर्ट में रंगों और अलग-अलग तरह की आकृतियों का इस्तेमाल किया जाता है, जो एक दूसरे में घुली-मिली-सी होती हैं। एब्सट्रैक्ट आर्ट में कलर्स का इस्तेमाल खासतौर पर भावनाओं को व्यक्त करने के लिए किया जाता है। स्पिरिचुअल आर्ट में अध्यात्म और भक्ति से जुड़ी हुई पेंटिंग्स बनाई जाती हैं। कई बार कलाकार पूरी तरह से भक्ति और अध्यात्म में डूबकर ही इस तरह की पेंटिंग्स को पूरा कर पाते हैं। हर देश में वहां के कल्चर, अध्यात्म, आस्था और भगवान के अनुसार स्पिरिचुअल आर्ट्स बनाए जाते हैं। संगीत भी कला का माध्यम है जो शांति, सुकून एवं आनन्द प्रदत्त कर सकता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है। शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं, ये कला के बेजोड़ नमूने है। भारत में संगीत का हजारों वर्षों का इतिहास है, शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी।

कौन है फ़र्ज़ी कौन है नक़ली कैसे हो पहचान ?

कितनी सतर्क हैं खुफिया एजेंसी

तनवीर जाफ़री

हमारे देश में कभी कोई फ़र्ज़ी आईएएस पकड़ा जाता हो तो कभी कोई फ़र्ज़ी आईपीएस अधिकारी बना घूमता रहता है। हद तो यह है कि अब तो देश में न केवल स्वयं को प्रधानमंत्री कार्यालय का एडिशनल डायरेक्टर बताने वाला गुजरात का एक फ़र्ज़ी व्यक्ति पकड़ा जा चुका बल्कि गत दिनों तो एक नक़ली हार्ट सर्जन तक गिरफ़्तार किया गया। देश के सुधी व जागरूक लोगों को याद होगा कि मार्च 2023 में श्रीनगर में किरण पटेल पुत्र जगदीश पटेल नाम के एक फ़र्ज़ी व्यक्ति को रंगे हाथों पकड़ा गया था। यह ठग खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का एडिशनल डायरेक्टर बताता था तथा ज़ेड प्लस सुरक्षा के साथ बुलेटप्रूफ गाड़ी पर चला करता था। जबकि ज़ेड प्लस सुरक्षा पर प्रति व्यक्ति 40 से 45 लाख रुपए महीना तक का ख़र्च होता है। ठग पटेल हमेशा फ़ाइव स्टार होटल में ही ठहरा करता था। प्रधानमंत्री कार्यालय का अधिकारी बनकर ही वह जगह जगह की यात्राएं करता था और इसी आधार पर वह सरकारी सुख सुविधायें भी लिया करता था। ख़ुफ़िया एजेंसी के अलर्ट के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 2 मार्च 2023 को उसे गिरफ़्तार कर लिया। गिरफ़्तारी के समय उसके पास से कई फ़र्ज़ी विज़िटिंग कार्ड भी बरामद किए गए। पटेल के बारे में विस्तृत जांच से पता चला कि उसके विरुद्ध गुजरात में पहले से ही ठगी के तीन मामले दर्ज थे...

नक़ली और मिलावटी वस्तुओं यहाँ तक कि मिलावटी खाद्य सामग्री, नक़ली जीवन रक्षक दवाइयां, ज़हरीले फल व सब्ज़ियाँ,मिलावटी घी, पनीर, दूध, खोया, मिलावटी मिठाइयां, मिलावटी मसालों जैसी अनेक चीज़ों का कारोबार हमारे देश में दशकों से बेरोकटोक होता आ रहा है। और न जाने कितने लोग ऐसी खाद्य वस्तुओं के सेवन से मौत की गोद में भी समा चुके हैं। जब कभी ऐसा कोई नेटवर्क क़ानून की गिरफ़्त में आता है तो उसकी ख़बरें भी प्रकाशित होती हैं। परन्तु ऐसी नक़ली और मिलावटी वस्तुओं के उत्पादक,निर्माता,वितरक व विक्रेताओं के विरुद्ध सरकार व प्रशासन क्या और कितनी कार्रवाई करता है इसका अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह जानलेवा धंधा कम होने के बजाये और भी अधिक फलता फूलता जा रहा है। हद तो यह है कि देश में तमाम ब्रांडेड सामग्रियां भी नक़ली बिक रही हैं। मगर कोई पूछने वाला नहीं है। ज़ाहिर है यह सब नक्कालों,मिलावटख़ोरों तथा प्रशासन के मिलेजुल नेटवर्क का ही परिणाम है। और शायद सरकार व प्रशासन की इसी अनदेखी का ही नतीजा है कि अब केवल खाद्य सामग्री या दैनिक उपभोग की वस्तुयें मात्र ही नक़ली या मिलावटी नहीं बल्कि यही फ़र्ज़ी लोग बड़े बड़े सवेदनशील पदों को भी कलंकित करते दिखाई दे जाते हैं।

हमारे देश में कभी कोई फ़र्ज़ी आईएएस पकड़ा जाता हो तो कभी कोई फ़र्ज़ी आईपीएस अधिकारी बना घूमता रहता है। हद तो यह है कि अब तो देश में न केवल स्वयं को प्रधानमंत्री कार्यालय का एडिशनल डायरेक्टर बताने वाला गुजरात का एक फ़र्ज़ी व्यक्ति पकड़ा जा चुका बल्कि गत दिनों तो एक नक़ली हार्ट सर्जन तक गिरफ़्तार किया गया। देश के सुधी व जागरूक लोगों को याद होगा कि मार्च 2023 में श्रीनगर में किरण पटेल पुत्र जगदीश पटेल नाम के एक फ़र्ज़ी व्यक्ति को रंगे हाथों पकड़ा गया था। यह ठग ख़ुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का एडिशनल डायरेक्टर बताता था तथा ज़ेड प्लस सुरक्षा के साथ बुलेटप्रूफ गाड़ी पर चला करता था। जबकि ज़ेड प्लस सुरक्षा पर प्रति व्यक्ति 40 से 45 लाख रुपए महीना तक का ख़र्च होता है। ठग पटेल हमेशा फ़ाइव स्टार होटल में ही ठहरा करता था। प्रधानमंत्री कार्यालय का अधिकारी बनकर ही वह जगह-जगह की यात्राएं करता था और इसी आधार पर वह सरकारी सुख सुविधायें भी लिया करता था। ख़ुफ़िया एजेंसी के अलर्ट के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 2 मार्च 2023 को उसे गिरफ़्तार कर लिया। गिरफ़्तारी के समय उसके पास से कई फ़र्ज़ी विज़िटिंग कार्ड भी बरामद किए गए। पटेल के बारे में विस्तृत जांच से पता चला कि उसके विरुद्ध गुजरात में पहले से ही ठगी के तीन मामले दर्ज थे। उसके बावजूद उसके हौसले इतने बुलंद थे कि बाद में भी कई महीने तक यह ठग स्वयं को प्रधानमंत्री कार्यालय का उच्चाधिकारी बताकर घूमता रहा। उसके झांसे में आकर तमाम अधिकारी उसकी ख़ुशामद में लगे रहते। सुरक्षा एजेंसियों की इससे बड़ी नाकामी और क्या हो सकती है? ज़रा सोचिये कि एक तरफ़ तो जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक हैं जिन्हें ज़ेड प्लस सुरक्षा व बुलेटप्रूफ गाड़ी मिलनी चाहिये परन्तु उनकी सुरक्षा के लिये तो केवल एक निजी अधिकारी तैनात किया गया जबकि गुजरात का एक ठग यह सभी सुविधायें लेकर सुरक्षा एजेंसियों व बड़े-बड़े अधिकारियों की आँखों में धूल झोंककर घूमता रहा? पिछले दिनों ऐसा ही

एक और दिल दहलाने वाला मामला सामने आया। फ़र्ज़ी डॉक्टर तो देश में बहुत सुने गए थे परन्तु फ़र्ज़ी हार्ट सर्जन मैंने तो कभी नहीं सुना। मध्य प्रदेश के दामोह में अपना नाम एनजॉन केम बताने वाला एक व्यक्ति एक निजी ईसाई मिशनरी अस्पताल में सेवारत था। वह स्वयं को प्रसिद्ध ब्रिटिश डॉक्टर व कार्डियोलॉजिस्ट बताया करता था। जबकि जांच के बाद पता चला कि उस कथित डॉक्टर का वास्तविक नाम नरेंद्र विक्रमादित्य यादव है। यह मिशनरी अस्पताल आयुष्मान भारत योजना के तहत सरकार से पैसे भी लेता है। आश्चर्यजनक बात यह है कि इस फ़र्ज़ी व्यक्ति ने अनेक मरीज़ों की हार्ट सर्जरी तक कर डाली। परिणाम स्वरूप एक महीने में ही इसके द्वारा हार्ट सर्जरी किये गये सात मरीज़ों की मौत हो गयी। सूत्रों के अनुसार मरने वाले मरीज़ों की संख्या इससे ज़्यादा भी हो सकती है। इस का कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है कि देश में कितने फ़र्ज़ी डॉक्टर बिना योग्यता के मेडिकल प्रैक्टिस कर रहे हैं,अपना अस्पताल चला रहे हैं यहाँ तक कि मरीज़ों की शल्य चिकित्सा तक कर रहे हैं। और तो और हमारे देश में नक़ली धर्मगुरु व उपदेशक का रूप धारण किये अनेक लोग घूम रहे हैं। इनमें कुछ ऐसे हैं जिन्हें उनके भक्तगण देवता तुल्य समझते थे परन्तु जब उनका वास्तविक चरित्र उजागर हुआ तो पता चला कि वे संत नहीं बल्कि राक्षस हैं, व्यभिचारी, बलात्कारी व हत्यारे हैं। ऐसे नक़ली लोग अपने अनुयायियों को कितना बड़ा धोखा देते रहे हैं? इसी तरह देश के एक बाबा रुपी व्यक्ति ने पहले तो योग विद्या के द्वारा लोगों को स्वस्थ रखने के नाम पर जनता में अपनी पैठ बनाई। उसके बाद वही व्यक्ति अंग्रेज़ी दवाइयों व विदेशी वस्तुओं के विरुद्ध प्रवचन देकर लोगों में ग्रभक्ति जगाने लगा और स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग की वकालत करने लगा। फिर बड़े ही सुनियोजित तरीक़े से अपने धनाढ्य व्यवसायी अनुयायियों के सहयोग से वह स्वयं अपनी कम्पनी खोलकर अनेक उत्पाद स्वदेशी के नाम पर बेचने लगा। और अब इसी बहुरूपिये ने ताज़ातरीन विवाद एक ऐसे स्वदेशी आयुर्वेदिक शीतल पेय को लेकर खड़ा कर दिया है जिसकी देश ही नहीं विदेशों में भी भरपूर मांग है। परन्तु केवल अपना ब्रांड बेचने के लिये इसे साम्प्रदायिकता का ज़हर तक फैलाना पड़ा। यहाँ तक कि इसे शरबत जिहाद तक बता डाला। जबकि अनेक बार इसके अपने अनेक उत्पाद मिलावटी, नक़ली व अनउपयुक्त पाए जा चुके हैं। परन्तु सत्ता संरक्षित इस फ़र्ज़ी व चतुर व्यक्ति का कोई कुछ नहीं बिगाड़ पा रहा। परिणामस्वरूप इसे बाज़ार में कुछ भी और कैसे भी बेचने की गोया पूरी छूट मिली हुई है। यही व्यक्ति है जो 2013-14 के दौरान पूरे देश में घूम घूम कर कहा करता था कि भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आने पर पेट्रोल 35 रूपये लीटर हो जायेगा। अब तेल का दाम आसमान छू रहा है परन्तु यह स्वयंभु बहरूपिया बाबा ख़ामोश है।

आस्था

स्वास्थ्य-सौभाग्य के लिए सूर्य आराधना

इस बात की पुष्टि विज्ञान भी करता है कि पृथ्वी पर जीवन सूर्यदेव के कारण ही संभव हो पाया है। यदि भगवान श्रीसूर्य नारायण की किरणें धरती तक नहीं पहुंच पाएं तो पशु, पक्षी, वनस्पति, कीड़े-मकोड़े, मनुष्य आदि सभी के लिए अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाएगा। इसी प्रकार, सनातन धर्म में भी जीवन, स्वास्थ्य, पोषण, स्फूर्ति, सुरक्षा एवं सुख-समृद्धि प्रदाता भगवान श्रीसूर्य नारायण को ऊर्जा, शक्ति और प्रकाश का परम एवं प्रमुख स्रोत माना जाता है। हिंदू शास्त्रों में सूर्यदेव को ब्रह्माण्ड के सभी (9) ग्रहों का राजा बताया गया है। विज्ञान के अनुसार भी देखा जाए तो सौर मंडल का सबसे महत्वपूर्ण ग्रह सूर्य को ही माना जाता है। प्रायः इसीलिए सनातन धर्म में भगवान सूर्य को समर्पित अनेक व्रत, पर्व एवं त्योहार मौजूद हैं। भगवान सूर्य को समर्पित ऐसा ही एक पावन व्रत 'भानु सप्तमी' है।

गौरतलब है कि 'भानु' भगवान सूर्य का ही एक नाम है। सनातन धर्म में भानु सप्तमी के दिन भगवान श्री सूर्यनारायण का महाभिषेक तथा उनकी पूजा-आराधना करना अत्यंत शुभ माना जाता है। शास्त्रों में वर्णन है कि इस व्रत को करने वाले भक्त भगवान श्रीसूर्य नारायण की भक्ति और आराधना कर अपने तथा अपने परिवार वालों के लिए अच्छे स्वास्थ्य, सौभाग्य, सुख और समृद्धि की कामना करते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार जब भी सप्तमी तिथि रविवार को पड़ती है, तो उसे भानु सप्तमी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन व्रत रखकर श्रीसूर्य नारायण भगवान की पूजा-आराधना करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। इस दिन व्रत और पूजा करके परिवार के लिए स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि की कामना की जाती है। इस बार, सप्तमी तिथि 19 अप्रैल को शाम 06 बजकर 21 मिनट पर आरंभ हो रही है, जबकि इसका समापन 20 अप्रैल की शाम 07 बजे होगा। बता दें कि सनातन धर्म में उदया तिथि का मान होने के कारण भानु सप्तमी का व्रत 20 अप्रैल यानी रविवार को किया जाएगा। पुराणों में वर्णन मिलता है कि जब भगवान श्रीसूर्य नारायण सात घोड़े के रथ पर सवार होकर प्रकट हुए और धरती से अंधकार को दूर करने के लिए अपनी किरणें फैलाई, तो उस दिन शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि थी। इस प्रकार, सूर्यदेव के प्राकट्य के उपलक्ष्य में ही 'भानु सप्तमी' व्रत किया जाता है। भानु सप्तमी के दिन भक्त स्नानादि नित्यकर्मों से निवृत्त होने के बाद भगवान सूर्य को जल से अर्घ्य देने के बाद स्थल परिक्रमा करते है। इसके अतिरिक्त, भक्त इस दिन उपवास भी करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जो भक्त हमेशा के लिए यानी अखंड स्वस्थ जीवन चाहते हैं, वे भगवान श्रीसूर्य नारायण की प्रसन्नता हेतु 'आदित्य हृदयम्' एवं भगवान सूर्य के अन्य स्तोत्रों का पाठ करते हैं। वहीं, महिलाएं ज्ञान प्राप्ति और सद्गुणों की प्राप्ति के लिए इस व्रत को करती हैं। इस व्रत को लेकर एक विशेष मान्यता यह है कि जो भक्त सूर्योदय से पूर्व उठकर स्नान करते हैं, वे गंगा नदी में स्नान करने के बाद की पवित्रता प्राप्त करते हैं और उनकी निर्धनता समाप्त हो जाती है। इस व्रत को करने वाले भक्त यदि भगवान भास्कर की सच्चे मन से पूजा-आराधना करते हैं, तो उन्हें समस्त पापों से मुक्ति मिलती है। भानु सप्तमी व्रत को देश भर में उत्सव की तरह मनाए जाने की परंपरा रही है। इस व्रत का अनुष्ठान बड़े ही धूमधाम से किया जाता है। प्रायः महिलाएं भगवान सूर्य की किरणों का स्वागत करने के लिए अपने घरों के मुख्य द्वार के सामने रंग-बिरंगी और मनोहर रंगोलियों का निर्माण करती हैं। इन रंगोलियों के मध्य में गाय के गोबर से बने कंडे जलाए जाते हैं। इन कंडों की अग्नि पर ही एक मिट्टी के पात्र में दूध को उबाला जाता है। इस दौरान इस बात का ध्यान रखा जाता है कि दूध का पात्र सूर्याभिमुख रहे। सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार ऐसा करने से जब दूध उबलता है, तो यह आकाश में भगवान श्रीसूर्य नारायण तक पहुंचता है। तत्पश्चात भगवान भास्कर को खीर का प्रसाद अर्पित किया जाता है। इस अवसर पर ब्राह्मणों को अन्न का दान करना बहुत शुभ फलदायी माना जाता है। वैसे, भानु सप्तमी को अर्क सप्तमी, अचला सप्तमी, सूर्यरथ सप्तमी, आरोग्य सप्तमी, सूर्य सप्तमी, विवस्वत सप्तमी, व्यवहारस्वथम सप्तमी आदि नामों से भी जाना जाता है। भानु सप्तमी व्रत को करने वाले भक्तों को भगवान श्रीसूर्य नारायण को जल में लाल रंग के फूल, काले तिल, गुड़ और चावल मिला कर अर्घ्य देना चाहिए। तत्पश्चात गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि जब भगवान भास्कर को अर्घ्य दें तो पूर्वाभिमुख खड़े रहें और देखें कि गिरते हुए जल से होकर सूर्यदेव का प्रकाश अर्घ्य देने वाले व्यक्ति के शरीर पर पड़ रहा हो। एक और महत्वपूर्ण बात यह कि प्रातः श्रीसूर्य देव को अर्घ्य देते समय भक्तों को लाल रंग के कपड़े पहनने चाहिए।

अनमोल विचार

- काम करते जाओ किसी में पारंगत होने की ज़रूरत नहीं है वो समय के साथ होता चलेगा ।
- भविष्य उसका ही बेहतर होता है अपने आज पर काम करता है ।
- कोई भी परिस्थिति क्यों ना हो सामने अगर आप खुद मज़बूत हो तो आपको कोई नहीं हरा सकता ।
- हर एक दिन कुछ नया सीखने की कोशिश करो और कल से खुद को बेहतर बनाओ।
- ज़िंदगी एक लंबी दौड़ है बस जिये चलो कही रुकने की ज़रूरत नहीं हैं ।
- संसार को वही बदल सकते है जो खुद में बदलवा ला सकते है ।
- जिस तरह से आप बदलाव लाओगे खुद में उसी तरह से आपके ज़िंदगी में बदलवा आयेगे।

रोचक जानकारी

मृत्यु से बड़ा भय

एक पुरानी तिब्बती कथा है कि दो उल्लू एक वृक्ष पर आकर बैठे। एक उल्लू के मुंह में सांप था, जो उसका भोजन था। दूसरा उल्लू एक चूहा पकड़ लाया था। दोनों पास-पास बैठे। सांप ने जैसे ही चूहे को देखा, वह यह भूल गया कि वह उल्लू के मुंह में है और मृत्यु के बहुत निकट है। चूहे को देखकर उसके मुंह में पानी भर आया। उसकी इंद्रियों की तृप्ति की लालसा इतनी प्रबल थी कि उसे अपने मृत्यु-स्थिति का भी भान नहीं रहा। उधर, जैसे ही चूहे ने सांप को देखा, वह भयभीत हो गया। वह कांपने लगा—मृत्यु के मुंह में होने के बावजूद, डर उसे सांप से लग रहा था। दोनों उल्लू यह दृश्य देखकर हैरान रह गए। एक उल्लू ने दूसरे से पूछा, 'भाई, क्या तुमने यह समझा कि यह क्या हो रहा है?' दूसरे उल्लू ने उत्तर दिया, 'बिलकुल! अब समझ में आया कि रस, स्वाद और इंद्रिय-तृप्ति की इच्छा इतनी गहरी होती है कि मृत्यु सामने खड़ी हो, तब भी दिखाई नहीं देती। और यह भी समझ में आया कि भय, मृत्यु से भी बड़ा होता है।'

आज का राशिफल

मेष:अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

वृषभ:पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन: बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ समय मनोरंजन में व्यतीत होगा।

कर्क : थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा। समय अच्छा व्यतीत होगा।

सिंह:विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। कोई बड़ा कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

कन्या:उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा।

तुला:स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक : दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। व्यापार ठीक चलेगा। परिवार के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा।

धनु:आज पैसे के लेन-देन में बिलकुल भी जल्दबाजी न करें। नौकरीपेशा का समय अनुकूल है। घर में कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। व्यापार की कोई योजना आज फलीभूत होगी।

मकर:वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। तीर्थदर्शन की योजना बनेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कुंभ : मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मनोरंजन होगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है।

मीन:बुद्धि का सही प्रयोग लाभ दिला सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। किसी घरेलू समस्या का निवारण हो सकता है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों का सहयोग व साथ मिलेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे।

आज का पंचांग

15 अप्रैल को वैशाख कृष्ण पक्ष की उदया तिथि द्वितीया और मंगलवार का दिन है। द्वितीया तिथि मंगलवार सुबह 10 बजकर 56 मिनट तक रहेगी, उसके बाद तृतीया तिथि लग जाएगी। 15 अप्रैल को रात 11 बजकर 33 मिनट तक सिद्धि योग रहेगा। साथ ही मंगलवार देर रात 3 बजकर 11 मिनट तक विशाखा नक्षत्र रहेगा। इसके अलावा वैशाख का महीना प्रारंभ हो चुका है और 12 मई तक चलेगा।

15 अप्रैल 2025 का शुभ मुहूर्त

वैशाख कृष्ण पक्ष की उदया तिथि द्वितीया- 15 अप्रैल 2025 को सुबह 10 बजकर 56 मिनट तक रहेगी, उसके बाद तृतीया तिथि लग जाएगी

सिद्धि योग- 15 अप्रैल को रात 11 बजकर 33 मिनट तक

विशाखा नक्षत्र- 15 अप्रैल 2025 को देर रात 3 बजकर 11 मिनट तक

सूर्योदय-सूर्यास्त का समय

सूर्योदय- सुबह 5:55 बजे

सूर्यास्त- शाम 6:46 बजे

बेटी के लिए नहीं मिली गुड़िया तो खुद शुरू किया बनाना

हर महीने लाखों रुपये की कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया में कई कारोबार सिर्फ जरूरत की वजह से शुरू हुए। ऐसा ही कारोबार बेंगलुरु की रहने वाली वीना पीटर का है। वीना लंबे बालों वाली गुड़िया बनाती हैं। उन्होंने यह कारोबार उस समय शुरू किया जब उन्हें अपनी बेटी तारा के लिए बाजार में लंबे बालों वाली गुड़िया नहीं मिली थी। वीना बताती हैं कि मार्केट में कुछ गुड़िया थीं, लेकिन उनकी क्वालिटी बहुत खराब थी। उनके बाल जल्दी टूट जाते

थे और गुड़िया भी बीच-बीच में से टूट जाती थीं। ऐसे में उन्होंने ऐसी गुड़िया बनाना शुरू किया जिसकी न केवल क्वालिटी अच्छी हो बल्कि वे टिकाऊ भी हों। एक जुनून के जरिए अपना कारोबार शुरू करने वाली वीना आज लाखों रुपये महीने कमा रही हैं। उनके ब्रांड का नाम तारा का डॉल हाउस है।

बच्चों की सेहत का भी ध्यान- वीना ने तारा का डॉल हाउस ब्रांड की शुरुआत दिसंबर 2022 में की थी। वह इस प्रकार की गुड़िया बनाती हैं जो न केवल पर्यावरण के अनुरूप हों बल्कि बच्चों की सेहत पर भी बुरा प्रभाव न पड़े। वीना बताती हैं कि सभी गुड़िया कपड़े से बनाई जाती हैं। उनके बालों को ऊन से बनाया जाता है। गुड़िया बनाने के लिए वीना देशभर के कई विक्रेताओं से कच्चा माल मंगवाती हैं।

गुड़िया के साथ डॉल हाउस भी- वीना अपने ब्रांड के तहत पारंपरिक गुड़िया के अलावा डॉल हाउस भी बेचती हैं। डॉल हाउस लकड़ी के बने होते हैं। इसकी वजह से ये बच्चों के लिए भी इको फ्रेंडली होते हैं।

10 का दम... रसना से लेकर मदर डेयरी तक

गर्मियों में धमाल मचाने के लिए कंपनियों का प्लान?

नईदिल्ली, एजेंसी। गर्मियों का मौसम आते ही कंज्यूमर गुड्स कंपनियों ने अपनी कमर कस ली है। कंपनियां छोटे पैकेट पर बड़ा दांव लगा रही हैं। खासकर 10 रुपये वाले पैकेट पर। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक फूड कंपनियां इस कीमत में नए प्रोडक्ट और अलग-अलग तरह के सामान बाजार में ला रही हैं। वे छोटे पैकेट की मार्केटिंग और बेचने पर भी ध्यान दे रही हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है कि छोटे पैकेट की डिमांड काफी रहती है। ऐसे में कंपनियां इस मौके को भुनाना चाहती हैं।

रसना ने 10 रुपये के पाउच में फ्रूट ड्रिंक कंसंट्रेट लॉन्च किया है। इससे तीन गिलास पेय बनाया जा सकता है। कंपनी के चेयरमैन पिरुज खंबाटा ने बताया कि इससे कम आय वाले लोग महंगे ब्रांड के मुकाबले सस्ता विकल्प पा सकेंगे। वहीं मदर डेयरी ने भी छोटे पैक उतारने की तैयारी कर ली है। मदर डेयरी ने 10 रुपये के पैकेट में मैंगो लस्सी और पुदीना छाछ जैसे प्रोडक्ट शामिल किए हैं। इनके अलावा पेप्सीको ने हैदराबाद में बिना चीनी वाला पेय 10 रुपये में पेश किया है।

कंपनियों क्यों आई छोटे पैकेट पर?- 10 रुपये के पैकेट हमेशा से कंपनियों की रणनीति का अहम हिस्सा रहे हैं। इससे उन्हें कम कीमत में सामान खरीदने वाले ग्राहकों को अपनी ओर खींचने में मदद मिलती है। लेकिन अब जब महंगाई बढ़ गई है तो मिडिल क्लास के परिवारों ने अपनी मर्जी से होने वाले खर्चों में कटौती कर दी है। इसलिए कंपनियां कम कीमत वाले छोटे पैकेट पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं। रिलायंस ने कैम्पा कोला को 10 रुपये में लॉन्च करके सभी ब्रांड को अपनी रणनीति पर दोबारा सोचने पर मजबूर कर दिया है।

क्या कहना है एक्सपर्ट का?

एलारा कैपिटल के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट करण तौरानी ने कहा कि अभी माहौल थोड़ा मिला-जुला है। कंपनियां छोटे पैकेट को बढ़ावा दे रही हैं ताकि लोग बार-बार खरीदें। कैम्पा के आने के बाद 10 रुपये के पैकेट से कंपनियां मुकाबले में बनी रहेंगी। डाबर का कहना है कि 10 रुपये में मिलने वाले उसके जूस इस गर्मी में कंपनी के लिए बिक्री और बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद करेंगे। डाबर इंडिया में मार्केटिंग हेड (बेवरेज) मोनिशा पराशर ने कहा कि पेय पदार्थों के लिए 10 रुपये की कीमत भारतीय ग्राहकों को बहुत पसंद आती है। वे इसे घर से बाहर इस्तेमाल करने के लिए सबसे अच्छी कीमत मानते हैं। मदर डेयरी के मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष बंदिश ने बताया कि गर्मी जल्दी शुरू होने से उनके पेय पदार्थ, आइसक्रीम और दही की मांग में पिछले साल के मुकाबले 30-40 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, अमूल ने भी ट्रू नाम से डेयरी से बने फ्रूट ड्रिंक को 10 रुपये में (150 द्रव्य) लॉन्च करके बाजार में मुकाबला तेज कर दिया है।

अक्षय तृतीया तक एक लाख के पार पहुंच सकता है सोने का भाव

टैरिफ के कारण लगातार बनी हुई है तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। लगातार नई ऊंचाई छू रहा सोना इस साल अक्षय तृतीया तक एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच सकता है। इस समय यह 96,000 रुपये से ऊपर है। पिछले साल अक्षय तृतीया से लेकर अब तक सोने की कीमत में 32 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

विश्लेषकों का कहना है कि इस साल की शुरुआत से ही सोने में तेजी लगातार बनी हुई है। हर तीसरे दिन इसने नई ऊंचाई छुआ है। अब यह एक लाख रुपये का स्तर छूने की ओर बढ़ रहा है। मौजूदा वैश्विक हालात में यह किसी भी दिन इस मनोवैज्ञानिक स्तर को छू सकता है। शुक्रवार को सोने की कीमतों में 6,250 रुपये की बड़ी तेजी देखने को मिली थी, जिससे यह पहली बार 96,000 रुपये को पार कर गया।

दरअसल, कई देशों के बीच तनाव और अमेरिकी टैरिफ के कारण सुरक्षित मानी जाने वाली इस बहुमूल्य धातु की कीमतों में इस साल जबरदस्त तेजी दिखी है। सोना इस साल अब तक 22 फीसदी या 17,000 रुपये महंगा हो गया है। विश्लेषकों का कहना है कि अक्षय तृतीया के दिन सोना खरीदना शुभ माना जाता है। इसलिए, खुदरा कारोबारियों से लेकर खुदरा ग्राहकों में इस महीने भारी खरीदी देखी जा सकती है। ऐसे में मांग वृद्धि से कीमतें बढ़ सकती हैं। अक्षय तृतीया इस साल 30 अप्रैल को है। उसके बाद शादी-विवाह के भी शुभ मुहूर्त शुरू हो जाएंगे। ऐसे में यहां से सोने में लगातार खरीदारी का रुझान बना रहेगा। 10 मई, 2024 को अक्षय तृतीया के दिन सोने का भाव 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा था। अब यह 96,000 रुपये के पार पहुंच गया है। हाल के समय में रुपया भी डॉलर की तुलना में अच्छा खासा सुधरा है। डॉलर पर बन रहे दबाव की वजह से भी पीली धातु की कीमतों में तेजी आने की उम्मीद है।

सोने ने अपने निवेशकों को छह साल में तीन गुना से ज्यादा रिटर्न दिया है। 2019 में अक्षय तृतीया के दिन 10 ग्राम सोने का भाव 31,729 रुपये था। 2020 में यह अक्षय तृतीया के दिन 32 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 46,000 रुपये के पार पहुंच गया। 2021 में 2.5 फीसदी की तेजी के साथ 47,000 रुपये के पार तो 2022 में 6 फीसदी के उछाल के साथ पहली बार 50,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार चला गया।

निवेश मंत्रा: एफडी पर घटने लगा ब्याज, फायदा उठाने का अंतिम अवसर

नईदिल्ली, एजेंसी। आरबीआई ने दो महीने में रेपो दर में 0.50 फीसदी की कटौती कर इसे 6 फीसदी पर ला दिया है। फरवरी में जब रेपो दर 0.25 फीसदी घटी थी, तब अधिकतर बैंकों ने न तो लोन पर ब्याज दर कम किया और न ही एफडी पर। इसका कारण यह था कि बैंकों के पास तरलता की भारी दिक्कत थी, जिसके कारण वे ज्यादा ब्याज दर के कारण जमाकर्ताओं को लुभाने का काम कर रहे थे। हालांकि, अप्रैल में जब फिर से रेपो दर 0.25 फीसदी घटी तो बैंकों ने अगले ही दिन से कर्ज और जमा पर दरें घटानी शुरू कर दी। इसका कारण यह है कि आरबीआई ने पिछले कुछ महीनों में बैंकिंग प्रणाली में 7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम विभिन्न माध्यमों से डाली है।

तरलता बढ़ने से बैंकों ने दरें घटानी शुरू की- जब प्रणाली में अच्छी खासी तरलता आ गई है तो बैंक आगे भी एफडी पर ब्याज दरें घटाना जारी रखेंगे। आरबीआई अभी भी बैंकों में पैसा डालने के लिए तैयार है और 17 अप्रैल को 40,000 करोड़ रुपये बैंकों में डालेगा। हालांकि, हाल के समय में बैंकों की कर्ज की रफ्तार भी कम हो गई है। इससे ज्यादा जमा की जरूरत भी नहीं है। जिस तरह से आरबीआई ने अपने रुख को तटस्थ से बदलकर उदार अपनाया है, उससे आगे भी रेपो दर में कटौती होगी। जून और अगस्त में दो बार में 0.50 फीसदी कटौती की उम्मीद है। इससे बैंक फिर से जमा और कर्ज पर ब्याज दरें घटाएंगे, जिससे एफडी पर आपको कम फायदा मिलेगा।

जीटीआरआई की रिपोर्ट में दावा

अमेरिका पर चीन की सख्ती सुनहरा मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन से कम मूल्य वाले ई-कॉमर्स आयात पर अमेरिकी सख्ती बरतने से भारतीय ऑनलाइन निर्यातकों के लिए बड़े अवसर खुल गए हैं। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने रविवार को यह बात कही। संस्थान ने कहा कि एक लाख से अधिक ई-कॉमर्स विक्रेताओं और पांच अरब डॉलर के मौजूदा निर्यात के साथ भारत, विशेष रूप से हस्तशिल्प, फैशन और घरेलू सामान जैसे छोटे उत्पादों के क्षेत्र में चीन की अनुपस्थिति को भरने की अच्छी स्थिति में है।

चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान, अन्य देशों के लिए द्वार खुलने की उम्मीद-संस्थान ने यह भी कहा कि अगर लालफीताशाही कम हो जाए और सरकार समय पर समर्थन प्रदान करे तो भारतीय ई-कॉमर्स विक्रेता इस कमी को पूरा कर सकते हैं। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिका में दो मई से 800 डॉलर से कम कीमत वाले चीनी और हांगकांग ई-कॉमर्स निर्यात पर 120 प्रतिशत का भारी आयात शुल्क लगेगा, जिससे उनका शुल्क-मुक्त प्रवेश समाप्त हो जाएगा। इस कदम से चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान उत्पन्न होने और अन्य देशों के लिए द्वार खुलने की उम्मीद है।

आरबीआई के नियम- 25 प्रतिशत का अंतर रखने की अनुमति-चीनी फर्म शीन और टेमू इस क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हैं। श्रीवास्तव ने कहा, भारत की मौजूदा व्यापार प्रणाली अभी भी बड़े, पारंपरिक निर्यातकों के लिए है, न कि छोटे ऑनलाइन विक्रेताओं के लिए।

सावधान! रोबोट अब फैक्ट्री में ही नहीं, घर तक में घुस आए हैं

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी है बेंगलुरु। यह शहर भारत का सिलिकॉन वैली कहलाता है। इस शहर में आईटी इंडस्ट्री से जुड़े अधिकतर कामगार हैं, इसलिए यहां लोगों को पगार अच्छी मिलती है। पगार अच्छी है तो लाइफस्टाइल भी महंगी है। मकान किराया तो ज्यादा है ही, घरों में काम करने वाली मेड या बाई भी महंगी मिलती है। इसलिए बेंगलुरु के लोग अब धीरे-धीरे बिना मेड के रहने का विकल्प चुन रहे हैं। खाना बनाने, झाड़ू-पोछा करने के लिए वे मेड के बदले रोबोट का इस्तेमाल करने लगे हैं।

कुक की जगह किचन रोबोट

हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक घरों में रोबोट रखने का चलन बेंगलुरु में बढ़ता ही जा रहा है। अब हेब्बल में रहने वाली 35 साल की मनीषा रॉय को ही देखिए, उन्होंने सात महीने पहले अपने कुक की जगह एक किचन रोबोट को रख लिया। उनका कहना है कि अब वो पहले से ज्यादा आराम में हैं। रोबोट के आने के बाद से उनका बाहर खाना भी कम हो गया है। उनके पति नवीन और उनकी ढाई साल की बेटी नक्षत्र को रोबोट से बना पोहा, पाव भाजी और राजमा चावल बहुत पसंद है।

क्या-क्या काम करता है रोबोट- मनीषा बताती हैं, मेरा किचन रोबोट काट सकता है, भून सकता है, तल सकता है, चला सकता है, भाप दे सकता है और आटा भी गूंथ सकता है। इस ऑटोमैटिक मशीन में पहले से ही कई रेसिपी डाली हुई हैं। बस आपको बताए गए तरीके को फॉलो करना है, जरूरी चीजें डालनी हैं और सेटिंग चुननी है। इसके बाद मशीन अपने आप बाकी का काम कर लेती है। मनीषा रोबोट को मोबाइल ऐप से चलाती हैं। ऐप में सारे इंस्ट्रक्शन एक के बाद एक आते हैं। वो कहती हैं, मैं बस पैनल पर दिखाई देने वाली चीजें डाल देती हूं, रेसिपी के हिसाब से। मुझे तो ये भी देखने की जरूरत नहीं होती कि रोबोट सब्जियां काट रहा है या तल रहा है।

हो गई है आसानी- रोबोट की वजह से वो खाना बनाते वक्त दूसरे काम भी कर पाती हैं। मनीषा कहती हैं, पहले जब मैं खुद खाना बनाती थी, तो अगर कपड़े वगैरह फोल्ड करने लगती थी, तो खाना जल जाता था। अब मैं दूसरे काम भी कर लेती हूं, क्योंकि मुझे पता है कि खाना जलेगा नहीं।

क्यों बढ़ रही है रोबोट पर निर्भरता- टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक, आजकल घर में काम करने वाले लोग मिलना मुश्किल हो गया है। उनकी सैलरी भी बढ़ती जा रही है और उन्हें मैनेज करना भी एक झंझट है। इसलिए बहुत से लोग अब दूसरे ऑप्शन देख रहे हैं। ऑटोमैटिक मशीनें और रोबोट अब कमाल कर रहे हैं। ये मशीनें घर के काम जैसे फर्श की सफाई, खाना बनाना और बर्तन धोना जैसे काम कर रही हैं।

एक घर में दो रोबोट- बेंगलुरु की आर्किटेक्ट मीरा वासुदेव झाड़ू-पोछा के लिए दो तरह के रोबोट इस्तेमाल करती हैं। वो कहती हैं, हमारे पास एक वायरलेस वैक्यूम क्लीनर भी है। और खाना मैं खुद बनाती हूं। मीरा पिछले 18 महीनों से बिना मेड के रह रही हैं। उनका एक रोबोट ऊपर की धूल साफ करता है और कालीन पर भी चल सकता है। ये इधर-उधर पड़े सामान और फर्नीचर के नीचे से भी निकल जाता है और काम खत्म होने पर अपने आप चार्जिंग डॉक पर चला जाता है। हालांकि, मीरा का कहना है कि ये मोटे कालीन पर ठीक से काम नहीं करता। दूसरा रोबोट फर्श पर पोछा लगाता है। इसमें पानी का एक टैंक होता है जो फर्श पर पानी छोड़ता है और साथ में लगा कपड़ा पोछा लगाता है।

अमेरिका संग टैरिफ विवाद के बीच चीन के निर्यात में 12.4 प्रतिशत की वृद्धि

आयात में गिरावट आई

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन के निर्यात में मार्च में एक साल पहले की तुलना में 12.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कंपनियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से लगाए गए टैरिफ में वृद्धि से बचने के लिए निर्यात में जोर लगाया है, जिससे यह तेजी देखी गई। चीन की सरकार ने सोमवार को इसका एलान किया। चीन के सीमा शुल्क विभाग ने बताया कि आयात में 4.3 प्रतिशत की गिरावट आई।

बयान के अनुसार, विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से निर्यात वर्ष के पहले तीन महीनों में एक वर्ष पहले की तुलना में 5.8 प्रतिशत बढ़ा, जबकि आयात में 7 प्रतिशत की गिरावट आई। मार्च में चीन का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष 27.6 बिलियन डॉलर रहा, जबकि इसके निर्यात में 4.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष की पहली तिमाही में अमेरिका के साथ चीन का व्यापार अधिशेष 76.6 अरब डॉलर रहा।

ट्रम्प की व्यापार नीतियों में हालिया संशोधनों के अनुसार, चीन को अमेरिका को किए जाने वाले अधिकांश निर्यातों पर 145 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, निर्यात में सबसे अधिक वृद्धि चीन के दक्षिण-पूर्वी एशियाई पड़ोसियों को हुई, जहां मार्च में चीन से निर्यात में एक साल पहले की तुलना में लगभग 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अफ्रीका को निर्यात में 11 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग सोमवार को क्षेत्रीय दौरे के तहत वियतनाम की यात्रा पर जा रहे हैं, जहां वे मलेशिया और कंबोडिया भी जाएंगे, जिससे उन्हें अन्य एशियाई देशों के साथ व्यापार संबंधों को मजबूत करने का अवसर मिलेगा, जो संभावित रूप से भारी टैरिफ का सामना कर रहे हैं, हालांकि पिछले सप्ताह ट्रम्प ने उन्हें लागू करने में 90 दिनों की देरी की थी। पिछले महीने वियतनाम को चीन का निर्यात एक वर्ष पहले की तुलना में लगभग 17 प्रतिशत बढ़ा, जबकि इसका आयात 2.7 प्रतिशत गिरा। सीमा शुल्क प्रशासन के प्रवक्ता ल्यू डालियांग ने कहा कि चीन एक जटिल और गंभीर बाहरी स्थिति का सामना कर रहा है, लेकिन आसमान नहीं गिरेगा। उन्होंने चीन के विविध निर्यात विकल्पों और विशाल घरेलू बाजार की ओर इशारा किया। जब उनसे चीनी आयात में गिरावट के बारे में पूछा गया तो उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि चीन लगातार 16 वर्षों से विश्व का दूसरा सबसे बड़ा आयातक रहा है, और वैश्विक आयात में उसका हिस्सा लगभग 8 प्रतिशत से बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गया।

शंकर शर्मा के ट्वीट से मचा बवाल, मेक इन इंडिया की पोल खोल कर रख दी

मुंबई। जाने-माने निवेशक शंकर शर्मा का नाम आपने सुना ही होगा। वह जीक्वांट और फर्स्ट ग्लोबल के संस्थापक हैं। उन्होंने पिछले दिनों मुंबई की एक झुग्गी बस्ती का दौरा किया था। वहां उन्होंने एक छोटी सी वर्कशॉप देखी। उस वर्कशॉप में जिम के कुछ उपकरण बन रहे थे। उन उपकरणों की क्वालिटी और फिनिश काफी अच्छी दिख रही थी। ऐसा लग रहा था कि उन्हें खास तौर पर बनाया गया है। शर्मा को लगा कि भारत में अब मैन्युफैक्चरिंग का काम तेजी से बढ़ने वाला है। उन्होंने सोचा कि अब भारत भी चीजें बनाने में आगे बढ़ेगा। लेकिन, वह मुगालते में थे। उनका यह सोचना ज्यादा देर तक नहीं टिका। शर्मा ने सोशल मीडिया 𝕏 पर लिखा, मैंने उस आदमी से पूछा, क्या तुम सच में यह सब बना सकते हो? शर्मा ने आगे लिखा, उसने जवाब दिया- सर, मैं चीन से इम्पोर्ट करता हूं और यहां पर उसे बस जोड़ता या असेंबल करता हूं। चीन की क्वालिटी, फिनिश और लुक का कोई मुकाबला नहीं है।

मेक इन इंडिया की हकीकत!- उस आदमी के जवाब ने शर्मा को भारत में मेक इन इंडिया की हकीकत दिखा दी। भारत में मैन्युफैक्चरिंग को लेकर जो बातें हो रही थीं, वह सब उस जवाब से फीकी पड़ गई। शर्मा ने कहा, यह कल की सच्ची कहानी है। बहुत से लोगों के लिए यह आज की भी कहानी है। ऊपर से देखने पर सब ठीक लगता है, लेकिन सच यह है कि हम अभी भी इम्पोर्ट पर निर्भर हैं।

लोगों ने दी अपनी राय- शंकर शर्मा की इस बात पर बहुत से लोगों ने अपनी राय दी। बहुत से लोगों ने अपनी परेशानी बताई। मेक इन इंडिया और चाइना+1 जैसे नारों के बावजूद, लोगों का कहना है कि असलियत में ज्यादा कुछ नहीं बदला है। एक यूजर ने जवाब दिया, मुझे लगता है कि दुनिया को चीन के प्रति अपना रवैया बदलने की जरूरत है। हमें यह मान लेना चाहिए कि चीन ने सबको हरा दिया है।

चीन जैसी क्वालिटी बना ही नहीं सकते- एक और यूजर ने लिखा, हम रोजमर्रा की चीजें भी चीन जैसी क्वालिटी की नहीं बना सकते। नेल कटर की बात करें, लगेज या बाथरूम में वजन मापने की मशीन। कार और इलेक्ट्रॉनिक्स तो बहुत दूर की बात है। यह निराशा बहुत गहरी है।

आईपीएल 2025:

कमबैक हो तो ऐसा!

मैच हारी दिल्ली, पर दिल जीत गए करुण नायर

नई दिल्ली, एजेंसी। करुण नायर... टीम इंडिया को वो क्रिकेटर जिसने कभी इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक जड़कर सुर्खियां बटोरी थीं. करुण हालांकि उस तिहरे शतक के बाद अपनी चमक खो बैठे और इंटरनेशनल क्रिकेट से आउट हो गए. बाद में खराब फॉर्म की वजह से करुण को कर्नाटक की रणजी टीम और इंडियन प्रीमियर लीग से भी बाहर का रास्ता दिखाया गया.

कहते हैं कि सब दिन एक समान नहीं होता है.... करुण नायर एक बार फिर अपने पुराने दिनों में लौट आए हैं और बल्ले से धमाल मचा रहे... करुण ने पहले हालिया घरेलू सीजन में रनों का अंबार लगाया और अब इंडियन प्रीमियर में लीग में जबरदस्त वापसी की है. ऐसी वापसी, जिसे देखकर फैन्स भी दंग रहे.

करुण नायर लगभग 3 साल बाद बाद आईपीएल मैच खेलने उतरे, वो भी दिल्ली कैपिटल्सकी ओर से मुंबई इंडियंस के विरुद्ध. करुण को शुरुआती इलेवन में मौका नहीं मिला था, लेकिन जब दिल्ली ने रनचेज के दौरान पहली ही गेंद पर विकेट खो दिया, तो करुण को बतौर इम्पैक्ट सब बैटिंग के लिए भेजा गया. दिल्ली टीम मैनेजमेंट का ये फैसला सही साबित हुआ. करुण आते ही ताबड़तोड़ शॉट्स लगाकर रनों की बौछार करने लगे.

करुण नायर ने देखते ही देखते सिर्फ 22 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी कर ली. ये फिफ्टी उन्होंने पावरप्ले में ही पूरी कर ली. यह आईपीएल में लगभग सात साल बाद उनकी पहली फिफ्टी रही. करुण ने इस दौरान यॉर्कर किंग जसप्रीत बुमराह को भी नहीं बख्शा. छठे ओवर में तो करुण ने बुमराह के खिलाफ 18 रन बटोरे.

किसी आईपीएल मैच में बुमराह के एक ओवर में ये भारतीय बल्लेबाज के सबसे ज्यादा रन रहे.

आईपीएल में एक ओवर में बुमराह के खिलाफ सबसे ज्यादा रन

26- पैट कमिंस (कोलकाता नाइट राइडर्स), 2022

20- ड्वेन ब्रावो (चेन्नई सुपर किंग्स), 2018

18- करुण नायर (दिल्ली कैपिटल्स), 2025*

17- फाफ डु प्लेसिस (चेन्नई सुपर किंग्स), 2021

पावरप्ले में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सर्वाधिक रन

78 (24)- जेक फ्रेजर-मैकगर्क- मुंबई इंडियंस, 2024

50 (20)- जेक फ्रेजर-मैकगर्क - राजस्थान रॉयल्स, 2024

50 (22)- करुण नायर -मुंबई इंडियंस, 2025*

करुण नायर जब तक क्रीज पर थे, तब तक दिल्ली की टीम रनचेज में काफी आगे थी. उसका स्कोर एक समय 11.3 ओवर में दो विकेट पर 135 रन था. ऐसा लग रहा था कि करुण अपने आईपीएल करियर का पहला शतक भी बना सकते हैं. लेकिन मिचेल सेंटनर के उस ओवर की अगली गेंद पर ही करुण बोल्ड हो गए. करुण ने सिर्फ 40 गेंदों का सामना किया और 89 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने 12 चौके और 5 छक्के जड़े. करुण का ये आईपीएल में सबसे बड़ा स्कोर भी रहा. करुण नायर के आउट होने के बाद दिल्ली की टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई.

दिल्ली 206 रनों के टारगेट को चेज करने से थोड़ी दूर रह गई और उसका स्कोर 193 तक ही जा पाया. 19वें ओवर में लगातार तीन रन आउट के चलते भी दिल्ली का गेम बिगड़ा. दिल्ली मैच हार गई. लेकिन करुण की ये इनिंग्स लंबे समय तक याद रखी जाएगी.

देखा जाए तो अरसे बाद आईपीएल में बुमराह की किसी बल्लेबाज ने इतनी धुनाई की. बुमराह के खिलाफ करुण नायर ने 9 गेंदें खेलीं और 26 रन बनाए, जिसमें दो छक्के और तीन चौके शामिल रहे. आईपीएल के किसी एक मैच में बुमराह के विरुद्ध किसी भारतीय खिलाड़ी के ये दूसरे सर्वाधिक रन रहे. इस मामले में शिखर धवन पहले नंबर पर हैं, जिन्होंने 2016 के सीजन में इस गेंदबाज के खिलाफ 16 बॉल पर 27 रन बनाए थे.

आईपीएल 2025: धीमी ओवर रेट के लिए कप्तान अक्षर पटेल पर लगा

12 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के एक मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ धीमे ओवर रेट के कारण दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। यह मुकाबला अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया, जहां दिल्ली कैपिटल्स को रोमांचक मुकाबले में 12 रनों से हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल की ओर से जारी बयान के अनुसार, अक्षर पटेल को आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। इस अनुच्छेद के अंतर्गत धीमी ओवर गति बनाए रखने पर पहली बार अपराध के लिए कप्तान पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाता है।

आईपीएल के बयान में कहा गया, चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अंतर्गत उनकी टीम का इस सत्र में पहला अपराध था, इसलिए पटेल पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। अक्षर पटेल इस सत्र में धीमी ओवर गति के लिए दंडित होने वाले एकमात्र कप्तान नहीं हैं। मुंबई इंडियंस के हार्दिक पांड्या, लखनऊ सुपरजायंट्स के ऋषभ पंत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के रजत पाटीदार पर भी इसी तरह के अपराध के लिए जुर्माना लगाया जा चुका है। मैच की बात करें तो मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 205/5 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स 19 ओवर में 193 रन पर ऑलआउट हो गई। करुण नायर ने 40 गेंदों पर शानदार 89 रनों की पारी खेली, लेकिन उनके प्रयास को बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका। मुंबई इंडियंस के कर्ण शर्मा ने अहम समय पर तीन विकेट चटकाए और मैच का रुख पलट दिया। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स की पारी में एक ओवर में तीन रन आउट भी देखने को मिले, जिसने मुकाबले को और रोमांचक बना दिया।

आखिरी ओवरों में आशुतोष शर्मा और विपराज निगम ने अपनी अच्छी पारियों से दिल्ली को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन मुंबई की शानदार फील्डिंग, अनुशासित गेंदबाजी और 13वें ओवर के बाद गेंद बदले जाने से दिल्ली कैपिटल्स लक्ष्य को नहीं पा सकी। हार के बाद कप्तान अक्षर पटेल ने कहा, हमारे पास मैच था, लेकिन कुछ सॉफ्ट डिसमिसल और खराब शॉट्स ने हमें नुकसान पहुंचाया। आप हर बार निचले क्रम के बल्लेबाजों पर निर्भर नहीं रह सकते। ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है, बस ऐसा एक दिन था। मैं पहले हाफ के बाद काफी संतुष्ट था। शुरुआत में गेंद रुक रही थी, लेकिन बाद में स्थिति बेहतर हुई और ओस ने हमारी मदद की। उन्होंने आगे कहा, हमारे तीन में से दो स्पिनर पावरप्ले और डेथ ओवरों में भी गेंदबाजी कर सकते हैं। कुलदीप यादव अविश्वसनीय गेंदबाजी कर रहे हैं।

14 साल के वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल डेब्यू कराने की तैयारी में राजस्थान रॉयल्स?

नई दिल्ली, एजेंसी। 13 साल के थे जब राजस्थान रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपये में वैभव सूर्यवंशी को खरीदकर खुद से जोड़ा था. अब हाल ही में 14वां जन्मदिन मनाने के बाद वो दिन दूर नहीं जब वैभव सूर्यवंशी का आईपीएल डेब्यू होता दिखेगा. वैभव सूर्यवंशी अपने आईपीएल डेब्यू के लिए कमर कसकर तैयार हैं. जोफ्रा आर्चर के खिलाफ किया उनका शक्ति प्रदर्शन उसी का प्रमाण है. हालांकि, आईपीएल में उनका डेब्यू पूरी तरह से राजस्थान रॉयल्स टीम के मैनेजमेंट का फैसला रहने वाला है.

जोफ्रा आर्चर की गेंदों को वैभव सूर्यवंशी ने नहीं बख्शा

अब राजस्थान की मैनेजमेंट टीम की खस्ती हालत के बीच क्या निर्णय लेती है, वो तो वक्त पर पता चल ही जाएगा, लेकिन, उससे पहले जोफ्रा आर्चर की गेंदों को एक के बाद एक ठिकाने लगाते हुए वैभव सूर्यवंशी को जिसने भी देखा, वो बस उनका कायल होता दिखा. वैभव और जोफ्रा के बीच हुए आमना-सामना का ये वीडियो इंस्टाग्राम पर राजस्थान रॉयल्स ने शेयर किया है.

8 में से 6 गेंदों को लगाया ठिकाने!

वीडियो में आप देख सकते हैं 14 साल के वैभव सूर्यवंशी कितनी दिलेरी से जोफ्रा आर्चर की गेंदों का सामना कर रहे हैं. वो उनकी कुल 8 गेंदें खेलते हैं और उतने में ही आर्चर को लाचार और बेबस सा महसूस करा देते हैं. जोफ्रा आर्चर अपनी सिर्फ 2 गेंदों पर ही वैभव को बीट कर पाते हैं. उसके अलावा बाकी 6 गेंदों को वैभव ठिकाने लगा देते हैं.

6 गेंदों पर ठोके थे 27 रन

ये कोई पहली बार नहीं जब वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स के नेट्स पर ऐसी धमाकेदार बैटिंग का ट्रेलर दिखाया है. इससे पहले की एक प्रैक्टिस में उन्होंने एक ही ओवर में 27 रन ठोक दिए थे, जिसमें 3 छक्के शामिल रहे थे.

टीम की हालत खराब, क्या वैभव के लिए बनेगी जगह अब?

आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स का हाल ज्यादा अच्छा है नहीं. टीम ने 6 में से सिर्फ 2 मैच ही जीते हैं. मतलब 4 हारे हैं और वो 10 टीमों के दंगल में 8वें नंबर पर हैं. इसके लिए टीम के बैटिंग क्रम पर सवाल उठ रहे हैं, जिसके बाद बड़ा एक्शन उठाने का वक्त आ गया है.

RCB के ड्रेसिंग रूम में गायब हुआ विराट का बल्ला

जयपुर, एजेंसी। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए आईपीएल मैच में विराट कोहली काफी छाए रहे. राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ वह अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए एक बड़े मैच विनर साबित हुए. हालांकि, मुकाबले के बाद विराट के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ड्रेसिंग रूम में ऐसा कुछ हुआ, जिसे वह चौंक गए. दरअसल, मुकाबले के बाद कोहली को अपना किट पैक करते समय पता चला कि उनका एक बल्ला गायब हो गया है. इस घटना का वीडियो आरसीबी की टीम ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है.

दरअसल, विराट कोहली अपने साथ 7 बल्ले लेकर जयपुर आए थे लेकिन मुकाबले के बाद किट पैक करते समय उनके पास 6 बल्ले ही थे. हालांकि, उनका ये बल्ला चोरी नहीं हुआ था. बल्कि विराट के साथी खिलाड़ी टिम डेविड ने उनके साथ एक प्रैंक किया. टिम डेविड ने पहले ही विराट का एक बल्ला खुद के किटबैग में छिपा लिया था. आरसीबी ने सोशल मीडिया पर जो वीडियो शेयर किया है उसमें कोहली किट पैक करते हुए परेशान नजर आए. वीडियो में वह करते है कि उनका सातवां बल्ला कहीं दिख नहीं रहा. बाद में एक साथी खिलाड़ी की मदद से विराट कोहली को पता चलता है कि उनका बल्ला टिम डेविड के बैग में है.

रोबॉट वाला कुत्ता करेगा आईपीएल में नौकरी!

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग लगातार टेक्नोलॉजी में उन्नति कर रही है. अब आईपीएल की ब्रॉडकास्ट टीम में एक नया सदस्य जुड़ गया है. आईपीएल के सोशल मीडिया अकाउंट

के माध्यम से यह जानकारी दी गई है कि अब एक रोबॉटिक कुत्ता भी ब्रॉडकास्ट टीम का हिस्सा होगा. सामने आए वीडियो में न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर और अब अपनी कमेंट्री के लिए मशहूर डैनी मॉरिसन ने पुष्टि करके बताया कि यह रोबॉटिक डॉग अब आईपीएल की ब्रॉडकास्ट टीम के लिए मैच को रिकॉर्ड करेगा. यह रोबॉटिक डॉग कई स्पेशल फीचरों से लैस है और ब्रॉडकास्टिंग के लिए कैमरा फिट किए गए हैं. इस रोबॉट को डैनी मॉरिसन की बात मानते हुए भी देखा गया. इस डॉग को खिलाड़ियों से हाथ मिलाते देखा गया और यहां तक कि दो टांगों पर खड़े होकर उसने रीस टॉप्ली को चौंका दिया.

अल्कारेज बने मोंटे कार्लो मास्टर्स के विजेता

- मुसेटी को हराया
- करियर का 10वां बड़ा खिताब जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। 21 साल के अल्कारेज ने फॉर्म में वापसी करते हुए अपना छठा मास्टर्स 1000 खिताब जीता। चार ग्रैंडस्लैम जीतने वाले अल्कारेज का यह 10वां बड़ा खिताब है।

स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए इटली के लौरेंजो मुसेटी को 3-6, 6-1, 6-0 से हराकर मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट का अपना पहला खिताब हासिल किया। पिछले साल विंबलडन जीतने के बाद यह स्पेनिश खिलाड़ी की पहली

बड़ी जीत है। मार्च में वह मियामी में शुरुआती दौर में बाहर हो गए। इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में हार गए थे। 21 साल के इस युवा खिलाड़ी ने फॉर्म में वापसी करते हुए अपना छठा मास्टर्स 1000 खिताब जीता। चार ग्रैंडस्लैम जीतने वाले अल्कारेज का यह 10वां बड़ा खिताब है।

एटीपी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर आना तय

मुसेटी ने दो बार ब्रेक प्वाइंट लिया और अल्कारेज की 11 बेजा गलतियों का फायदा उठाकर पहला सेट जीत लिया, लेकिन उसके बाद अल्कारेज ने दूसरे सेट में लय हासिल कर ली और दो ब्रेक प्वाइंट लेने के बाद पांच गेम लगातार जीतते हुए दूसरा सेट जीतकर बराबरी कर ली। अल्कारेज की अथक गति, संतुलन और शक्ति के आगे मुसेटी परेशान नजर आए। तीसरे सेट में मामला एकतरफा था। स्पेनिश खिलाड़ी ने 3-0 की बढ़त बना ली। इटली के मुसेटी ने मेडिकल टाइमआउट को लेकर जांघ का उपचार कराया। उसके बाद अल्कारेज ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस जीत से अल्कारेज का एटीपी रैंकिंग में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हटाकर दूसरे स्थान पर आना तय हो गया है।

23वें टूर फाइनल में पहुंचे थे अल्कारेज

अल्कारेज ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने सेमीफाइनल में हमवतन एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अल्कारेज अपने 23वें टूर फाइनल में पहुंचे थे। फ्रेंच ओपन और पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद यह अल्कारेज का लगातार तीसरा क्ले कोर्ट फाइनल था।

अफ़ग़ान महिला क्रिकेटरों के लिए आईसीसी का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अफ़ग़ानिस्तान की विस्थापित महिला क्रिकेट खिलाड़ियों की सहायता के लिए एक विशेष टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की है।

यह कदम महिला खिलाड़ियों को उनके खेल और व्यक्तिगत विकास में मदद देने के उद्देश्य से उठाया गया है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर इस पहल की जानकारी साझा करते हुए लिखा, मुझे आईसीसी की ओर से यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हमने बीसीसीआई, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के साथ मिलकर एक ऐतिहासिक पहल की है। इस पहल के तहत हम अफ़ग़ान महिला क्रिकेटरों को उनके क्रिकेट और विकास की यात्रा में सहायता प्रदान करेंगे। आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी बयान

में बताया गया कि यह टास्क फोर्स न सिर्फ आर्थिक सहायता देगा, बल्कि खिलाड़ियों को कोचिंग, प्रशिक्षण सुविधाएं और व्यक्तिगत मार्गदर्शन भी मुहैया कराएगा।

इस उद्देश्य के लिए आईसीसी एक विशेष फंड बनाएगा, जो सीधे तौर पर इन खिलाड़ियों को आर्थिक सहयोग प्रदान करेगा, ताकि वे क्रिकेट खेलना जारी रख सकें और उन्हें आवश्यक संसाधन उपलब्ध हो सकें। आईसीसी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस टास्क फोर्स के ज़रिए इन खिलाड़ियों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं, कोचिंग प्रोग्राम और मानसिक रूप से मज़बूत बनने के लिए परामर्श सेवा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

गौरतलब है कि अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान शासन के बाद महिला खिलाड़ियों की गतिविधियों पर गंभीर असर पड़ा है, और अधिकतर महिला क्रिकेटर्स को देश छोड़ना पड़ा है।

आर्चरी वर्ल्ड कप: तीरंदाजी विश्व कप में धीरज ने व्यक्तिगत कांस्य जीता, पुरुष टीम को रजत पदक

ऑबर्नडेल (अमेरिका), एजेंसी। भारत ने इस तरह से इस प्रतियोगिता में चार पदक जीते। भारत के अभियान में अभिषेक वर्मा पदक से चूक गए और कंपाउंड पुरुष व्यक्तिगत वर्ग में चौथे स्थान पर रहे। भारत ने रविवार को तीरंदाजी विश्व कप चरण एक में अपना अभियान चार पदकों के साथ समाप्त किया, जिसमें पुरुष रिकर्व टीम स्पर्धा में एक रजत और व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में धीरज बोम्मदेवरा का कांस्य पदक शामिल है। सेना के 23 वर्षीय तीरंदाज धीरज ने कांस्य पदक के लिए खेले गए मैच में जीत हासिल करने के लिए असाधारण धैर्य और संयम दिखाया। उन्होंने 2-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्पेन के एंड्रेस टेमिनो मेडिएल को पांच सेट के तनावपूर्ण मुकाबले में 6-4 से हराया। धीरज इससे पहले सेमीफाइनल में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता जर्मनी के फ्लोरियन उनरुह से 1-7 से हार गए थे। इससे पहले दिन में धीरज अनुभवी तरूणदीप राय और अतनु दास के साथ उस भारतीय तिकड़ी का भी हिस्सा थे, जिसने टीम स्पर्धा के फाइनल में चीन से 1-5 से हारने के बाद रजत पदक जीता था। भारत ने इस तरह से इस प्रतियोगिता में चार पदक जीते।

हिमाचल के चंद ने 59 किलोग्राम वर्ग में जीता स्वर्ण

शिमला, एजेंसी। राष्ट्रीय स्तरीय बीच ग्रैपलिंग कुश्ती प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश के चंद ने 59 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता,

जबकि हरियाणा के कुलदीप को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हैनॉल्ट स्कूल में चल रही राष्ट्रीय स्तरीय बीच ग्रैपलिंग कुश्ती प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने दमदार प्रदर्शन किया।

कुल 16 विजेता खिलाड़ियों के नाम सामने आए हैं, जिन्होंने विभिन्न वजन वर्गों में पदक जीते। हिमाचल प्रदेश के चंद ने 59 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि हरियाणा के कुलदीप को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

ऊंगली उठाने से पहले शिअद को खुद पर उठ रहे सवालों के जवाब देने चाहिए : जाखड़

चंडीगढ़, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने रविवार को शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की आलोचना करते हुए कहा कि ऊंगली उठाने से पहले शिअद को खुद पर उठ रहे सवालों के जवाब देने चाहिए। जाखड़ की यह टिप्पणी शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल के उस दावे के एक दिन बाद आयी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पार्टी और उनके नेतृत्व को समाप्त करने के लिए ''साजिश रची गई।'' बादल ने यह भी दावा किया था कि 2020 में राजग से शिअद के बाहर जाने के बाद यह साजिश शुरू हुई थी। सुखबीर को हाल ही में फिर से पार्टी का अध्यक्ष चुना गया है। भाजपा के खिलाफ लगाये गये शिअद के आरोपों को खारिज करते हुये जाखड़ ने अपनी पार्टी के पूर्व सहयोगी को अपनी कमियों ढूंढने के लिए कहा। उन्होंने कहा, ''ऊंगली उठाने से पहले शिअद को खुद पर उठ रहे सवालों के जवाब देने चाहिए। इसके बाद ही उन्हें दूसरों की आलोचना करना चाहिए।'' सुखबीर को एक बार फिर शनिवार को शिअद का अध्यक्ष चुना गया। 62 वर्षीय पूर्व उप मुख्यमंत्री को पहली बार 2008 में पार्टी अध्यक्ष चुना गया था। जाखड़ ने अकाली दल पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने सिखों की शीर्ष धार्मिक संस्था अकाल तख्त के अधिकार को कमतर किया है, जिससे पंजाबियों की भावनाएं आहत हुयी हैं।

अनुच्छेद 370 की बहाली तक कोई भी आरोप मुझे चुप नहीं करा पाएगा: एनसी सांसद

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की सत्तारूढ़ पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद आगा रूहुल्लाह मेहदी ने रविवार को कहा कि अनुच्छेद 370 की बहाली तक कोई भी आरोप या मामला उन्हें चुप नहीं करा पाएगा. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने भूमि मुआवजा धोखाधड़ी के मामले में मेहदी और उनके पांच करीबी रिश्तेदारों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है. 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से मुखर रहे श्रीनगर के सांसद रूहुल्लाह ने कहा कि उनके और उनके रिश्तेदारों के खिलाफ दायर आरोपपत्र अनुच्छेद 370 की बहाली, अल्पसंख्यकों और मुस्लिम अधिकारों और वक्फ अधिनियम जैसे मुद्दों के बारे में बोलने के बारे में उन्हें चुप कराने का एक बचकाना प्रयास है. बडगाम में अपने आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि आरोप और निराधार आरोपपत्र एसीबी जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग करके सरकार द्वारा उन्हें डराने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है. उन्होंने कहा, मैं चुप नहीं रहूंगा और न ही डरूंगा. मैं उस दिन चुप हो जाऊंगा, जब अनुच्छेद 370 बहाल हो जाएगा, मुसलमानों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार बंद हो जाएंगे और जम्मू-कश्मीर के संवैधानिक अधिकार बहाल हो जाएंगे. जम्मू-कश्मीर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रूहुल्लाह, उनके पांच करीबी चाचाओं और चचेरे भाइयों और 16 अन्य सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों और बडगाम और बेमिना के भूमि मालिकों के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया, जिसमें उन पर 38.20 लाख रुपये के भूमि मुआवजे में धोखाधड़ी करने और राजस्व रिकॉर्ड से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया गया. सरकार ने 2010 में श्रीनगर के डल झील निवासियों को बडगाम जिले के राख-ए-एर्थ में पुनर्वासित किया था और मुआवजे के बदले में आगा परिवार से जमीन का कब्जा सरकार ने ले लिया था. एसीबी ने अपने बयान में कहा कि आगा ने अधिक मुआवजे पाने के लिए ली गई जमीन से अधिक जमीन दिखाई. आरोपपत्र में इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए रूहुल्लाह ने कहा कि उनके दादा आगा सैयद मुस्तफा के पास राख-ए-एर्थ में 90 कनाल जमीन थी।

फैसले कड़वे जरूर पर भविष्य में ये आंवले की तरह मीठे साबित होंगे: सीएम सुक्खू

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कड़े लेकिन जरूरी फैसले लेने की बात कही है। उन्होंने कहा कि ये फैसले भले ही अभी कड़वे लग रहे हों,लेकिन भविष्य में ये आंवले की तरह मीठे साबित होंगे। रविवार को शिमला स्थित सचिवालय में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार प्रदेश के हितों से समझौता नहीं करेगी। हाइड्रो प्रोजेक्ट्स को जीवन भर के लिए कंपनियों को सौंपा नहीं जा सकता।

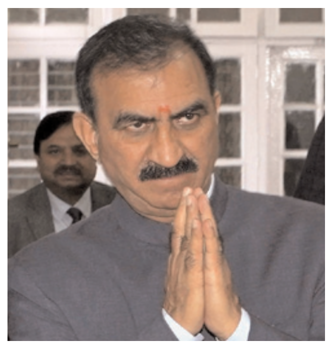

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जल्द ही डुग्गर और बैरासोल जल विद्युत परियोजनाओं को टेकओवर करने जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के संसाधनों पर हिमाचल का पहला अधिकार है और इन्हें केवल राजस्व के लिए निजी हाथों में नहीं सौंपा जा सकता। यह कदम राज्य की आर्थिक संप्रभुता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगी।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने शिक्षा क्षेत्र में हुए बदलावों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बीते दो वर्षों में उनकी सरकार ने शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी सुधार किए हैं। पिछली भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उस दौरान हजारों स्कूल खोले गए,लेकिन उनमें न शिक्षक हैं और न ही विद्यार्थी। मौजूदा सरकार इन स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में कार्य कर रही है।

मिड डे मील योजना की पूर्व सरकार के कार्यकाल की स्थिति पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मिड डे मील के तहत बच्चों को पुराना खाना मिल रहा है और अब इसमें सुधार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था में सुधार की शुरुआत राज्य के राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूलों से की जाएगी। बच्चों को पौष्टिक और ताजा भोजन सुनिश्चित करने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार की जा रही है।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने रविवार को प्रदेश के 70 शिक्षकों को सिंगापुर के शैक्षणिक दौरे के लिए रवाना किया। यह दौरा हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में नवाचार और वैश्विक अनुभव के उद्देश्य से उठाए गए कदमों की एक अहम कड़ी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि हिमाचल को वर्ष 2032 तक देश का सबसे बेहतर शिक्षा राज्य बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने सिंगापुर की प्रतिष्ठित प्रिंसिपल्स अकादमी के साथ एक ऐतिहासिक समझौता किया है। इसके तहत शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण मिलेगा। इससे न केवल शिक्षकों के ज्ञान और कौशल में वृद्धि होगी, बल्कि शिक्षा प्रणाली में भी व्यापक सुधार होंगे। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इसका सीधा लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा और प्रदेश की शिक्षा प्रणाली और अधिक समावेशी,प्रभावी और आधुनिक बन सकेगी।

सुक्खू ने कहा कि भ्रमण और अनुभव से व्यक्ति का दृष्टिकोण व्यापक होता है। उन्होंने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में पिछले दो वर्षों में शुरू की गई बदलाव की प्रक्रिया के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। हाल ही में जारी असर रिपोर्ट (जनवरी, 2025) में हिमाचल के विद्यार्थियों का शैक्षणिक स्तर देश में सर्वश्रेष्ठ आंका गया है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि प्रदेश के स्कूल पाठ्यक्रम में बदलाव लाया जाए और सामान्य ज्ञान जैसे विषयों को भी शामिल किया जाए। सरकार ऐसी शिक्षा नीति पर काम कर रही है जो छात्रों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करे।

गुरुग्राम में बादशाहपुर नाले के नीचे से गुजरेगी नमो भारत ट्रेन

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम में नमो भारत ट्रेन दिल्ली-जयपुर हाईवे पर हीरो होंडा चौक के पास से निकल रहे बादशाहपुर बरसाती नाले के नीचे से गुजरेगी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने इस सिलसिले में गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) से इस बरसाती नाले से जुड़ी जानकारियां हासिल की हैं।

इस बरसाती नाले की गहराई करीब पांच मीटर है। ऐसे में नमो भारत को भूमिगत निकालने के लिए करीब सात मीटर गहराई में टनल का निर्माण करना होगा। जीएमडीए के एक अधिकारी ने बताया कि गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड स्थित गांव घाटा से बादशाहपुर नाला निकलता है। ये बरसाती नाला गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड से होते हुए खांडसा में आकर मिलता है। गांव खांडसा से यह बरसाती नाला सेक्टर-37सी और डी होता हुआ गांव बसई की तरफ चला जाता है। ऐसे में बरसाती नाले से जुड़ी सारी जानकारी एनसीआरटीसी को उपलब्ध करवा दी है। एनसीआरटीसी की मौजूदा योजना के तहत हीरो होंडा चौक पर भूमिगत स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। हीरो कंपनी के समीप हरित क्षेत्र में इस स्टेशन के निर्माण की योजना है। करीब 94 पेड़ों को काटना पड़ेगा। नमो भारत ट्रेन योजना को हरियाणा सरकार ने मंजूरी प्रदान कर दी है। अभी केंद्र सरकार की मंजूरी नहीं मिली है। दिल्ली के सराय काले खां से लेकर धारूहेड़ा तक नमो भारत को चलाने की योजना है।

अब विदेशी चखेंगे ओडिशा के कालाहांडी केले का स्वाद, किसानों में उत्साह, युवाओं को मिल रहा रोजगार

कालाहांडी , एजेंसी। कला संस्कृति और परंपरा के लिए देश-विदेश में मशहूर कालाहांडी अब कृषि क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बना चुका है. धान, कपास और आम की खेती वाले जिले को अलग पहचान दिलाने वाले कालाहांडी केले ने अब दुबई में भी अपनी अलग पहचान बना ली है. विदेशों में यहां के केले की मांग ने किसानों का उत्साह बढ़ा दिया है. कालाहांडी की जीवन रेखा बन चुका इंद्रावती जलाशय धान की खेती करने वाले किसानों के लिए ईश्वर का वरदान है. अब यह केले की खेती करने वाले किसानों के लिए भी वरदान बन गया है. जिले के कलामपुर प्रखंड के जामपाड़ा के अधिकांश किसान अब केले की खेती में रुचि दिखा रहे हैं.

केले की खेती से सिर्फ किसान ही नहीं, बल्कि क्षेत्र के युवा भी लाभान्वित हो रहे हैं. स्थानीय स्तर पर काम नहीं मिलने के कारण रोजगार के अवसर की तलाश में वे दूसरे राज्यों में जाते थे. लेकिन अब कालाहांडी में केले की खेती की बदौलत उन्हें यहीं रोजगार मिल रहा है.

किसान शिवानंद साहू के केले के बगीचे में काम करने वाले मजदूर सीताकांत बेमल ने बताया, पहले हम काम करने के लिए बाहर जाते थे, लेकिन अब केले के बगीचे में काम कर मिलने वाले पैसों से अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं. हमें समय पर वेतन भी मिल रहा है.

जूनागढ़ प्रखंड के करचाला गांव और कलामपुर प्रखंड के जामपाड़ा गांव के किसान स्मृति रंजन मुंड, नीलमणि लाहजल, नारायण साहू, शिवानंद साहू और अन्य केले की खेती कर रहे हैं. वे बागवानी विभाग और त्रिलोकेश्वर फार्म प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की मदद से केले की खेती कर रहे हैं. उन्होंने त्रिलोकेश्वर फार्म प्रोड्यूसर कंपनी के सहयोग से केले के पौधे लाकर खेती शुरू की. अब यह केला विदेश में चर्चा का विषय बन गया.

आकाश करा पाएंगे बसपा के अच्छे दिनों की वापसी? भतीजे को लेकर मायावती ने बदली रणनीति

लखनऊ, एजेंसी।
मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने चुनौतियों से जूझ रही बसपा प्रमुख से माफी मांगकर जहां वापसी करने के संकेत दिए हैं। वहीं पार्टी में नई ऊर्जा की आस जगाई है। उन्होंने यह साफ किया है कि वह रिश्तों-नातों से ऊपर उठकर पार्टी की सेवा करेंगे और बुआ का ही कहना मानेंगे। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क?या आकाश आनंद बसपा के अच?छे दिनों की वापसी करा पाएंगे? और भतीजे को लेकर मायावती ने एक बार फिर अपनी रणनीति क?यों बदली है? राजनीतिक जानकार आकाश के इस कदम को बसपा के घटते रहे जनाधार के बीच नई ऊर्जा के रूप में देख रहे हैं। आकाश की वापसी पार्टी के लिए कितनी लाभकारी होगा यह वक्त बताएगा, लेकिन चंद्रशेखर आजाद की चुनौती के बीच आकाश एक तेज-तर्रार युवा चेहरे के रूप में पार्टी में जोश भरें तो हैरत नहीं।

बसपा में मौजूदा समय मायावती के अलावा पार्टी में दूसरा कोई बड़ा दलित चेहरा नहीं है। सतीश चंद्र मिश्र हैं, तो जरूर लेकिन वह दलितों के बीच सर्वमान्य नहीं हैं। आकाश के बाहर जाने से पार्टी को नुकसान ही था। मायावती ने अकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर पार्टी से दलित युवाओं को बांधे रखने की कोशिश की थी।

बसपा के लिए मौजूदा समय चंद्रशेखर आजाद सबसे बड़ी चुनौती हैं। दलित युवाओं में उनकी खासी पैठ है। खासकर पश्चिमी यूपी में जाटव बिरादरी के युवाओं में। आकाश भी जाटव बिरादरी के युवा नेता हैं। राजनीतिक जानकार करते हैं कि मायावती भी यह समझती हैं कि आकाश के न रहने से पार्टी को नुकसान होगा। जाटव बिरादरी के वोट को बांधे रखने के लिए आकाश ही सहारा हैं। उनके साथ रहने से ही पार्टी का भला है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने 16 अप्रैल को प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक बुलाई है। इसमें प्रदेश पदाधिकारियों के साथ जोनल प्रभारी, जिलाध्यक्ष और बामसेफ के लोगों को बुलाया गया है। माना जा रहा है कि मायावती आकाश को लेकर कुछ संकेत पार्टी के लोगों को इस मौके पर दे सकती हैं।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि आकाश आनंद के आने से फायदा होगा। मायावती के बाद वह दूसरा सबसे बड़ा चेहरा होंगे। जाटव के साथ अन्य दलित बिरादरी के लोगों को बांधे रखने में मदद करेंगे। मैदान में उतर कर चंद्रशेखर आजाद के साथ ही भाजपा, सपा कांग्रेस को चुनौती देकर बसपा का पक्ष मजबूत कर सकेंगे। आकाश के पार्टी में आने से ससुर अशोक सिद्धार्थ के साथ जाकर दूसरी पार्टी बनाने की संभावना भी क्षीण होगी। आने वाले विधानसभा में वह मैदान में उतर कर मेहनत करेंगे तो स्वाभाविक है कि पार्टी को ही फायदा मिलेगा।

आकाश आनंद ने मांगी थी माफीः आकाश आनंद ने पोस्ट किया था कि बीएसपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश की चार बार रही मुख्यमंत्री और लोकसभा व राज्यसभा की भी कई बार सांसद रहीं मायावती को मैं अपना दिल से एकमात्र राजनीतिक गुरु और आदर्श मानता हूं.

हिमाचल में 16 से बदलेगा मौसम, आंधी-बारिश और ओलों की चेतावनी

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश में मौसम 16 अप्रैल से करवट लेने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने आगामी एक सप्ताह के मौसम का पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया है कि 16 अप्रैल से पश्चिमी विक्षोभ फिर से सक्रिय होगा। इससे कई क्षेत्रों में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के अनुसार 14 और 15 अप्रैल को प्रदेश में मौसम पूरी तरह शुष्क रहेगा। इस दौरान कहीं भी बारिश या तूफान की आशंका नहीं है और तापमान में भी बढ़ोतरी देखी जा सकती है। इन दो दिनों तक किसानों को राहत रहेगी और फसलों की कटाई व अन्य कृषि कार्यों में कोई बाधा नहीं आएगी। लेकिन 16 अप्रैल को पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में बदलाव की शुरुआत होगी। इस दिन कुछ स्थानों पर आंधी और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। हालांकि,

व्यापक स्तर पर बारिश की उम्मीद नहीं है, लेकिन आंशिक बादल छाए रह सकते हैं।

विभाग के अनुसार 17 अप्रैल को भी हालात लगभग इसी तरह बने रहेंगे। प्रदेश के कुछ इलाकों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है। इन दो दिनों को लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

18 अप्रैल से मौसम का प्रभाव और अधिक व्यापक हो जाएगा। मौसम विभाग के अनुसार इस दिन आंधी-तूफान और बिजली गिरने के साथ कुछ क्षेत्रों में तेज ओलावृष्टि की भी आशंका है। खासकर पर्वतीय इलाकों और मैदानी क्षेत्रों में फसलों, फलों व सब्जियों को नुकसान पहुंच सकता है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे मौसम की चेतावनियों को ध्यान में रखते हुए कटाई व अन्य कार्य सावधानीपूर्वक करें।

19 अप्रैल को भी यही स्थिति बनी रहेगी। इस दिन भी आंधी, बिजली गिरने और ओलावृष्टि की संभावना बनी हुई है। विभाग ने 18 व 19 अप्रैल के लिए येलो अलर्ट के साथ ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है और लोगों से सतर्क रहने को कहा गया है। तेज हवाएं चलने के कारण पेड़ गिरने और बिजली की आपूर्ति बाधित होने जैसी घटनाएं भी हो सकती हैं। 20 अप्रैल को मौसम में थोड़ा सुधार देखने को मिल सकता है, लेकिन आंशिक रूप से बादल छाए रहने और कुछ स्थानों पर आंधी व बिजली गिरने की संभावना बनी रहेगी।

वर्क फ्रॉम होम का झांसा देकर ठग लिए 11 लाख, गाजियाबाद में महिला से साइबर फ्रॉड

गाजियाबाद , एजेंसी।
साइबर अपराधियों ने घर बैठे कमाई का झांसा देकर महिला से सवा 11 लाख रुपये ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। इंदिरापुरम की शिप्रा सनसिटी सोसाइटी में रहने वाली रागिनी सिसोदिया का कहना है कि 14 मार्च 2025 को टेलीग्राम पर शालिनी मिश्रा का मैसेज आया। उसने उनके सामने घर बैठे कमाने का प्रस्ताव रखा। उसने कहा कि उन्हें गूगल पर होटलों को रेटिंग देनी होगी और इसके बदले में उन्हें पैसे मिलेंगे। शालिनी मिश्रा के बाद उनके पास माया गुप्ता का मैसेज आया।

उसने एक वेबसाइट बताते हुए कहा कि उन्हें इसी वेबसाइट पर काम करना है। होटल को रेटिंग देने के बदले में पहले दिन उन्हें 700 रुपये मिले। इसके बाद 21 मार्च 2025 को साढ़े आठ हजार और 22 मार्च को 36 हजार रुपये मिले। इसके बाद आरोपियों ने उन्हें एक व्हाट्सऐप ग्रुप में शामिल किया और मोटा पैसा कमाने के लिए प्रीपेड टास्क पूरे करने के लिए कहा। रागिनी सिसोदिया के मुताबिक ये ऑनलाइन कार्य पैसा निवेश करने के बाद मिलने थे। इस दौरान उनका संपर्क भव्या तिवारी नाम की युवती से हुआ, जिसने उनके साथ एक दोस्त की तरह व्यवहार करने का नाटक किया। ग्रुप में जुड़े हुए लोग पैसा निवेश करने के बाद मिले मुनाफे के स्क्रीनशॉट साझा कर रहे थे। इस तरह जालसाजों ने उन्हें जाल में फंसाकर सवा 11 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए।

सिलक्यारा सुरंग खुदाई कार्य पूरा होने के उपलक्ष्य में 16 अप्रैल को समारोह की तैयारी

उत्तरकाशी, एजेंसी। उत्तराखंड का उत्तरकाशी जिला प्रशासन सिलक्यारा सुरंग की खुदाई कार्य पूरा होने और मुहाने पर नवनिर्मित मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में बुधवार को एक समारोह आयोजित करने की तैयारी कर रहा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

सिलक्यारा सुरंग के निर्माण के दौरान 2023 में एक हिस्सा ढह गया था और उसमें 41 मजदूर फंस गए थे। इन मजदूरों को 17 दिनों तक बड़े पैमाने पर चले बचाव अभियान के बाद आखिरकार सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। अधिकारी के मुताबिक सुरंग के एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचने के लिए केवल दो मीटर की खुदाई और बची है। सुरंग का एक छोर सिलक्यारा मोड़ पर और दूसरा बरकोट पर स्थित है।

उत्तरकाशी के जिलाधिकारी मेहरबान सिंह बिष्ट ने संवाददाताओं को बताया कि सुरंग का आखिरी हिस्सा खोदने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा, ''सुरंग के बाहर बाबा बौखनाग को समर्पित मंदिर का निर्माण भी पूरा हो गया है। हमने स्थानीय पुजारियों से बात की है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ तो सुरंग का निर्माण और मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एक ही दिन 16 अप्रैल को हो सकती है।''

बॉडी मसाज के नाम पर 'गंदे खेल का खुलासा, लड़की संग अश्लील फोटो

नोएडा , एजेंसी।
नोएडा पुलिस ने बॉडी मसाज और अतिरिक्त शुल्क में स्पेशल सर्विस देने के नाम पर लड़की के साथ फोटो खींचकर उगाही करने वाले गैंग का रविवार को पर्दाफाश किया। पुलिस ने गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एक महिला फरार है, जिसकी तलाश में एक टीम संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस को आरोपियों के कब्जे से पांच मोबाइल फोन बरामद हुए हैं।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि बीते दिनों दो लोगों ने पुलिस को शिकायत दी कि बॉडी मसाज के नाम पर उनके साथ फर्जीवाड़ा हुआ है। मसाज देने वाली युवती के साथ चुपके से आपत्तिजनक फोटो खिंची गई। इसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर रकम की मांग की जा रही है। मामला संज्ञान में आते ही फेज तीन थाना प्रभारी की अगुवाई में एक टीम गठित की गई। टीम ने रविवार को आगरा निवासी शिवम शर्मा और रोहित कुमार और हरियाणा निवासी राजन उर्फ राजू को दबोच लिया। तीनों आरोपियों ने ऑनलाइन जस्ट

डॉयल ऐप पर रॉयल मसाज थेरेपी के नाम से लिस्टिंग किया था। इसमें सेक्टर-70 का पता दिया गया था। मसाज की बुकिंग मिलते ही आरोपी ग्राहक के बताए लोकेशन पर लड़की को भेज देते थे। शिवम और रोहित कॉलिंग का काम करते थे, जबकि राजन उर्फ राजू टैक्सी चलाता था। मसाज के लिए लड़की बुक होने पर शिवम और रोहित कॉलर को फोन कर अच्छी सुविधा और मसाज कराने का वादा करते थे। राजन बुक की गई लड़की को ग्राहक तक ले जाया करता था। जहां गैंग लड़की के साथ फोटो खींचकर ग्राहक को डरा-धमकाकर उगाही करते थे। ये लोग ब्लैकमेल कर आरोपी से 15 से 20 हजार की वसूली करते थे और उसके बाद नंबर बदल लेते थे। यह गैंग एक साल से चल रहा था। इनके पास से उगाही के लिए इस्तेमाल किए गए पांच मोबाइल फोन बरामद हुए।

आरोपी ग्राहक को मसाज के लिए तीन विकल्प देते थे। पहला होटल, दूसरा ग्राहक की पसंद का कोई गोपनीय स्थान और तीसरा घर पर। आरोपी शुरुआती दोनों विकल्पों के फायदे ग्राहकों को गिनाते थे, ताकि लड़की को मसाज देने घर पर न जाना पड़े। मसाज के नाम पर लोगों के साथ ठगी करने वाले आरोपियों के पास से बरामद मोबाइल के बारे में जानकारी जुटा गई तो उसमें हाल के दिनों में लाखों का ट्रांजेक्शन होने का मामला सामने आया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सैयद अहमर हसनैन द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन , 55- बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक - सैयद अहमर हसनैन R.N.I.No-UPHIN/2008/27122 - Ph : 0522-4048974, Email : news@group5.in समाचार पत्र के समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

बिहार सरकार का छात्रों को बड़ा तोहफा

95 हजार लड़के-लड़कियों को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ देने की तैयारी

पटना, एजेंसी। बिहार में इस वित्तीय वर्ष (2025-26) में राज्य के 95 हजार नये विद्यार्थियों को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत लोन देने की तैयारी है। इसको लेकर नये लक्ष्य तय करने पर मंथन किया जा रहा है, जिसपर शीघ्र ही फैसला लिया जाएगा। राज्य सरकार ने इस वित्तीय वर्ष के लिए एक हजार करोड़ का प्रावधान अपने बजट में किया है।

पिछले वित्तीय वर्ष (2024-25) में स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत 85 हजार विद्यार्थियों को लोन देने का लक्ष्य रखा गया था। शिक्षा विभाग के पदाधिकारी बताते हैं कि इस लक्ष्य में दस हजार की बढ़ोतरी करने पर विचार किया जा रहा है। पिछले वर्ष लक्ष्य के विरुद्ध 94 प्रतिशत विद्यार्थियों को लोन स्वीकृत हुए। राज्यभर से पिछले साल 84 हजार 155 आवेदन आये, जिनमें 80 हजार विद्यार्थियों के लोन की स्वीकृति दी गई। इन विद्यार्थियों को 1715 करोड़ के लोन वितरित किये गये हैं। चालू वित्तीय वर्ष में इसे बढ़ाने पर फोकस है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सात निश्चय योजना के तहत छात्र छात्राओं को क्रेडिट कार्ड का लाभ दिया जा रहा है।

सबसे अधिक पटना के छात्रों को लाभ

सबसे अधिक पटना जिले में 6618 विद्यार्थियों के लोन स्वीकृत हुए है, जो लक्ष्य का 126 प्रतिशत है। लक्ष्य का सर्वाधिक 137 प्रतिशत विद्यार्थियों को लोन वैशाली जिले में दिये गये हैं। वैशाली जिले के लिए 2642 लक्ष्य के विरुद्ध 3631 छात्र-छात्राओं के लोन स्वीकृति हुए हैं। इन दोनों के अलावा बेगूरसराय, बक्सर, जहानाबाद, कैमूर, मुजफ्फरपुर, नालंदा, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, समस्तीपुर, शेखपुरा और सुपौल जिले में लक्ष्य का सौ प्रतिशत विद्यार्थियों के लोन स्वीकृति किये गये हैं।

उच्च शिक्षा के लिए दिया जाता है लोन

इस योजना के तहत शुरू से अब-तक तीन लाख 59 हजार 424 विद्यार्थियों को उच्च शिक्षक ग्रहण करने के लिए लोन दिये गये हैं। इन विद्यार्थियों के बीच कुल 6943 करोड़ के लोन राज्य शिक्षा वित्त निगम के माध्यम से वितरित किये गये हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त करने में पैसे की कमी रोड़ा नहीं बने, इसी मकसद से राज्य सरकार अपने कोष से लोन देती है।

मशरूम की खेती कर हर महीने कमा रही 25 हजार

पहली कमाई से खरीदी बाइक

पति भी मजदूरी छोड़ दे रहे साथ

बगहा /बेतिया, एजेंसी।

बगहा के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व से सटे नौरंगिया दोन गांव की एक महिला ने मेहनत और लगन से सफलता की नई मिसाल कायम की है। दरअसल निर्मला देवी ने अपने छोटे से छोपड़ी नुमा घर में मशरूम की खेती शुरू करने वाली निर्मला आज लखपति बनने की राह पर हैं। निर्मला ने कुछ साल पहले मशरूम उत्पादन की तकनीक सीखी। देसी जुगाड़ से घर में ही इसका उत्पादन शुरू किया। मशरूम बेचकर हर महीने 20 से 25 हजार रुपए की कमाई कर रही हैं। पहली कमाई से उन्होंने एक बाइक खरीदी।

पहले निर्मला के पति बाहर मजदूरी करते थे। अब वे भी मशरूम की खेती में जुट गए हैं। पति-पत्नी मिलकर उत्पादन और बिक्री का काम संभाल रहे हैं। स्थानीय बाजार में निर्मला के मशरूम की गुणवत्ता इतनी अच्छी है कि ग्राहक खुद उनके घर आकर खरीदते हैं। अब वे आस-पास के इलाकों में भी बिक्री कर रही हैं।

सालाना 2.5 से 3 लाख रुपए कमा रही

मशरूम के साथ निर्मला सिक्की घास से पारंपरिक हस्तशिल्प उत्पाद भी बनाती हैं। टोकरी, डिब्बे और सजावटी सामान बनाने का उनका हुनर अतिरिक्त आमदनी का जरिया बन गया है। दोनों काम मिलाकर वे सालाना 2.5 से 3 लाख रुपए कमा रही हैं। निर्मला की सफलता गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन चुकी है। उन्होंने साबित कर दिया है कि सीमित संसाधनों में भी सही दिशा में मेहनत करने से आत्मनिर्भरता का सपना साकार किया जा सकता है।

टिम्बर हाउस में लगी आग से 1 करोड़ का नुकसान

40 लोगों को रेस्क्यू किया गया

10 घर चपेट में आए फायर ब्रिगेड की 30 गाड़ियां पहुंची थी

पटना, एजेंसी। पटना में गांधी मैदान थाना क्षेत्र के पीरमुहानी के पास रविवार की देर रात विश्वकर्मा टिम्बर में आग लग गई। 1:30 में इसकी सूचना फायर कंट्रोल को मिली। इस आगजनी में करीब 1 करोड़ की लकड़ी का नुकसान हुआ है। 10 घर चपेट में आ गए थे। इसमें फंसे 40 लोगों को अग्निशमन के कर्मियों ने रेस्क्यू किया है। अग्निशमन पदाधिकारी मनोज नट ने भीषण अग्निकांड की जांच के लिए कमेटी बनाने की अनुशंसा की है। जांच रिपोर्ट के बाद कार्रवाई भी हो सकती है। पिछले 9 घंटे से कर्मियों ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया है। पूरी रात कर्मी सोए नहीं हैं। जो भी छुट्टी में थे, उन्हें भी बुला लिया गया। आग कैसे लगी थी, अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

पास में घनी आबादी

पिछले 9 घंटे तक लगी आग के चलते आस पास के लोग भी दहशत में आ गए थे। टिम्बर हाउस से सटे घर और मार्केट है। पूरे इलाके में घनी आबादी है। इससे पहले भी यहां भीषण आग लगी थी। इसमें दम घुटने से एक कर्मी की मौत हो गई थी।

फायर ब्रिगेड की करीब 30 गाड़ियां मौजूद

फायर ब्रिगेड के पदाधिकारी अजित कुमार ने बताया कि मौके पर फायर ब्रिगेड की करीब 30 गाड़ियां मौजूद है। देर रात से फायर के लगभग 150 कर्मी काम कर रहे हैं। करीब 5 लाख लीटर से अधिक पानी भी खर्च हो चुका है। कंकड़बाग, लोदीपुर, पटना सिटी, सचिवालय और अन्य जगहों की भी गाड़ियों को बुलानी पड़ी है। देर रात से ही अग्निशमन के कर्मी सोए नहीं हैं। पूरी तरह से मुस्तैद हैं। टिम्बर हाउस के मालिक पीड़ित विजय के भाई नागेंद्र प्रसाद शर्मा ने बताया कि बेशकीमती सागवान की लकड़ी थी। करीब एक करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। हमलोग घर पर थे, इसी बीच रात को स्थानीय लोगों ने घर पर आकर बताया कि टिम्बर के पिछले हिस्से में आग लग गई है। वहां पहुंचने के बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई।

नवविवाहिता की हत्या मामले में पति और सास गिरफ्तार

शादी के बाद ससुराल वालों ने किया था डिमांड, महिला के गले पर मिला था निशान

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के कसाप गांव में रविवार की सुबह एक विवाहिता की गला दबाकर हत्या कर दी गई। मृतका 21 वर्षीय सरिता कुमारी उदवंतनगर थाना क्षेत्र के कसाप गांव वार्ड नंबर छह निवासी मनीष सिंह की पत्नी थी।मृतक के गले पर वी आकर का निशान पाया गया है। मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों पर दहेज की मांग को लेकर हत्या करने का आरोप लगाया हैं। जिसे लेकर मृतका के पिता ने पति, सास और ससुर के विरुद्ध प्राथमिकी कराई है। पुलिस ने आरोपित सास कलावती देवी और पति मनीष को गिरफ्तार कर लिया है।

शादी के बाद दहेज के लिए करते थे प्रताड़ित: संदेश थाना क्षेत्र के बिछियांव गांव निवासी शिव शंकर सिंह की पुत्री सरिता की शादी 14 मई 2024 कओ उदवंतनगर थाना क्षेत्र के कसाप गांव वार्ड नंबर छह निवासी रमेश सिंह के पुत्र मनीष

सिंह से लेनदेन के साथ और पूरे हिंदू रीति-रिवाज के साथ हुई थी। मृतका के भाई मनोज कुमार ने बताया कि शादी के चार माह बाद से ही ससुराल वालों ने दहेज में चार पहिया गाड़ी की मांग की जाने लगी थी। जिसके बाद उसके मायके वालों ने असमर्थता जताई थी। इस बात को लेकर ससुराल वालों प्रताड़ित किया जाता था और मारपीट भी की जाती थी। जिसको लेकर वह दो बार अपने ससुराल से भाग कर अपने मायके बिछियांव चली आई थी। जिसके बाद पंचायती कर उसे वापस ससुराल ले आए थे। इस बीच रविवार की सुबह स्थानीय ग्रामीण ने फोन कर उन्हें सूचना दी गई कि आपकी बहन के साथ अनहोनी हुई है। सूचना पर मृतका के मायके वाले ससुराल पहुंचे तो उन्होंने देखा कि वह मृत अवस्था में बरामदे में पड़ी है। ससुराल के अन्य लोग फरार है। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। मृतका के भाई मनोज कुमार ने पति मनीष सिंह, ससुर रमेश सिंह और सास कलावती देवी पर दहेज में कार की मांग को लेकर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

समस्तीपुर में रामजानकी मंदिर से अष्टधातु की मूर्तियों की लूट

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र स्थित भुसवर ठाकुरबाड़ी के रामजानकी मंदिर से 3 बदमाशों ने पिस्टल के बल पर अष्टधातु से निर्मित राम, सीता और लक्ष्मण की लगभग एक फीट ऊंची मूर्तियां, चांदी का मुकुट और सोने-चांदी की मटर माला लूट ली। घटना करीब सुबह 3 बजे की है। मंदिर में सो रहे पुजारी राम कैलाश दास को बदमाशों ने अचानक थप्पड़ मारते हुए जगाया और कान में पिस्टल सटाकर मंदिर की चाबी मांगी। पुजारी के विरोध करने पर जबरन चाबी छीनकर मंदिर का दरवाजा खोलकर मूर्तियों की लूट कर ली। पुजारी के शोर मचाने पर गांव के लोग जुटे लेकिन तब तक चोर फरार हो गए। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मुखिया शिवदानी प्रसाद सिंह समेत अन्य सदस्यों ने बताया कि मूर्तियों और जेवरात की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपए है। यह मूर्तियां सौ वर्षों से मंदिर में थीं, जिन्हें दो वर्ष पहले भव्य मंदिर निर्माण के बाद दोबारा स्थापित किया गया था। बताया गया है कि यह पहली बार नहीं है जब विभूतिपुर इलाके की ठाकुरबाड़ी में चोरी हुई हो। पूर्व में भी आलमपुर कोदरिया, नरहन और महथी बड़ी की ठाकुरबाड़ियों से अष्टधातु की मूर्तियां चुराई जा चुकी हैं। कुछ मामलों में तो चोरों ने विरोध करने पर सेवक की हत्या भी कर दी थी।

पीजी सत्रों में हुई गड़बड़ी ठीक करे विवि: छात्र राजद

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर, वरीय संवाददाता। छात्र राजद जिलाध्यक्ष अविनाश कुमार उर्फ राजा बाबू ने कहा कि बीआरएबीयू में छात्र संघ चुनाव की तारीख की घोषणा जल्द होनी चाहिए। इसके अभाव में छात्र हित का काम नहीं हो पा रहा है। उन्होंने विवि प्रेस को पुनः चालू करने और पीजी सत्रों में हुई गड़बड़ी को दूर करने और पैट-2023 के आवेदन के लिए पोर्टल अविलंब खोलने की मांग कुलपति से की है। जूरन छपरा स्थित पार्टी कार्यालय में रविवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि विवि की गतिविधियां ठीक नहीं हुई तो छात्र राजद आन्दोलन को विवश होगा। विवि अध्यक्ष हैदर निजामी ने कहा कि अपना प्रेस होते हुए भी विवि सारा काम निजी प्रिंटिंग प्रेस से करवा रहा है। मौके पर अजीत कुमार, दीपू, चंदन यदुवंशी, केशव किशोर, सूरज सिंह, मो.अमीर, वारिश अली, विकेश कुमार, सुबोध कुमार, विक्रम कुमार, आशीष कुमार, प्रकाश कश्यप, उज्वल झा व अन्य थे।

तंत्र-मंत्र का भय दिखाकर 2 लाख के जेवर की ठगी: चंदा मांगने आया था युवक

1 घंटे तक पूजा करवाई; वीडियो बनाने पर धमकी

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में तंत्र-मंत्र का भय दिखाकर 2 लाख का जेवर लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। पूरा मामला जिले के गढ़पुरा थाना क्षेत्र के धरमपुर वार्ड नंबर-दो का है। जहां यज्ञ का चंदा मांगने आए युवकों ने पहले महिला को उसके बारे में कुछ बातें बताकर भरोसा दिलाया, जिसके बाद मौका मिलते ही उसके गहने लेकर फरार हो गए। पीड़ित महिला धरमपुर निवासी रंजना कुमारी है। जिसने बताया कि रविवार की दोपहर एक बाइक पर सवार तीन युवक दरवाजे पर पहुंचा और सहरसा जिले के कारू बाबा स्थान में यज्ञ होने की बात कह कर बैठ गया। जिसके बाद बैठे युवकों ने 1 घंटे तक घर में पूजा करवाया और प्रसाद बांटने की बात कहकर सभी फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, ठगों ने महिला के घर में 1 घंटे तक पूजा करवाई और लोगों में प्रसाद बांटने को कहा। इस दौरान मौजूद लोगों ने वीडियो बनाया तो उसके फोन को तोड़ने की धमकी देते हुए वीडियो डिलीट करवा दिया।

पीड़िता बोली- काल का साया कहकर करवाया पूजा फिर गहने लेकर फरार : रंजना कुमारी ने बताया कि यज्ञ के नाम पर चंदा लेने के बात कहकर तीनों लड़के मेरे दरवाजे पर बैठे। उनके बैठते ही हमलोग घर से बाहर आये तो एक युवक ने कहा कि तुम चार भाई चार-बहन थी। जिसमें तुम्हारी एक बहन की मृत्यु हो चुकी है। यह बात सच थी तो हम सब उसका पैर छूकर प्रणाम करने लगे। इसी दौरान एक युवक ने कहा कि तुम्हारे ऊपर काल सवार है। अगर तुम इस काल बचना चाहती हो तो कुछ पूजा पाठ करना पड़ेगा। इससे तुम्हारा काल लेकर चले जाएंगे, तुम ठीक हो जाओगी। हम उसके झांसे में आ गए तो युवक ने सबसे पहले एक लोटा पानी लाने को कहा। पानी में युवक ने कुछ मंत्र पढ़ कर फूंका और हमें भी फूंकने को कहा। इसके बाद एक कटोरी चावल मंगवाया। इस दौरान कटोरी के सामने हाथ रखकर पानी गिराने को कहा। उसने कहा कि अगर इसमें आग लग जाएगी तो तुम्हारे ऊपर काल का साया है और नहीं लगा तो कोई काल नहीं है। पानी गिराते ही हाथ पर आग जलने लगा तो ठग ने कहा कि तुम्हारे ऊपर काल का साया है।

वीडियो बनाने पर मोबाइल फोड़ने की धमकी : उसने काल का साया भगाने की बात कहकर अगरबत्ती मंगवाया। हमारी सास गीता देवी और गोतनी स्मिता कुमारी और मनीषा कुमारी को भी हाथ में अगरबत्ती देकर पूजा कराने लगा। मौके पर आसपास के भी लोग जमा हो गए तथा कुछ लोगों ने वीडियो बनाने लगे। जिस पर ठगों ने विरोध करते हुए कहा की वीडियो बनाओगे तो मोबाइल फोड़ देंगे। उसने काले पॉलिथीन में घर का सभी जेवर भी मंगवा लिया। इसके बाद हमारे हाथ में चावल देकर उसे एक कोना में जमीन में गाड़ने को कहा और घर के बाहर प्रसाद देने की बात कही।

डेढ़ लाख रूपए में महिला को बेचा, 5 अरेस्ट: सीवान से किडनैप महिला मथुरा में मिली

बदमाशों ने बहला कर कराई थी शादी

सीवान, एजेंसी। सीवान में मानव तस्करी का एक मामला सामने आया है। पुलिस ने मैरवा थाना क्षेत्र से अपहृत महिला (35) को शनिवार को उत्तर प्रदेश के मथुरा से बरामद किया है। पुलिस पीड़िता को रविवार को सीवान लेकर पहुंची। इस मामले में पांच लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। इन्होंने महिला को डेढ़ लाख रूपए में बेच दिया था। मैरवा के एसडीपीओ चंदन कुमार ने बताया कि सिसवा खुर्द गांव निवासी राजेश कुशवाहा की पत्नी अचानक लापता हो गई थी। पति ने 17 फरवरी 2025 को गांव की महिला लीलावती देवी (35) के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था।

आरोपी लीलावती देवी ने अन्य 4 आरोपी की दी जानकारी

पुलिस ने मामले की जांच के लिए विशेष टीम बनाई। टीम ने 3 दिन पहले मैरवा थाना क्षेत्र के बॉर्डर से आरोपी लीलावती देवी को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर मथुरा से चार और आरोपियों को पकड़ा गया। 2 महिलाओं को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार लोगों की पहचान

- मथुरा जिला के गोवर्धन थाना क्षेत्र के वृज किशोर ठाकुर के बेटे लवकेश ठाकुर(30)
- देवरिया थाना क्षेत्र के मुन्ना पटेल के बेटे कृपाशंकर(27)
- मथुरा जिले के जैत थाना क्षेत्र के दीना सिंह के बेटे परतोष ठाकुर(38)
- आगरा जिला के शाहाबाद थाना क्षेत्र के राजेश चौहान की पत्नी लवली देवी(35)
- गोरखपुर जिले के चौरी चौरा थाना क्षेत्र के बबलू प्रसाद की पत्नी अनु देवी(30)

पूछताछ में पता चला कि लीलावती ने बहला फुसला कर पैसों की लालच में पीड़िता को मथुरा के एक व्यक्ति को डेढ़ लाख रुपए में बेच दिया था। पीड़िता की मथुरा में किसी अन्य व्यक्ति से शादी भी करा दी गई। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि इस गिरोह ने अब तक कितने लोगों की तस्करी की है और इसमें कौन-कौन शामिल हैं।

एक सर्टिफिकेट पर बिहार पुलिस में 41 साल नौकरी करते रहे फुफेरे भाई, रिटायरमेंट के बाद हुआ खुलासा

पटना, एजेंसी। बिहार पुलिस में एक ही नाम, पता, जन्म तिथि, पैन कार्ड और शारीरिक माप पर दो फुफेरे-ममेरे भाइयों के सिपाही पद पर बहाल होने का रोचक मामला आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने दर्ज किया है। दोनों भाइयों ने अलग-अलग जिलों में करीब 41 साल नौकरी करते हुए दारोगा से रिटायरमेंट ली। मामले का खुलासा तब हुआ जब दूसरे भाई ने पेंशन के लिए शिवहर कोषागार में दस्तावेज जमा किए, जबकि एक भाई पहले ही रोहतास कोषागार से पेंशन उठा रहा था। अब ईओयू मामले से जुड़े जालसाजों व सरकारी कर्मियों की पहचान करेगा। दरअसल, रोहतास के चौडीहरा गांव के विक्रमा सिंह ने 1982 में कटिहार जीआरपी के साथ ही रोहतास जिला बल की सिपाही बहाली में सफलता हासिल की थी। मगर उन्होंने कटिहार जीआरपी में योगदान किया और 2023 में गया से रिटायर हुए। वहीं, शिवहर से भी विक्रमा सिंह नामक दारोगा रिटायर हुए हैं, जिनके पिता का नाम, स्थाई पता, जन्म तिथि, पैन नंबर, ऊंचाई व छाती का माप आदि बिलकुल समान है। सिर्फ दोनों के आधार नंबर, बैंक खाता नंबर और प्रथम योगदान स्थल में अंतर दिखा। शिवहर से रिटायर हुए विक्रमा सिंह की प्रथम नियुक्ति रोहतास जिला बल में सिपाही पद पर हुई थी। लेकिन, जांच में शिवहर से रिटायर विक्रमा सिंह की पहचान कैमूर के आटडीह गांव निवासी राजेंद्र सिंह के रूप में की गयी, जो कि रिश्ते में गया से रिटायर विक्रमा सिंह के ममेरे भाई निकले।

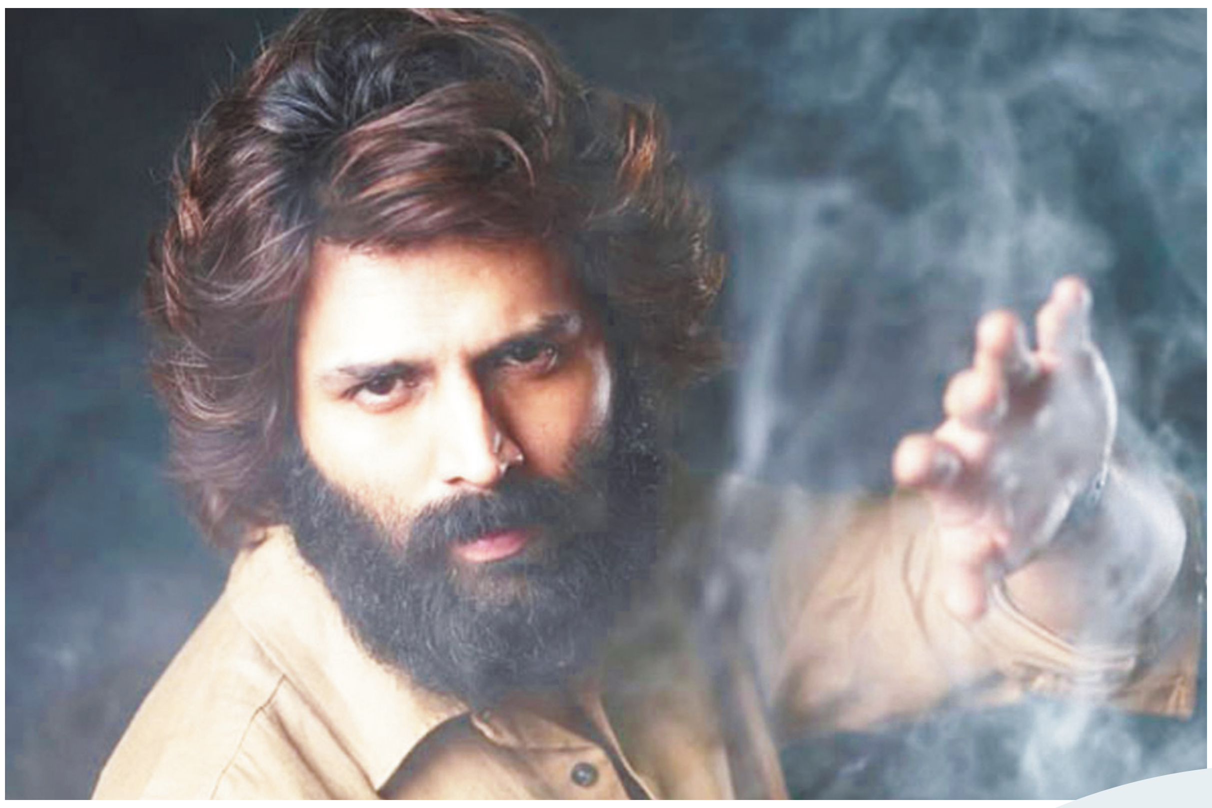

नागजिला में दोहरी भूमिका में नजर आएंगे कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन हिंदी सिनेमा के सबसे मशहूर युवा अभिनेताओं में से एक हैं और उनके पास ऐसी कई फ़िल्में हैं, जिनसे बॉक्स ऑफ़िस पर धमाल मचाने की उम्मीद है। जहाँ वे अनुराग बसु के निर्देशन में अगली फ़िल्म में नज़र आने वाले हैं, वहीं वे तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी और नागज़िला में भी नज़र आएंगे, दोनों फ़िल्में करण जौहर द्वारा निर्मित हैं। युवा नायक को निर्माताओं द्वारा 50 करोड़ रुपये की पेशकश की जा रही है, जो उनकी स्थिति को मज़बूत करने का एक संकेत है। नागजिला में कार्तिक आर्यन दोहरी भूमिका में होंगे। एक सूत्र ने बताया, नागजिला मानव बनाम साँप संघर्ष पर एक प्रफुल्लित करने वाला रूप है, और सबसे बड़ा ट्विस्ट कार्तिक आर्यन की दोहरी भूमिका की यूएसपी से उपजा है। जवान में शाहरुख की तरह, कार्तिक के दो किरदार नायक और खलनायक होने के कगार पर होंगे, लेकिन एक हास्यपूर्ण मोड़ के साथ। नागजिला सभी फुकरे फिल्मों से भी ज्यादा मजेदार है, और निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा बतौर निर्देशक अपने करियर की सबसे महत्वाकांक्षी और रोमांचक यात्रा पर निकलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म को मृगदीप सिंह लांबा निर्माता महावीर जैन के साथ मिलकर विकसित कर रहे हैं, जिन्होंने इसे शानदार बनाने के लिए करण जौहर के साथ साझेदारी की। तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग पूरी होने के बाद टीम सितंबर से शूटिंग शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

भतीजे इब्राहिम अली खान को सोहा ने दी जरूरी सलाह

इन दिनों सोहा अली खान फिल्म 'छोरी 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में नुसरत भरुचा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में महिलाओं, लड़कियों से जुड़े एक गंभीर मुद्दे के साथ हॉरर एंगल को जोड़ा गया है। इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान ही सोहा अली खान ने करियर और निजी जीवन से जुड़े सवालों के जवाब भी दिए। खासकर अपने भतीजे इब्राहिम अली खान के एक्टिंग डेब्यू, सोशल मीडिया पर उसे मिल रही ट्रोलिंग को लेकर काफी कुछ कहा।

फिल्म 'नादानियां' से इब्राहिम अली खान ने एक्टिंग में डेब्यू किया, खराब एक्टिंग के लिए इस यंग एक्टर को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया। इस ट्रोलिंग पर सोहा अली खान ने नयनदीप रक्षित के यूट्यूब चैनल पर कहा, 'इब्राहिम को अपने काम पर ध्यान देना चाहिए। ऐसे लोगों से दूर रहना चाहिए जो उसकी हां में हां मिलाते हों।'

सोशल मीडिया कमेंट्स ना पढ़ने को कहा

वह आगे कहती हैं, 'अगर कोई भी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा बन रहा है तो उन्हें इस तरह की बातों के लिए तैयार रहना चाहिए। लोगों की राय को हजम करने की क्षमता होनी चाहिए। हां, सोशल मीडिया पर जो कमेंट्स मिलते हैं, उनको पढ़ने से जरूर बचना चाहिए। लेकिन कई बार मुझे लगता है कि ये कमेंट्स भी इंपॉर्टेंट साबित होते हैं। इनके जरिए आपको अपने काम में सुधार करना चाहिए, अपने क्राफ्ट पर काम करना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए।'

क्या है छोरी में सोहा का रोल

आज यानी 11 अप्रैल को ही ओटीटी पर फिल्म 'छोरी' रिलीज हुई है। इसमें सोहा अली खान ने दासी मां नाम का नेगेटिव शेड कैरेक्टर निभाया है, यह फिल्म की विलेन भी कही जा सकती है। इस फिल्म में सोहा दर्शकों को बहुत हद तक डराने में कामयाब रही हैं।

आपको अगर ऐसे खुशी मिलती है तो...

प्लास्टिक सर्जरी के दावों और ट्रोलिंग पर मौनी ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री मौनी रॉय को प्लास्टिक सर्जरी करवाने की खबरों के बाद ट्रोल किया जा रहा है। हाल ही में एक कार्यक्रम में उन्होंने लगातार हो रही ट्रोलिंग पर अपनी चुप्पी तोड़ी। अभिनेत्री मौनी रॉय अपनी प्लास्टिक सर्जरी करवाने की खबरों के वायरल होने के बाद से चर्चा में हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम में अभिनेत्री ने पिछले कुछ महीनों से लगातार हो रही ट्रोलिंग पर अपनी चुप्पी तोड़ी। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें उन बेकार ट्रोल्स की परवाह नहीं है, जो मतलबी टिप्पणियां पोस्ट करके खुशी पाते हैं।

ट्रोलिंग पर मौनी की प्रतिक्रिया

हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान एक पत्रकार ने उनसे ट्रोलिंग के बारे में पूछा। अपनी ट्रोलिंग के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, कुछ नहीं, देखती ही नहीं। सबको अपना काम करने दो। मैं ऐसी टिप्पणियों पर ध्यान नहीं देती। अगर आप दूसरों को ट्रोल करने के लिए पर्दे के पीछे छिपते हैं और अगर आपको इसमें खुशी मिलती है तो ऐसा ही हो।

लुक चेंज होने पर ट्रॉल हुई थीं मौनी

मौनी रॉय हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म भूतनी के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुईं। इस इवेंट में उनकी मौजूदगी ने ट्रोल्स को आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि मौनी के माथे में कुछ गड़बड़ है और कहा गया कि मौनी ने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है, जो गलत हो गई।

सनी देओल के करियर की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बनी जाट, वीकेंड 40 करोड़ के पार

10 अप्रैल को सिनेमाघरों में पहुँची सनी देओल की फिल्म जाट सधे हुए कदमों से बॉक्स ऑफिस पर अपना सफल प्रदर्शन जारी रख रही है। फिल्म को दर्शकों द्वारा पसन्द किया जा रहा है। माउथ पब्लिसिटी के सहारे अब दर्शकों की पदचाप सिनेमाघरों में ज्यादा सुनाई दे रही है। दक्षिण भारत के ख्यातनाम प्रोडक्शन हाउस माइथ्री मूवी के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। फिल्म के एक्शन दृश्यों को दर्शकों द्वारा सराहा जा रहा है। हालांकि फिल्म को लेकर जो बज क्रिएट किया गया था, उसके अनुरूप फिल्म बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। फिल्म ने अब तक 40 करोड़ रुपयों की कमाई कर ली है। सेकनिल्क रिपोर्ट में कहा गया है कि जाट ने रिलीज के चौथे दिन ?14.06 करोड़ कमाए। यह फिल्म का अब तक का सबसे अधिक एकल दिन का कलेक्शन है। साथ ही पहली बार जाट ने रिलीज के बाद से दोहरे अंकों का आंकड़ा हासिल किया है। रविवार को जाट की हिंदी ऑक्यूपेंसी 25.51त्न रही। सुबह के शो में ऑक्यूपेंसी 11.67त्न रही, जबकि दोपहर के शो में 30.93त्न रही। शाम के शो में ऑक्यूपेंसी थोड़ी बेहतर रही, जो 33.93त्न रही। बता दें कि सनी देओल स्टारर फिल्म गदर-2 इससे पहले रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी। अब सनी देओल की जाट ने भी लोगों का दिल जीता है। सेकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन महज 9.75 करोड़ रुपयों की ओपनिंग की थी। अब फिल्म का कलेक्शन 4 दिनों में 40 करोड़ रुपयों के पार हो गया है। फिल्म ने पहले दिन ?9.5 करोड़ की कमाई की। दूसरे दिन, कलेक्शन ?7 करोड़ रहा, जबकि तीसरे दिन कलेक्शन ?9.75 करोड़ रहा।

सलमान की कार को बम से उड़ाने की धमकी

जानेमाने अभिनेता सलमान खान को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। इससे पहले सिकंदर के प्रमोशन के दौरान अभिनेता ने लगातार मिल रही धमकियों पर कहा था कि भगवान, अल्लाह सब ऊपर हैं। जितनी उम्र लिखी है, उतनी लिखी है। साथ ही सुरक्षा के कारण आने वाली समस्याओं का भी जिक्र किया था। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। इस बार मुंबई के वर्ली परिवहन विभाग के व्हाट्सएप नंबर पर धमकी भरा संदेश भेजा गया है। इसमें अभिनेता के घर में घुसकर जान से मारने की धमकी दी गई है। साथ ही धमकी देने वाले ने सलमान की कार को बम से उड़ाने की भी धमकी दी है। घटना के बाद वर्ली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी फिलहाल धमकी देने वाले की तलाश में जुट गए हैं। संदेश कहां और कैसे भेजा गया? इसकी जांच भी शुरू कर दी गई है।

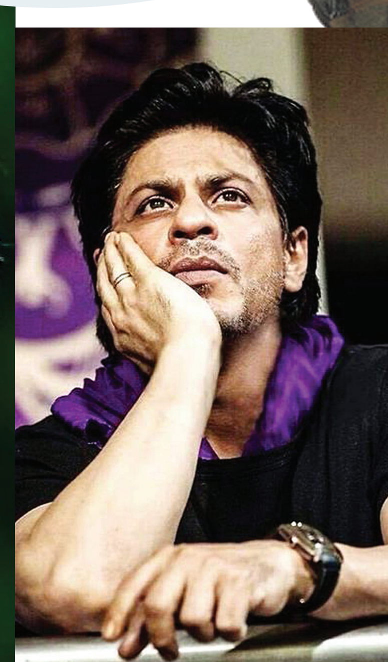

ऋचा ने लोगों में बढ़ती उदासी के बारे में की बात

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने अपने ताजा पोस्ट के माध्यम से लोगों में बढ़ती उदासी को दर्शाते हुए समाज को आईना दिखाया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, पिछले कुछ महीनों से, मैं एक नई मां के रूप में अपने जीवन का अनुभव करते हुए, लगभग एक गवाह के रूप में, किसी चीज से जूझ रही हूं... और उसके साथ ही समुद्र की लहरों की तरह आने वाली भावनाएं। उच्च ज्वार (हाई टाइड) और निम्न ज्वार (लो टाइड)।

फुकरे की एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं चाहे किसी से भी बात करूं, चाहे वे भारत में रहते हों या नहीं, चाहे वे युवा हों या बूढ़े, चाहे वे किसी भी लिंग के हों, चाहे वे नास्तिक हों या ईश्वर-भक्त, चाहे वे कलाकार हों या सामान्य - एक अकथनीय उदासी है। आसन्न और आसन्न विनाश की भावना, एक प्रकार की सुन्न निराशा, जो संघर्ष से पैदा होती है। एआई के बढ़ते प्रभाव के बारे में बोलते हुए, उन्होंने आगे कहा, आर्थिक अनिश्चितता मदद नहीं करती है। एक भावना है कि या तो वे इस तेजी से बदलती दुनिया में प्रासंगिकता खो देंगे या उनकी नौकरी अप्रचलित हो सकती है। एआई के सामने यह एक बहुत ही वास्तविक डर है। मैं समझती हूं। युवाओं में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के तेजी से बढ़ने के बारे में बात करते हुए, ऋचा ने लिखा, भविष्य को लेकर चिंता व्याप्त है, चाहे आप इसे किसी भी नजरिए से देखें।

शायद महामारी ने हमें और हमारे आस-पास के माहौल को उससे कहीं ज़्यादा बदल दिया है, जितना हम खुद को स्वीकार कर सकते हैं। जहां तक स्वास्थ्य का सवाल है, अराजकता भी है। जबकि कई लोग इस वास्तविकता को स्वीकार कर रहे हैं कि प्रकृति ही धन का स्रोत है और विकास हमारे आवास की कीमत पर नहीं हो सकता, अधिकांश लोग इस बात से चिंतित हैं कि युवा भी मर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, कुछ बदल गया है। कुछ गड़बड़ है। शायद जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसके बारे में जो कुछ भी बताया गया है, वह झूठ है। शायद हमें सच्चे मानव स्वभाव के बारे में जो कुछ भी नहीं बताया गया है, वह एक पागल, दुखी आदमी की कल्पना के अलावा और कुछ नहीं है। ऋचा ने निष्कर्ष निकाला, लोग खुश नहीं हैं।

फैंस के लिए शाहरुख खान के बंगले में रात बिताने का मौका

शाहरुख खान अपने फैंस को एक अनोखा तोहफा दे रहे हैं। अब आप उनकी शाही लाइफस्टाइल को एक रात के लिए जी सकते हैं। कैलिफोर्निया के बेवर्ली हिल्स में उनका शानदार बंगला किराए पर उपलब्ध है। यह आलीशान घर मशहूर रोडियो ड्राइव से बस कुछ मिनट दूर है। इसमें छह खूबसूरत बेडरूम हैं, जो मेहमानों को एक शानदार अनुभव देगा।

खर्च करने होंगे इतने रुपये

आर्किटेक्चरल डाइजेस्ट की रिपोर्ट के अनुसार इस बंगले में मेहमान शानदार सुविधाओं का आनंद ले सकते हैं। इस घर में हर वह सुविधा है, जो एक सपनों के घर में होनी चाहिए। इसमें लोग चमकते स्विमिंग पूल में तैर सकते हैं, जकूजी में आराम कर सकते हैं, निजी केबिन में सुकून भरे पल बिता सकते हैं या टेनिस कोर्ट पर दोस्तों के साथ खेल सकते हैं। शाहरुख ने 2019 में इस घर की तस्वीरें एक्स पर साझा की थीं, जिसने सबका ध्यान खींचा था। अब जो लोग मोटी रकम खर्च कर सकते हैं, उनके लिए यह विला एक रात के लिए एक लाख 96 हजार रुपये में खुला है।

शानदार है शाहरुख का बंगला

विला का अंदरूनी हिस्सा देखकर आप हैरान रह जाएंगे। यह आधुनिक और पुराने डिजाइन का शानदार मिश्रण है। सफेद और बेज रंग की दीवारें शांति का एहसास कराती हैं। दीवारों पर सजी पेंटिंग्स, खूबसूरत आइने घर को और रौनक देते हैं। शानदार फर्नीचर इस घर को और भी खास बनाते हैं।

साउथ फिल्म 'ओडेला 2' को लेकर चर्चा में तमन्ना, इन हिंदी फिल्मों में भी निभाए अलग किरदार

➢ **तमन्ना भाटिया साउथ फिल्मों की एक मशहूर एक्ट्रेस हैं, वह दक्षिण भारतीय फिल्मों के अलावा हिंदी फिल्मों में भी अभिनय कर चुकी हैं। तमन्ना की अलग-अलग जॉनर की हिंदी फिल्मों, किरदारों के बारे में जानिए।**

जल्द ही तमन्ना भाटिया की एक दक्षिण भारतीय फिल्म 'ओडेला 2' रिलीज होगी। इस सुपरनेचुरल थ्रिलर में वह एक शिक्त भक्त बनीं, जो लोगों की मदद करती है। फिल्म में तमन्ना का लुक काफी चर्चा में बना हुआ। तमन्ना दक्षिण भारत में जितनी मशहूर हैं, उतनी ही फेमस वह हिंदी फिल्मों में भी हैं। जानिए, अब तक तमन्ना ने किस तरह की हिंदी फिल्में की हैं।

साल 2022 में तमन्ना भाटिया ने हिंदी फिल्म 'बबली बाउंसर' की, इस फिल्म में एक महिला बाउंसर का किरदार निभाया। फिल्म में वह एक हरियाणवी लड़की के रोल में दिखीं, जो बाउंसर बनती है और लोगों की मदद करती है। इस फिल्म को मधुर भंडारकर ने निर्देशित किया था। अक्षय कुमार की कॉमेडी फिल्म 'एंटरटेनमेंट(2014)' में तमन्ना ने कॉमिक रोल किया। फिल्म में वह अक्षय के किरदार की प्रेमिका बनीं। अक्षय के साथ तमन्ना की जोड़ी पर्दे पर खूब जमी थी। इस फिल्म को साजिद-फरहाद ने निर्देशित किया था।

हिम्मतवाला

फिल्म 'हिम्मतवाला(2013)' में तमन्ना भाटिया ने कॉमिक रोल किया। फिल्म में अजय देवगन ने लीड रोल किया था। फिल्म को साजिद खान ने निर्देशित किया। यह फिल्म 1983 में रिलीज हुई जितेंद्र और श्रीदेवी की फिल्म 'हिम्मतवाला' का रीमेक थी।

वेदा

फिल्म 'वेदा(2024)' में तमन्ना ने

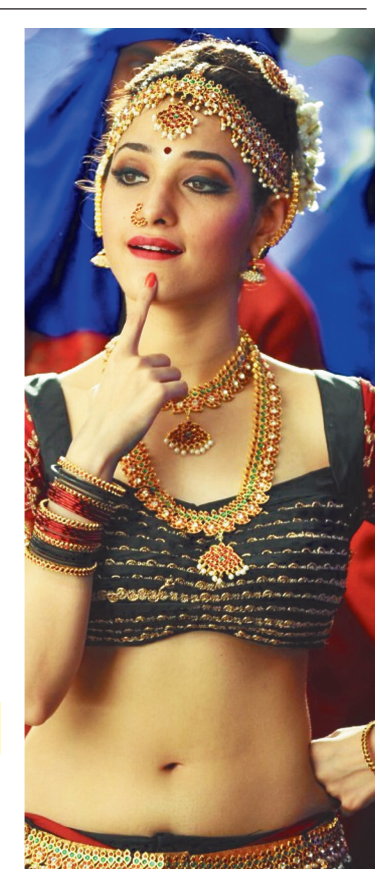

जॉन अब्राहम के किरदार अभिमन्यु की पत्नी का रोल किया। फिल्म में तमन्ना का कैमियो रोल था लेकिन यह किरदार फिल्म की कहानी में अहम भूमिका निभाता है। इस फिल्म को निखिल आडवाणी ने निर्देशित किया था।

पाकिस्तान में बैसाखी समारोह में हजारों सिख हुए शामिल, जरदारी एवं शहबाज ने बधाई दी

» इस्लामाबाद/लाहौर, भाषा।

गुरुद्वारा जन्मस्थान ननकाना साहिब में बैसाखी उत्सव के मुख्य समारोह में हजारों सिख शामिल हुए जबकि पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने इस अवसर पर समुदाय को शुभकामनाएं दीं। समारोह में हिस्सा लेने वाले सिखों में भारत से आए सिख भी शामिल थे। बैसाखी सिख नववर्ष और 1699 में गुरु गोबिंद सिंह के नेतृत्व में खालसा पंथ की स्थापना का प्रतीक है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के पवित्र स्थलों की देखभाल करने वाले इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के अनुसार, गुरु नानक देव के जन्मस्थान पर खालसा स्थापना समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय सिखों सहित लगभग 10,000 विदेशी सिख शामिल हुए। ईटीपीबी प्रवक्ता गुलाम मुहयुद्दीन ने बताया, 10,000 विदेशी सिखों में से 6,700 भारत से आए थे और अन्य कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों से आए थे।

उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में आए सिखों की सुविधा के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 50 साल में पहली बार पाकिस्तान सरकार ने सद्भावना के तौर पर बैसाखी के त्योहार के लिए भारतीय सिख तीर्थयात्रियों को 6,700 से अधिक वीजा जारी किए हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अपने संदेश में कहा कि बैसाखी पाकिस्तान की सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता में सुंदरता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय पाकिस्तान की प्रगति और समृद्धि में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा, हमारा संविधान अल्पसंख्यकों के लिए पूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता, समान अधिकार और सुरक्षा की गारंटी देता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अंतरधार्मिक सद्भाव, सहिष्णुता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि यह त्योहार रबी की फसल पकने का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह किसानों के लिए बहुत खुशी का समय होता है क्योंकि वे अपनी कड़ी मेहनत का फल प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि यह आशा, एकता और नवीनीकरण की स्थाई भावना की याद दिलाता है। उन्होंने कहा, हमें बैसाखी की भावना से प्रेरित होकर नई ऊर्जा और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए, ताकि एक उज्जवल, अधिक समावेशी और मजबूत कल का निर्माण किया जा सके। इस बीच, ननकाना साहिब में बैसाखी के मुख्य समारोह को संबोधित करते हुए धार्मिक मामलों के राज्य मंत्री के. दास कोहिस्तानी ने कहा कि पाकिस्तान यहां रहने वाले सभी समुदायों का है और यहां हर धर्म का सम्मान किया जाता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में सभी अल्पसंख्यकों को उपासना करने और अपने त्योहार मनाने की स्वतंत्रता है। मंत्री ने बैसाखी समारोह में भाग लेने के लिए देशभर से और भारत सहित विदेश से ननकाना साहिब आए सिख तीर्थयात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। बैसाखी उत्सव में शामिल होने वाले लोगों ने धार्मिक अनुष्ठान किए और लंगर चखा। पाकिस्तान सरकार की ओर से संघीय और प्रांतीय मंत्रियों, ईटीपीबी और पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इसमें हिस्सा लेने वाले अधिकतर सिख पहली बार पाकिस्तान में अपने पवित्र स्थलों पर जाकर अभिभूत थे। जालंधर के 22 वर्षीय नर्सिंग छात्र ईशानदीर सिंह ने कहा, मैं अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर सकता। बाबा गुरु नानक की जन्मस्थली पर आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे वीजा मिला और आज मैं बाबा नानक की धरती पर हूं। मैं बेहद खुश और संतुष्ट हूं। भारतीय में से एक रवींदर सिंह ने व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सिख तीर्थयात्री पाकिस्तान को अपना दूसरा घर मानते हैं क्योंकि उनके धर्म के कुछ सबसे पवित्र स्थान यहीं स्थित हैं। उन्होंने कहा कि हर सिख पाकिस्तान में स्थित गुरुद्वारों में जाना पसंद करता है और जब उन्हें ऐसा करने का मौका मिलता है तो वे खुद को धन्य महसूस करते हैं।

हजारों सिख श्रद्धालु बैसाखी पर्व मनाने पाकिस्तान पहुंचे

ननकाना साहिब। हजारों सिख श्रद्धालु सोमवार को बैसाखी पर्व मनाने पाकिस्तान पहुंचे। यह पर्व फसल कटाई के उत्सव के साथ-साथ सिख नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक है और मुख्य रूप से पंजाब तथा उत्तर भारत में मनाया जाता है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने इस वर्ष भारत के 6,500 से अधिक सिख श्रद्धालुओं को वीजा जारी किया है। पिछले वर्षों की तुलना में यह संख्या अधिक है। आमतौर पर दोनों देशों के बीच यात्रा के लिए वीजा प्राप्त करना कठिन होता है, लेकिन सरकारों ने विशेष इंतजाम कर रखे हैं जिसके तहत श्रद्धालुओं को धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए वीजा प्रदान किए जाते हैं। मुख्य बैसाखी समारोह ननकाना साहिब में आयोजित किया गया। यह स्थल सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी का जन्मस्थान है। लाहौर से लगभग 75 किलोमीटर पश्चिम में स्थित ननकाना साहिब में नौ प्रमुख गुरुद्वारे स्थित हैं, जिनमें गुरुद्वारा जनम स्थान प्रमुख है। गुजरात निवासी रिंकू कौर श्रद्धालुओं के एक दल के साथ पाकिस्तान पहुंचीं। उन्होंने कहा, शुरुआत में मैं पाकिस्तान आने को लेकर हिचकिचा रही थी। परिवार ने भी समूह में जाने और सतर्क रहने की सलाह दी थी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान में लोगों ने बेहद गर्मजोशी से स्वागत किया। कौर ने कहा, लोग अपने घरों से बाहर निकलकर हाथ हिला रहे थे। हमें ऐसा लग रहा था जैसे हम कोई सेलिब्रिटी हों। पाकिस्तान में कई प्रमुख सिख धार्मिक स्थल स्थित हैं। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने बैसाखी पर्व को किसानों के लिए विशेष हर्ष का समय बताया। उन्होंने कहा कि यह पर्व आशा, एकता और नवीकरण की भावना को बढ़ावा देता है, जो समुदायों को एकजुट करती है।

पाकिस्तान को विदेश में बसे अपने नागरिकों से मार्च में रिकॉर्ड 4.1 अरब डॉलर मिले

इस्लामाबाद। पाकिस्तान को उसके विदेश में बसे नागरिकों से मार्च में रिकॉर्ड 4.1 अरब डॉलर प्राप्त हुए हैं। डॉलर की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान को किसी माह में मिला यह सबसे ऊंचा रेमिटेंस का आंकड़ा है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के प्रमुख जमील अहमद ने पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज (पीएसएक्स) में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में कहा कि विदेशों में रह रहे पाकिस्तानी श्रमिकों द्वारा भेजे जाने वाले धन में फरवरी, 2025 में सालाना आधार पर बढ़ोतरी हुई है, जो 3.12 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह जनवरी, 2025 की तुलना में 3.8 प्रतिशत की वृद्धि है। उन्होंने कहा, मार्च में पहली बार किसी महीने में रेमिटेंस का आंकड़ा चार अरब डॉलर को पार कर गया है। उन्होंने कहा कि पिछले साल मार्च में 2.95 अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में इसमें 37 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि यह रिकॉर्ड वृद्धि सरकार की नीतियों में उनके भरोसे को दर्शाती है।

नेपाल के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने नववर्ष पर शुभकामनाएं दीं

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने सोमवार को नेपाली नववर्ष विक्रम संवत 2082 पर शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति के संदेश में कहा गया इस दिन मैं सभी लोगों से राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि के लिए उत्साह के साथ एकजुट होने तथा साझा प्रतिबद्धता के साथ आगे बढने का आह्वान करता हूं। एक अलग संदेश में प्रधानमंत्री ओली ने कहा दिया कि समृद्ध राष्ट्र के निर्माण और अपने लोगों की खुशी सुण्करने के साझा लक्ष्य को प्राप्त करने के वास्ते प्रत्एक नागरिक को सकारात्मक सोच, व्यवहार और आंतरिक शक्ति अपनानी चाहिए। देश-विदेश में रहने वाले नेपालियों को नववर्ष 2082 विक्रम संवत की शुभकामनाएं देते हुए ओली ने आशा व्यक्त की कि यह वर्ष सभी के जीवन में खुशी, शांति, समृद्धि, प्रगति, सफलता और नया उत्साह लेकर आएगा। नेपाल में सोमवार को विक्रम संवत कैलेंडर के अनुसार नववर्ष 2082 मनाया गया। बैशाख का पहला दिन नेपाली नववर्ष की शुरुआत है, जिसे पूरे नेपाल में धूमधाम से मनाया जाता है।

बलूच लिबरेशन आर्मी अक्सर सुरक्षा बलों और नागरिकों को निशाना बनाती है

इस्लामाबाद ने ईरान में आठ पाकिस्तानी नागरिकों की हत्या पर तेहरान से सहयोग का आग्रह किया

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान ने अशांत दक्षिण-पूर्वी ईरान में आठ पाकिस्तानी नागरिकों की हत्या के मामले में तेहरान से पूर्ण सहयोग मांगा है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह हत्या शनिवार को पाकिस्तान-ईरान सीमा से लगभग 230 किलोमीटर (142 मील) दूर, सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत के मेहरेस्तान काउंटी में हुई तथा इसकी गहन जांच की मांग की। ईरान में पाकिस्तान के राजदूत मुहम्मद मुदस्सिर ने एक्स पर लिखा कि आठों लोग मजदूर थे और इस्लामाबाद तथा तेहरान उनके शवों को वापस लाने के लिए काम कर रहे हैं। अब तक किसी ने उनकी हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली है। ईरान, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में फैला बलूच क्षेत्र दो दशकों से अधिक समय से स्वतंत्रता चाहने वाले बलूच राष्ट्रवादियों के विद्रोह का सामना कर रहा है।

पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान में, 2019 में अमेरिका द्वारा आतंकवादी समूह घोषित की गई बलूच लिबरेशन आर्मी अक्सर सुरक्षा बलों और नागरिकों को निशाना बनाती है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ईरान इस अत्याचार के पीछे के अपराधियों और षड्यंत्रकारियों की पहचान करने और न्याय सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकेई ने इस हत्या को आतंकवादी कृत्य और एक आपराधिक कृत्य बताया, जो मूल रूप से सभी इस्लामी सिद्धांतों और कानूनी और मानवीय मानदंडों के विपरीत है। अफगानिस्तान, ईरान और पाकिस्तान के बलूच लोगों के लिए काम करने वाले समूह हलवाश ने बताया कि अज्ञात बंदूकधारियों ने शहर में ऑटो मरम्मत का व्यवसाय चलाने वाले आठ पाकिस्तानी नागरिकों पर गोलियां चलाईं। इसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी।

मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री अब्दुल्ला अहमद बदावी का निधन

कुआलालंपुर। मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री अब्दुल्ला अहमद बदावी का हृदय की बीमारी के कारण यहां निधन हो गया। कुआलालंपुर स्थित अस्पताल इंस्टिट्यूट जांतुंग नेगरा ने सोमवार को यह जानकारी दी। बदावी का इस अस्पताल में उपचार चल रहा था। वह 85 वर्ष के थे। बदावी मलेशिया के पांचवें प्रधानमंत्री थे। वह 2003 से 2009 तक पद पर रहे, लेकिन राष्ट्रीय चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन के निराशाजनक परिणाम की जिम्मेदारी लेने के लिए उन पर इस्तीफा देने का दबाव डाला गया था। राजनीति छोड़ने के बाद उन्होंने आम आदमी की तरह जीवन व्यतीत किया। इसके पहले, वर्ष 2022 में उनके दामाद खैरी जमालुद्दीन ने बताया था कि बदावी को डिमेंशिया है।

शेख हसीना की भतीजी और ब्रिटेन की सांसद ट्यूलिप सिद्दीक का भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार

» लंदन, भाषा।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की भतीजी और ब्रिटिश संसद में लेबर पार्टी की सदस्य ट्यूलिप सिद्दीक ने अपने खिलाफ ढाका के भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट की खबर सामने आने के बाद किसी भी तरह का गलत काम करने से इनकार किया है। सिद्दीक ने इस साल जनवरी में ब्रिटेन के वित्त मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था और कहा था कि उनके पारिवारिक संपर्क प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर के नेतृत्व वाली सरकार के काम में बाधा बन रहे हैं। उनके प्रवक्ता ने गत सप्ताहांत एक बयान में कहा कि सिद्दीक के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप पूरी तरह से झूठे थे और उनके वकीलों ने इससे निपटा था।

बयान में कहा गया है, एसीसी ने सुश्री सिद्दीक को कोई जवाब नहीं दिया है या सीधे या उनके वकीलों के माध्यम से उन पर कोई आरोप नहीं लगाया है। सुश्री सिद्दीक को ढाका में उनके संबंध में चल रही सुनवाई के बारे में कुछ भी पता नहीं है और उन्हें किसी भी गिरफ्तारी वारंट के बारे में कोई जानकारी नहीं है, जिसके जारी होने की बात कही जा रही है। विशिष्ट दावों के संदर्भ में प्रवक्ता ने जोर देकर कहा कि लंदन में रह रहीं सिद्दीक के खिलाफ लगाए जाने वाले किसी भी आरोप का कोई आधार नहीं है और इस आरोप में कतई सच्चाई नहीं है कि उन्होंने अवैध तरीकों से ढाका में एक भूखंड हासिल किया है। उत्तरी लंदन के हैम्पस्टीड और हाईगेट से 42 वर्षीय लेबर सांसद ने आरोपों से खुद को दूर रखने का प्रयास किया और अपने त्यागपत्र में दोहराया कि उनके पारिवारिक संबंध सार्वजनिक रिकॉर्ड का विषय हैं। ब्रिटेन और बांग्लादेश के बीच कोई औपचारिक प्रत्यर्पण संधि नहीं है, इसलिए बांग्लादेशी गिरफ्तारी वारंट जारी होने की खबर के बाद आगे की कार्रवाई को लेकर अस्पष्टता बनी हुई है।

न्यूज ब्रीफ

इजराइल ने उत्तरी गाजा के एक अस्पताल पर किया हमला

» दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी), भाषा।

गाजा में रविवार को इजराइली हमलों में एक अस्पताल और अन्य स्थलों को निशाना बनाया गया, जिसमें बच्चों सहित कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई। गाजा शहर में अल-अहली अस्पताल पर तड़के यह हमला हुआ। अस्पताल के निदेशक डॉ. फदल नईम ने कहा कि हमले में आपातकालीन कक्ष, फार्मेसी और आसपास की इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे 100 से अधिक मरीज और दर्जनों कर्मचारी प्रभावित हुए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजराइल की चेतावनी के बाद निकासी के दौरान एक मरीज की मौत हो गई, क्योंकि कर्मचारी तत्काल इलाज प्रदान करने में असमर्थ थे। यह मरीज एक लड़की थी।

इजराइल ने दावा किया कि उसने अस्पताल में स्थित एक हामस कमान और नियंत्रण केंद्र पर हमला किया। हालांकि, इजराइल ने इस संबंध में कोई सबूत नहीं दिया। एसोसिएटेड प्रेस के वीडियो में अस्पताल की छत ध्वस्त और मलबा बिखरा नजर आ रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक डॉ. मुनीर अल-बोर्श ने कहा कि मरीजों को बिस्तरों में डालकर बाहर ले जाया गया और अब वे सड़कों पर हैं। मोहम्मद अबू नासिर नामक एक घायल व्यक्ति ने कहा, अस्पताल के अंदर या पूरे गाजा में कुछ भी सुरक्षित नहीं बचा है। नासिर इजराइली हमले का निशाना बने अस्पताल के बाहर अपने बिस्तर पर बैठा हुआ था और विनाश को देख रहा था। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि अस्पताल में सेवाएं अस्थाई रूप से बंद थीं और मरीजों को गाजा शहर के अन्य अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया था।

सीबीएस और 60 मिनट्स को बड़ी कीमत चुकानी होगी : ट्रंप

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को अमेरिकी टेलीविजन पर प्रसारित होने वाली समाचार पत्रिका सीबीएस द्वारा अपने कार्यक्रम 60 मिनट्स में यूक्रेन और ग्रीनलैंड पर कार्यक्रम प्रसारित करने के तुरंत बाद सीबीएस और 60 मिनट्स पर तीखा हमला करते हुए कहा कि टेलीविजन नेटवर्क नियंत्रण से बाहर हो गया है और उनके पीछे पड़ने के लिए उसे बड़ी कीमत चुकानी होगी। राष्ट्रपति ने अपने ट्रुथ सोशल पर कहा, लगभग हर हफ्ते 60 मिनट्स में... अपमानजनक और बदनाम करने वाले तरीके से ट्रंप का नाम लिया जाता है, लेकिन इस सप्ताहांत का प्रसारण उन सभी कार्यक्रमों से ऊपर है।

उन्होंने संघीय संचार आयोग (एफसीसी) के अध्यक्ष ब्रेंडन कार से उनके गैरकानूनी और अवैध व्यवहार के लिए अधिकतम जुर्माना और दंड देने का आह्वान किया। नेटवर्क ने इस बारे में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। ट्रंप ने पिछले साल डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस के साथ एक साक्षात्कार को संपादित करने के तरीके को लेकर 60 मिनट्स के खिलाफ 20 अरब डॉलर का मुकदमा दायर किया है। राष्ट्रपति का दावा है कि हैरिस को अच्छा दिखाने के लिए कार्यक्रम को संपादित किया गया था। हालांकि चैनल ने इस बात से इनकार किया है। ऐसी खबरें हैं कि ट्रंप के वकील और सीबीएस की मूल कंपनी समझौता वार्ता में शामिल हैं। कार और एफसीसी ने उसी मामले के बारे में सीबीएस न्यूज की समानांतर जांच शुरू की है, जो उन कई मामलों में से एक है जिसमें एबीसी न्यूज , एनबीसी , पीबीएस , एनपीआर और वॉल्ट डिजनी कंपनी भी शामिल हैं। कानूनी लड़ाई के बावजूद 60 मिनट्स ने ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बाद से उनके प्रशासन की कवरेज में कोई कमी नहीं की है, खासकर संवाददाता स्कॉट पेली ने। पेली ने यूक्रेन की यात्रा की और देश के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ एक साक्षात्कार किया, जहां इस महीने की शुरुआत में रूसी हमले में नौ बच्चे मारे गए थे। रविवार को प्रसारित साक्षात्कार में जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन पर आक्रमण के लिए वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से 100 प्रतिशत नफरत करते हैं और उन्होंने ट्रंप को अपने देश की यात्रा करने के लिए आमंत्रित किया ताकि वह देख सकें कि क्या किया गया है। रविवार को संवाददाता जॉन वर्थाइम ने ग्रीनलैंड से रिपोर्ट की थी और बताया था कि देश में कुछ लोग ट्रंप की नियंत्रण लेने की इच्छा के बारे में क्या कह रहे हैं। अपने सोशल मीडिया संदेश में ट्रंप ने कहा कि 60 मिनट्स अब एक समाचार शो नहीं रह गया है और उन्होंने जो किया है और वे जो कर रहे हैं, उसके लिए उन्हें जिम्मेदार होना चाहिए।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में दो सिखों समेत 10 आतंकवादी गिरफ्तार

» लाहौर, भाषा।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिस ने दो सिखों समेत 10 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पंजाब पुलिस के आतंकवाद-निरोधी विभाग (सीटीडी) के प्रवक्ता के अनुसार, पंजाब के विभिन्न इलाकों में अभियान के दौरान 10 आतंकवादियों को गिरफ्तार कर एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम कर दिया गया। उन्होंने कहा, गिरफ्तार आतंकवादियों में दो पाकिस्तानी सिख सूरज सिंह और बादल सिंह शामिल हैं।

दोनों सिखों को रावलपिंडी से गिरफ्तार किया गया है। वे पंजाब के ननकाना साहिब जिले से हैं और जेय सिंध मुत्ताहिदा महाज के सक्रिय सदस्य हैं। यह एक अलगाववादी राजनीतिक पार्टी है, जो सिंध प्रांत को पाकिस्तान से अलग किए जाने की वकालत करती है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि पिछले सप्ताह प्रांत के विभिन्न जिलों में खुफिया सूचना के आधार पर 189 अभियान चलाए गए और 10 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया तथा हथियार, विस्फोटक और अन्य प्रतिबंधित सामग्री बरामद की गई।

चीन ने अमेरिकी अधिकारियों पर जवाबी वीजा प्रतिबंध लगाया

बीजिंग। चीन ने तिब्बत से जुड़े मुद्दों पर बेहद अस्वीकार्य रूप से काम करने वाले अमेरिकी अधिकारियों पर सोमवार को वीजा प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। माना जा रहा है कि चीन ने अमेरिका की ओर से चीनी अधिकारियों पर लगाए गए अतिरिक्त वीजा प्रतिबंधों के जवाब में यह कदम उठाया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बीजिंग में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि तिब्बत से जुड़े मामले पूरी तरह से चीन का आंतरिक मामला हैं। लिन ने कहा, चीन ने देश के विदेश संबंधों से जुड़े कानून और विदेशी प्रतिबंध विरोधी कानून के अनुसार उन अमेरिकी अधिकारियों पर वीजा प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है, जिन्होंने शिजांग (तिब्बत) से संबंधित मुद्दों पर बेहद अस्वीकार्य रूप से काम किया है। इससे पहले, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने 31 मार्च को जारी एक बयान में कहा था कि वाशिंगटन तिब्बती क्षेत्रों में विदेशियों की पहुंच से संबंधित नीतियों के निर्माण या क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण रूप से शामिल चीनी अधिकारियों पर अतिरिक्त वीजा प्रतिबंध लगाएगा। हांगकांग के अखबार साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के अनुसार, बयान में कहा गया कि यह फैसला 2018 के तिब्बत तक पारस्परिक पहुंच अधिनियम के तहत लिया गया है, जिसमें कहा गया है कि अगर चीनी अधिकारी अमेरिका के सरकारी कर्मचारियों, पत्रकारों, स्वतंत्र पर्यवेक्षकों और पर्यटकों को क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकने में संलिप्त पाए जाते हैं, तो उन्हें अमेरिकी वीजा देने से इनकार किया जा सकता है। बयान में कहा गया कि चीनी प्राधिकारी अमेरिकी राजनयिकों, पत्रकारों और अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों को तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र और चीन के नियंत्रण वाले तिब्बती क्षेत्रों में प्रवेश की अनुमति देने से लंबे समय से इनकार करते आए हैं , जबकि चीन के राजनयिकों और पत्रकारों को अमेरिकी क्षेत्रों में व्यापक पहुंच हासिल है। अमेरिकी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए लिन ने कहा, हम अपने विदेशी मित्रों का चीन के शिजांग क्षेत्र की यात्रा करने, वहां घूमने-फिरने और व्यापार करने के लिए स्वागत करते हैं।

पूर्वी तिमोर के जोस मैनुएल रामोस होर्ता और कोस्टा रिका के ऑस्कर एरियस सांचेज ने कार्यक्रम में वर्चुअली भाग लिया

नीति निर्माताओं और लोगों के बीच गंभीर अंतर के कारण नैतिक जवाबदेही का अभाव : सत्यार्थी

» दुबई, भाषा।

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने दुबई में आयोजित वैश्विक न्याय, प्रेम और शांति शिखर सम्मेलन के समापन अवसर पर कहा कि निर्णयकर्ताओं और वे जिन लोगों के लिए निर्णय ले रहे हैं, उनके बीच गंभीर अंतर है, और यह अंतर बढ़ता ही जा रहा है। उन्होंने 12 और 13 अप्रैल को दुबई में आयोजित सम्मेलन के समापन दिवस पर यह बात कही। सत्यार्थी ने रविवार को सम्मेलन के इतर विशेष बातचीत में यह विचार साझा किए।

रविवार देर शाम आयोजित एक सत्र में सत्यार्थी ने 11 अन्य नोबेल पुरस्कार विजेताओं के साथ मिलकर सामाजिक परिवर्तन की दिशा में अपने प्रयासों के दौरान नौकरशाही और समाज की उदासीनता से जुड़े अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, यह स्थिति गंभीर नैतिक जवाबदेही और जिम्मेदारी की कमी की ओर ले जा रही है। हम कानूनी जवाबदेही, नियमों और कानूनों की बात करते हैं, लेकिन नैतिक जिम्मेदारी उससे कहीं गहरी होती है और लोगों को जवाबदेह ठहराने में उसकी भूमिका अहम है। यह जीवन के हर क्षेत्र में दिखती है, लेकिन खासकर वहां जहां फैसले लिए जाते हैं। इस सत्र में भाग लेने वाले अन्य नोबेल शांति पुरस्कार विजेताओं में ट्यूनीशिया के अब्देस्सत्तार बेन मौसा, मोहम्मद फाधेल महफूद, ओउइदेद बुशामाउई और हौसीन अब्बासी, पोलैंड के लेच वलेसा, लाइबेरिया की लेमाह गबोवी, श्रीलंका के मोहन मुनसिंघे, इराक की नादिया मुराद और ईरान की शिरीन एबादी शामिल थे। पूर्वी तिमोर के जोस मैनुएल रामोस होर्ता और कोस्टा रिका के ऑस्कर एरियस सांचेज ने कार्यक्रम में वर्चुअली भाग लिया। सत्यार्थी ने कहा कि उन्होंने नैतिक जवाबदेही की कमी से निपटने के लिए सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कम्पैशन की शुरुआत की है, जिसमें कई नोबेल विजेताओं और विश्व के नेताओं का सहयोग है। उन्होंने कहा कि करुणा की कमी से यह समस्या उत्पन्न हो रही है।उन्होंने स्पष्ट किया, जब मैं करुणा की बात करता हूं, तो मैं दया, सहानुभूति, प्रेम या परोपकार की बात नहीं कर रहा हूं। ये अच्छे मानवीय गुण हैं, लेकिन ये उस गहराई से जड़े जमाए बैठी उन समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते जो व्यवस्था में असमानता और भेदभाव से उपजी हैं। बच्चों के अधिकारों के प्रबल पक्षधर सत्यार्थी ने भारत सरकार से आग्रह किया कि वह सहिष्णुता बढ़ाने की दिशा में संयुक्त अरब अमीरात से सीख ले, जहां स्कूली बच्चों में सहिष्णुता की भावना को विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, मैं यह भी कहूंगा कि दुनिया की सभी सरकारों को अपने नागरिकों को सह-अस्तित्व, सहिष्णुता और एक-दूसरे को सुनने की कला सिखानी चाहिए। सत्यार्थी ने बताया कि भारत में इस दिशा में कई नागरिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं और शैक्षणिक जगत ने उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा, लेकिन शायद हमारी सरकार भी संयुक्त अरब अमीरात के मिनिस्ट्री ऑफ टॉलरेंस एंड को-एग्जिस्टेंस से प्रेरणा ले सकती है। हमें इन प्रयासों को एक बड़े आंदोलन में बदलना होगा। इस सत्र से पहले पोलैंड के पूर्व राष्ट्रपति और 1983 के नोबेल शांति पुरस्कार विजेता लेच वलेसा ने बातचीत में कहा कि आज कई समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर नहीं हो सकता। पूरी दुनिया में अधिकतर राजनेता अपने क्षेत्र और अल्पकालिक सफलता पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

सिंगापुर के आगामी आम चुनाव में भारतीय समुदाय के उम्मीदवारों को भी उतारेंगे : लॉरेंस वोंग

» सिंगापुर, भाषा।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने व्यवसाय, उद्योग और लोक सेवाओं सहित कई क्षेत्रों में भारतीय समुदाय के लोगों के योगदान को स्वीकारते हुए रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) निश्चित रूप से आगामी आम चुनाव में भारतीय समुदाय के लोगों को भी उतारेगी। पीएपी ने 2020 के आम चुनाव में 27 नए चेहरों को चुनाव मैदान में उतारा था लेकिन इनमें एक भी भारतीय मूल का उम्मीदवार नहीं था जिसके बाद संसद में भारतीय समुदाय के प्रतिनिधित्व को लेकर सवाल उठने लगे थे। भारतीय समुदाय के युवाओं के साथ संवाद के दौरान वोंग ने कहा, आप (भारतीय समुदाय) एक छोटा समुदाय हो सकते हैं, लेकिन निश्चित रूप से सिंगापुर में आपका योगदान और आपका प्रभाव बिल्कुल भी छोटा नहीं है।

द स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार ने वोंग के हवाले से कहा, वास्तव में, मैं कहूंगा कि आप पहले से ही सिंगापुर की भावना का प्रतिबिंब हैं। आपकी कहानी सिंगापुर की कहानी है। वोंग ने सिंगापुर में व्यापार, उद्योग और सरकार सहित कई क्षेत्रों में देश के लिए भारतीयों के योगदान को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आगामी चुनाव के लिए पीएपी से नए भारतीय उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा जाएगा लेकिन उन्होंने इस बारे में ज्यादा विवरण नहीं दिया और न ही किसी का नाम बताया। मीडिया में आई खबरों के अनुसार, हाल में नेताओं के साथ देखे गए नए चेहरों में एजेंसी फॉर इंटीग्रेटेड केयर के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिनेश वासु दास, लॉ फर्म टीटो इसाक एंड कंपनी के प्रबंध भागीदार कवल पाल सिंह, ट्रेड यूनियन में बड़ा चेहरा जगतीश्वरन राजो और भारतीय ऑर्थोपेडिक सर्जन हामिद रजाक शामिल हैं।